15 नवंबर 2025
शनिवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

नया भोजपुर में तीन बच्चों के साथ मां के आत्महत्या मामले में पति गिरफ्तार 2

बिहार चुनाव की जीत का जश्न दिल्ली में

- मोदी बोले- कांग्रेस अब मुस्लिम लीगी माओवादी पार्टी

एजेंसी/नई दिल्ली

भाजपा ने बिहार में एनडीए की जीत का शुक्रवार को दिल्ली हेडक्वार्टर में जश्न मनाया। इस मौके पर पीएम ने 42 मिनट के भाषण में कहा, बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया। अब कट्टा सरकार कभी वापस नहीं आएगी। उन्होंने छठी मईया के जयकारे भी लगाए। उन्होंने कहा कि जो छठ पूजा को ड्रामा कह सकते हैं, वे बिहार की क्या इज्जत करेंगे। इस दौरान कांग्रेस, आरजेडी, पश्चिम बंगाल, केरल तमिलनाडु चुनाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बंगाल में भी भाजपा सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब मुस्लिम लीगी माओवादी पार्टी बन गई है। पीएम शाम 6 बजकर 51 मिनट पर मुख्यालय पहुंचे थे। उन्होंने कार्यकताओं का गमछा लहराकर अभिवादन किया। सारे कार्यकताओं ने भी गमछा लहराकर इसका जवाब दिया। बिहार में आज एनडीए की सरकार बनी है। गठबंधन को 243 में 202 सीटों पर जीत हासिल हुई, जो रिकॉर्ड है। महागठबंधन के खाते सिर्फ 35 सीटें ही आईं। बिहार में सरकार बनाने के लिए 122 सीटों की जरूरत होती है। एनडीए में भाजपा और जेडीयू ने 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ा था। अन्य सहयोगी पार्टियों एलजेपी को 29 सीटें, हम और आरएलएम को 6-6 सीटें दी गई थीं। मैं कहता हूं कि आपकी आशा मेरा संकल्प है। आपकी आकांक्षा मेरी प्रेरणा है। अब का बिहार विकसित होगा। भाजपा की ताकत उसका कार्यकर्ता है। भाजपा का कार्यकर्ता कुछ ठान लेता है तो कुछ भी असंभव नहीं रह जाता है। आज की विजय ने भाजपा के कार्यकर्ताओं को केरल, तमिलनाडु, असम, पुडुचेरी, पश्चिम बंगाल में भी नई ऊर्जा से भर दिया है। यहां गंगा जी, बिहार से बहते हुए ही बंगाल तक पहुंचती है। बिहार ने बंगाल में भाजपा की विजय का रास्ता बना दिया है। मैं बंगाल के भाई-बहनों से कहता हूं कि भाजपा आपके साथ मिलकर बंगाल से जंगलराज को उखाड़ फेकेगी।

कांग्रेस का एक और विभाजन हो सकता है

कांग्रेस अब मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस, यानी एमएमसी बन गई है। यही एमएमसी है और इसका पूरा एजेंडा इसी पर चलता है। इसके भीतर एक अलग धड़ा पैदा हो रहा है, जो नेगेटिव पॉलिटिक्स से अलग हो रहा है। यह धड़ा नामदारों के खिलाफ है, और उनके प्रति घोर निराशा पनप रही है। आगे चलकर कांग्रेस का एक और बड़ा विभाजन हो सकता है। इसके सहयोगी दल भी अब समझने लगे हैं कि कांग्रेस अपनी निगेटिव राजनीति में सबको एक साथ डुबो रही है।

बिहार में निवेश और रोजगार की तेजी होगी

आने वाले 5 साल बिहार तेज गति से आगे बढ़ेगा। यहां नए उद्योग लगेंगे। यहां के नौजवानों को यहीं रोजगार मिले, इसके लिए काम होगा। निवेश ज्यादा नौकरियां लाएगा। यहां पर्यटन का विकास होगा। यहां का सामर्थ्य दुनिया को दिखेगा। आस्था के स्थानों, तीर्थस्थानों का कायाकल्प होगा। मैं आज देश-दुनिया के निवेशकों से कहूंगा कि बिहार आपके स्वागत के लिए तैयार है। बिहार की संतान जो देश-दुनिया में हैं, वे यहां निवेश करें। मैं बिहार की एक-एक मां, युवा, किसान, गरीब परिवार से कहना चाहता हूं कि आपका भरोसा-मेरा प्रण है।

श्रीनगर के नौगाम में बड़ा विस्फोट : कई लोगों घायल

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में नौगाम पुलिस स्टेशन के अंदर गुरुवार रात करीब 11:45 बजे बड़ा धमाका हुआ है। कई लोगों के घायलों होने की खबर है। फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गईं। इलाके में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।नौगाम इलाके में दिल्ली ब्लास्ट की जांच हो रही थी। शुरूआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह विस्फोट उसी आतंकी मॉड्यूल से बरामद विस्फोटक सामग्री के कारण हुआ है, जिसे नौगाम पुलिस ने हाल ही में पकड़ा था। इसी आतंकी मॉड्यूल ने दिल्ली लाल किला में धमाका किया था।

बिहार विधानसभा चुनाव

एनडीए की बंपर जीत

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए ने सारे समीकरणों को ध्वस्त करते हुए शानदार जीत हासिल है। भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। जदयू ने भी अच्छी वापसी की। महागठबंधन 35 सीटों पर ही सिमट गया। सम्राट, प्रेम, अनंत, नितिन समेत कई दिग्गज चुनाव जीत चुके हैं। एनडीए अब शपथ ग्रहण की तैयारी कर रहा है। राघोपुर से तेजस्वी यादव जीत गए। तेज प्रताव चुनाव हार गए। सीएम हाउस में नीतीश कुमार ने जदयू नेताओं के साथ बैठक की। 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव परिणाम आ चुके है। आयोग के मुताबिक, भाजपा ने 85 सीटों पर, जदयू ने 85 सीटों पर और राजद ने 25 सीटों पर जीत हासिल की। लोजपा (रा.) 19 सीटों पर जीत मिली है, जबकि कांग्रेस को 6 सीटों पर जीत मिली है। सीपीआई (एमएल) 2 सीटों पर, हम पार्टी 5 सीटों पर और राष्ट्रीय लोक मोर्चा 4 सीटों पर जीत मिली है। अक्टक्ट ने इस बार 5 सीटों पर जीत हासिल की है। सीपीआई (एम), आईआईपी और बसपा को 1-1 सीट पर नीट मिली है। कुल मिलाकर 243

पीएम मोदी गमछा लहराते हुए भाजपा मुख्यालय पहुंचे, मखाने की माला पहनी

बिहार में एनडीए सरकार कायम रहेगी। शुक्रवार को जारी विधानसभा चुनाव के रिजल्ट में एनडीए को प्रचंड बहुमत मिला है। गठबंधन ने 200 से ऊपर जीतकर रिकॉर्ड बनाया है। भाजपा को 85 सीटें मिली हैं, जो अपने आप में रिकॉर्ड है। पीएम मोदी दिल्ली स्थित बीजेपी हेडक्वार्टर में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जीत का जश्न मनाया। मोदी जैसे ही भाजपा मुख्यालय पहुंचे, कार्यकताओं का जोश हाई हो गया। मोदी-मोदी के नारे लगने लगे... पीएम भी कॉरिडोर से लेकर मंच तक गमछा हिलाते पहुंचे। पीएम को देख कैंपस में मौजूद हर कार्यकर्ता गमछा लहराने लगा। भाजपा ने बिहार में ठऊअ की जीत का शुक्रवार को दिल्ली हेडक्वार्टर में जश्न मनाया। इस मौके पर पीएम ने 42 मिनट के भाषण में कहा, बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया। अब कट्टा सरकार कभी वापस नहीं आएगी। इस दौरान कांग्रेस, आरजेडी, पश्चिम बंगाल, केरल तमिलनाडु चुनाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बंगाल में भी भाजपा सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब मुस्लिम लीगी माओवादी पार्टी बन गई है।

सीटों के परिणाम सामने आ चुके हैं।कैमूर में रामगढ़ विधानसभा की मतगणना के दौरान मोहनिया स्थित बाजार समिति में माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया। आरोप है कि बहुजन समाजवादी पार्टी के समर्थकों और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई, जिसके दौरान पथराव भी हुआ और तीन सिपाहियों के सिर फट गए। स्थिति नियंत्रण से बाहर होती देख पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इसी अफरातफरी के बीच नाराज समर्थकों ने नगर आवास एवं विकास कार्यपालक पदाधिकारी की स्कॉर्पियो में आग लगा दी, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

नीतीश सरकार के 29 मंत्रियों में से 28 जीते, सुमित सिंह को मिली शिकस्त

क्रमांक	विधानसभा क्षेत्र	प्रत्याशी	पार्टी	परिणाम
1	सोनवर्षा	रत्नेश सदा	जदयू	जीते
2	दरभंगा (सदर)	संजय सरोगी	भाजपा	जीते
3	जाले	जीवेश कुमार मिश्रा	भाजपा	जीते
4	कुढ़नी	केदार प्रसाद गुप्ता	भाजपा	जीते
5	साहेबगंज	राजू कुमार सिंह	भाजपा	जीते
6	भोरे	सुनील कुमार	जदयू	जीते
7	अमनौर	कृष्णा कुमार मंटू	भाजपा	आगे
8	सीवान	मंगल पांडे	भाजपा	जीते
9	कल्याणपुर	महेश्वर हजारी	जदयू	जीते
10	सरायरंजन	विजय कुमार चौधरी	जदयू	जीते
11	बछवाड़ा	सुरेंद्र मेहता	भाजपा	जीते
12	बिहारशरीफ	ॅ. सुनील कुमार	भाजपा	जीते
13	नालंदा	श्रवण कुमार	जदयू	जीते
14	बांकीपुर	नितिन नवीन	भाजपा	जीते
15	लखीसराय	विजय कुमार सिन्हा	भाजपा	जीते
16	तारापुर	सम्राट चौधरी	भाजपा	जीते
17	बेतिया	रेणु देवी	भाजपा	जीते
18	हरसिद्धि	कृष्णानंदन पासवान	भाजपा	जीते
19	झंझारपुर	नीतीश मिश्रा	भाजपा	जीते
20	फुलपरास	शीला कुमारी मंडल	जदयू	जीते
21	सुपौल	बिजेंद्र प्रसाद यादव	जदयू	जीते
22	छातापुर	नीरज कुमार सिंह बबलू	भाजपा	जीते
23	सिकटी	विजय कुमार मंडल	भाजपा	जीते
24	धमदाहा	लेशी सिंह	जदयू	जीतीं
25	अमरपुर	जयंत राज	जदयू	जीते
26	चैनपुर	मो. जमा खान	जदयू	जीते
27	गया टाउन	प्रेम कुमार	भाजपा	जीते
28	चकाई	सुमित कुमार सिंह	जदयू	हारे
29	बहादुरपुर	मदन सहनी	जदयू	जीते

इसे गजराज कॉर्प्स ने बनाया, अरुणाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में आसानी से पहुंचेगी मदद

सेना ने 16000 फीट की ऊंचाई पर चलाई मोनो रेल

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय सेना की गजराज कॉर्प्स ने एक इन-हाउस हाई एल्टीट्यूड मोनो रेल सिस्टम तैयार किया है। यह स्मार्ट इनोवेशन अरुणाचल प्रदेश के 16 हजार फीट की ऊंचाई वाले दुर्गम पहाड़ी इलाकों में काम करने के लिए बनाया गया है, जिससे सैनिकों को जरूरी सामान तेजी से पहुंचाने में मदद मिलेगी। यह नया सिस्टम कामेंग हिमालय रीजन में भारतीय सेना तक रसद पहुंचाने में मददगार है। यहां न तो रास्ता है, न ही कोई

दूसरा वाहन पहुंच सकता है। पहाड़ों में, संकरे रास्तों, ढीली चट्टानों, अप्रत्याशित मौसम और सीमित ऑक्सीजन के कारण छोटी दूरियां भी लंबी और कठिन लगती हैं। सैनिकों को अक्सर अपनी पीठ पर कई जरूरी सामान ढोने पड़ते थे। इसमें समय और मेहनत के साथ एक्स्ट्रा एफर्ट लगाने होते थे। अब, मोनो रेल से समय और मेहनत दोनों बचेंगे। साथ ही जोखिम भी कम होगा। गजराज भारतीय सेना की चौथी कॉर्प्स है। यह सेना की ईस्टर्न कमांड का हिस्सा है, जिसकी स्थापना 4 अक्टूबर 1962 में भारत-चीन युद्ध के समय हुई थी। पूर्वोत्तर सुरक्षा की रीढ़ माना जाता है। इसका मुख्यालय तेजपुर (असम) में है। इसे नॉर्थ-ईस्ट भारत की सुरक्षा, काउंटर-इंसर्जेंसी ऑपरेशन और सीमा प्रबंधन में सबसे सक्रिय और रणनीतिक कॉर्प्स माना जाता है। इस कोर के तहत 71 माउंटेन डिवीजन, 5 बॉल ऑफ फायर डिवीजन, 21 रियल हॉर्न डिवीजन शामिल हैं। इसकी 1962 के भारत-चीन युद्ध में सक्रिय भूमिका रही थी। हालांकि उस समय इसकी शुरूआत हुई थी, लेकिन इसके जवानों ने अरुणाचल प्रदेश के कई क्षेत्रों की रक्षा की थी। गजराज का अर्थ होता है हाथी, जो शक्ति, स्थिरता और पराक्रम का प्रतीक है।

आनंद मिश्रा बने सिकंदर तो मुकद्दर का सिकंदर साबित हुए राहुल सिंह

- बक्सर में दो सिकंदर, चुनावी रण में आनंद सबसे आगे तो राहुल ने मार ली बाजी
- एक ओर सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड, दूसरी ओर सबसे कम अंतर से रोमांचक जीत

रजनीकांत दूबे/बक्सर

विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों ने बक्सर जिले में दो ऐसे विजेताओं को जन्म दिया है, जिन्हें आज पूरा जिला ह्यसिकंदरह्ल तथा ह्यमुकद्दर का सिकंदरह्ल कह रहा है, एक दावेदारी के दम पर और दूसरा मुकद्दर के सहारे। बक्सर सदर से भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा ने जहां पूरे जिले में सबसे ज्यादा मतांतर से जीत दर्ज कर चुनावी मैदान का ह्यसिकंदरह्ल बनने का गौरव हासिल किया, वहीं डुमरांव से जदयू प्रत्याशी राहुल सिंह ने बेहद मामूली अंतर से अपनी जीत पक्की कर ह्यमुकद्दर का सिकंदरह्ल का खिताब अपने नाम कर लिया। बक्सर सदर सीट पर आनंद मिश्रा का नामांकन से लेकर मतगणना तक का सफर लगातार सुर्खियों में रहा। आखिरकार मतगणना के अंतिम चरण में जब परिणामों की घोषणा हुई, तो मिश्रा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी एवं निवर्तमान विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी को 28,184 मतों के भारी अंतर से पछाड़ दिया। आनंद मिश्रा को कुल 84,430 मत मिले, जो पूरे जिले की चारों विधानसभा सीटों में सबसे बड़ा जीत का अंतर है। उनकी यह जीत न सिर्फ भाजपा खेमे में उत्साह भरने वाली रही, बल्कि चुनावी समीकरणों को भी नया संदेश दे गई। दूसरी ओर, डुमरांव में मुकाबला हाई-वोल्टेज थ्रिलर फिल्मों जैसा रहा। यहां जदयू के राहुल सिंह ने मात्र 2,215 मतों के बेहद कम अंतर से भाकपा माले के डॉ. अजीत कुमार सिंह को पराजित किया। स्थानीय राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि बसपा उम्मीदवार एवं पूर्व मंत्री ददन यादव चुनावी मैदान में नहीं उतरते, या विपक्ष को कुछ और वोट मिल जाते, तो तस्वीर पूरी तरह बदल भी सकती थी। यही कारण है कि राहुल सिंह की जीत को लोग ह्यमुकद्दर का सिकंदरह्ल कहकर संबोधित कर रहे हैं। जिले की दो अन्य सीटों, राजपुर और ब्रह्मपुर में भी रोचक परिणाम आए। राजपुर से जदयू के संतोष निराला ने 88,027 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की, जबकि ब्रह्मपुर सीट का फैसला 3,220 मतों के मामूली अंतर से हुआ। बक्सर की इस चुनावी पटकथा में जहां बड़े मतांतर ने इतिहास लिखा, वहीं कम अंतर ने रोमांच पैदा किया। कुल मिलाकर इस चुनाव ने दो सिकंदरों को जन्म दिया, एक जीत के दम पर और दूसरा अपने भाग्य के करिश्मे पर।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025रू राजपुर और बक्सर सीटों पर शुरूआती बढ़त से लेकर अंतिम दौर तक

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की मतगणना में बक्सर और राजपुर विधानसभा क्षेत्रों में ऐसा राजनीतिक रोमांच देखने को मिला, जहां दोनों सीटों पर विजयी उम्मीदवारों ने शुरूआत से ही मजबूत पकड़ बनाई और अंतिम राउंड तक अपनी बढ़त को कायम रखा। सुबह आठ बजे मतगणना शुरू होने के साथ ही शुरूआती रुझानों में इन दोनों सीटों के प्रत्याशी अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकल गए थे।

बक्सर विधानसभा क्षेत्र में पहले राउंड से ही मुकाबला एकतरफा दिखाई देने लगा। जैसे-जैसे राउंड आगे बढ़े, विजयी उम्मीदवार ने अपनी बढ़त को हजारों मतों तक विस्तारित कर लिया। प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी लगातार पीछा करने की कोशिश करते रहे, लेकिन प्रत्येक राउंड के साथ अंतर और बढ़ता गया। अंतिम राउंड में विजयी उम्मीदवार ने निर्णायक बढ़त बनाते हुए जीत का परचम लहराया। उधर, राजपुर विधानसभा क्षेत्र में भी स्थिति बिल्कुल समान रही। पहले राउंड में बढ़त मिलने के बाद प्रत्याशी ने अपनी लय बरकरार रखी। दूसरे और तीसरे राउंड में अंतर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जिसके बाद पूरा मुकाबला लगभग एकतरफा होता चला गया। अंतिम राउंड तक विरोधी उम्मीदवार अंतर कम करने में नाकाम रहे और विजयी उम्मीदवार पूरे आत्मविश्वास के साथ विजेता घोषित हुए। दोनों विधानसभा क्षेत्रों के नतीजों ने यह साफ कर दिया कि जनता ने इस बार बेहद स्पष्ट जनादेश दिया है, जहां शुरूआत से अंत तक प्रत्याशियों के पक्ष में भारी समर्थन दिखाई दिया।

नया भोजपुर में तीन बच्चों के साथ मां के आत्महत्या मामले में पति गिरफ्तार

- केशव टाइम्स की खबर पर लगी मुहर, पति का था दूसरी महिला से अवैध संबंध, अक्सर पति-पत्नी के बीच होता था विवाद, मोबाईल के सीडीआर ने खोले राज

केटी न्यूज/डुमरांव

11 नवंबर को नया भोजपुर गांव में एक महिला द्वारा अपने तीन बच्चों के साथ खुद ही कीटनाशक पी आत्महत्या मामले में पुलिस ने उसके पति को गिरफ्तार कर लिया है।

पति पर कीटनाशक पीने के बाद महिला तथा बच्चों के इलाज में लापरवाही का आरोप लगा है। वहीं, उसके मोबाईल सीडीआर से इस बात की पुष्टि हुई है कि उसका किसी महिला के साथ अवैध संबंध था, जिस बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होते रहता था। इस बात की जानकारी मृतका सविता देवी के मायके वालों को भी थी। कई बार मायके वालों ने सुनील को समझाने का प्रयास किया था, लेकिन उस पर उनकी बातों का कुछ असर नहीं हुआ।

इसी बीच मंगलवार को एक बार फिर से सुनील के अवैध संबंधों को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। जिसके बाद सुनील उपर के कमरे में चला गया था, इधर पति के हरकत से परेशान सविता ने अपने घर में रखे चावल में कीड़ा मारने वाले दवा को घोल अपने तीन बच्चों को पिलाने के साथ खुद भी पी ली।

पुलिस की जांच में यह सामने आया है कि महिला द्वारा जहर पीने के बाद भी पति तथा परिवार द्वारा इलाज में लापरवाही बरती गई। परिवार वाले पहले सिर्फ तीनों बच्चों को लेकर ही इलाज के लिए पीएचसी पहुंचे। यहां भी बच्चों के जहर पीने की बात परिजनों ने छिपा ली तथा चिकित्सा पदाधिकारी से बच्चों के उल्टी करने की बात बताई।

जानकारों का कहना है कि यदि शुरूआत में परिवार द्वारा जहर पीने वाली सविता तथा उनके बच्चों का समुचित इलाज करवाया गया होता तथा पुलिस को घटना की जानकारी दी गई होती तो, संभव था कि उनकी जान बचाई जा सकती है।

इधर मृतका सविता के पिता ओमप्रकाश सिंह ने पति पर लापरवाही का आरोप लगा नया भोजपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराया। पुलिस ने एफआईआर होने के बाद आरोपिता राजमिस्त्री सुनील के मोबाईल सीडीआर, आस पास के लोगों से पूछताछ में मिली जानकारी तथा एफएसएल जांच रिपोर्ट के आधार पर पति को सुनील को दोषी पाते हुए गिरफ्तार कर लिया।

डुमरांव एसडीपीओ पोलत्स कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपित पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद टेक्निकल एवं अन्य सभी बिन्दुओ पर जांच किया गया, जांच के क्रम में इसके पति की लापरवाही प्रतीत हुई है, इसके द्वारा ससमय सभी का बेहतर इलाज नहीं कराया गया, पत्नी द्वारा अपने बच्चों के साथ आत्महत्या की जो घटना कारित किया गया है,उसमे मोबाइल का एक मसला के साथ-साथ एक दूसरा पहलू ये भी है कि सुनील के मोबाइल नंबर के सीडीआर से यह ज्ञात हुआ कि ये किसी दूसरी औरत के साथ भी टच में था, इसकी जानकारी मृतक के मायके वालों को भी थी और यहां आकर सुनील को समझाया भी गया था, फिर भी सीडीआर के अवलोकन से ज्ञात होता है कि ये अभी भी इसके टच में है।

गौरतलब हो कि केशव टाइम्स ने गुरूवार के अपने अंक में ग्रामीण सूत्रों के हवाले से सुनील के अवैध संबंधो का जिक्र अपने खबर में किया था तथा यह भी लिखा था कि परिवार द्वारा इस घटना को पुलिस से छिपाने के साथ ही इलाज में भारी लापरवाही बरती गई थी। पुलिस की तफ्तीश में केशव टाइम्स की इस खबर पर मुहर लग गई।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः– सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

यह जीत कार्यकताओं के अथक परिश्रम की जीत है : आनंद मिश्रा

- बक्सर के नवनिर्वाचित भाजपा विधायक ने जताया जनता का आभार, बोले–अब शुरू होगा विकास का नया अध्याय

केटी न्यूज/बक्सर

विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद बक्सर में जश्न का माहौल है। भाजपा प्रत्याशी आनंद मिश्रा ने प्रचंड जीत हासिल करते ही स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह जीत उनके कार्यकताओं के अथक परिश्रम और जनता के भरोसे की जीत है। चुनाव परिणाम जारी होते ही उनके समर्थकों में उत्साह की लहर दौड़ गई, वहीं मिश्रा ने मीडिया से बातचीत में अपने धैर्य और संयम का परिचय देते हुए आने वाले दिनों की विकास योजनाओं पर भी अपनी बात रखी।

आनंद मिश्रा ने कहा कि जिन कठिन परिस्थितियों में कार्यकताओं ने बूथ स्तर से लेकर जनसंपर्क तक में पूरी ताकत लगा दी, उसका परिणाम आज सबके सामने है। उन्होंने कहा कि इस समर्पण को सिर्फ चुनाव तक ही सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि क्षेत्र के विकास कार्यों में भी कार्यकताओं की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि बक्सर लंबे समय से कई बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है–चाहे वह सड़कें हों, स्वास्थ्य सुविधाएँ, शिक्षा व्यवस्था या रोजगार के अवसर। उन्होंने आश्वस्त किया कि अब इन सबकी भरपाई का समय शुरू हो गया है। हम सुंदर और मजबूत रणनीति बनाकर बक्सर को विकास की मुख्यधारा में लाएँगे।

आनंद मिश्रा ने एनडीए गठबंधन पूरे बिहार में मिली भारी जीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास केन्द्रित नेतृत्व का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने एक बार फिर विकास, स्थिरता और मजबूत नेतृत्व पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि बक्सर ही नहीं, पूरे बिहार ने जो जनादेश दिया है, वह ऐतिहासिक है और इसके लिए मैं प्रत्येक मतदाता को हृदय से धन्यवाद देता हूँ। अपनी जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि बक्सर की जनता ने जिस विश्वास के साथ उन्हें सेवा का अवसर दिया है, उसे वे कभी कमजोर नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा, मेरा लक्ष्य स्पष्ट है बक्सर का समग्र विकास। आने वाले समय में लोग बदलाव को महसूस करेंगे।

चुनाव परिणाम ने जहाँ भाजपा खेमे में उत्साह भर दिया है, वहीं बक्सर में विकास की उम्मीदें भी नई ऊँचाई पर पहुँच गई हैं। अब देखना है कि आनंद मिश्रा अपने वादों को किस गति से जमीन पर उतारते हैं।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

बोले राहुल सिंह बहा दूंगा विकास की गंगा मॉडल विधानसभा क्षेत्र बनेगा डुमरांव

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व एनडीए कार्यकर्ताओं को दिया जीत का श्रेय, बोले डुमरांव को मिल गई लाल गुलामी से मुक्ति

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा सीट से चुनाव जीतने वाले जदयू प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह ने कहा कि वे डुमरांव विधानसभा क्षेत्र को मॉडल विधानसभा बनाएंगे। उन्होंने कहा कि यहां विकास की गंगा बहा दूंगा।

राहुल सिंह ने जीत का श्रेय एनडीए कार्यकताओं, प्रधानामंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दिया और और कहा है कि मैं अपने संकल्प को पूरा करूंगा तथा डुमरांव विधानसभा क्षेत्र को बिहार का मॉडल विधानसभा क्षेत्र बनाउंगा।

उन्होंने कहा कि डुमरांव की जनता ने यहां के नकारा विधायक अजित कुमार सिंह को पूरी तरह से नकार दिया है। अब यहां के लोगों को लाल गुलामी से मुक्ति मिल गई है। राहुल ने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में विकास की रफ्तार तेज होगी। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किए गए वायदे मुझे याद है। मैं यहां के सड़कों-नालियों के साथ ही पूरे विस क्षेत्र को जलजमाव से मुक्ति दिलाने का प्रयास करूंगा। इसके अलावे डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में उद्योगों का जाल बिछाने के लिए मैं भरपूर प्रयास करूंगा, ताकि यहां के युवाओं को रोजगार के लिए पलायन नहीं करना पडे।

बता दें कि चुनाव में राहुल कुमार सिंह को कुल 78884 मत मिले है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाकपा माले के अजित कुमार सिंह को 2215 मतों से पराजित किया है।

बता दें कि डुमरांव की सीट जिले की हॉट सीट बनी हुई थी। इस सीट पर शुरू से ही कांटे की लड़ाई का अनुमान लगाया जा रहा था। मतगणना के दौरान यह देखने को भी मिला।

डुमरांव सीट से राहुल की जीत के बाद एनडीए समर्थको का उत्साह चरम पर पहुंच गया है। डुमरांव में एनडीए के सभी घटक दलों ने एकजुट हो मजबूती से चुनाव लड़ा था, जिसका परिणाम है कि अंतिम रिजल्ट उनके पक्ष में गया। वही महांगठबंधन समर्थिल भाकपा-माले प्रत्याशी अंतिम समय तक अंतरविरोध को पाट नहीं पाए।

केसठ में चाय दुकान पर जुटे ग्रामीण, डुमरांव विधानसभा

- एनडीए समर्थकों में दिखी खुशी, जेडीयू प्रत्याशी राहुल सिंह की जीत पर मनाया जश्न

केटी न्यूज/केसठ

शुक्रवार को डुमरांव विधानसभा चुनाव परिणाम जैसे जैसे स्पष्ट होता गया, केसठ प्रखंड के बाजार, चौक-चौराहों और चाय दुकानों पर दिनभर राजनीतिक चर्चा का माहौल गर्म रहा। स्थानीय चाय दुकान पर ग्रामीणों की भीड़ सुबह से ही जुटी रही। लोग मोबाइल पर लाइव अपडेट देखते हुए परिणाम की हर पल की जानकारी लेते रहे। जैसे ही यह साफ हुआ कि जेडीयू के उम्मीदवार राहुल सिंह ने बढ़त हासिल कर ली है, एनडीए समर्थकों में उत्साह की लहर दौड़ गई। समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाइयाँ खिलाकर जीत की खुशी का इजहार किया। कई स्थानों पर युवाओं ने पटाखे भी फोड़े और राहुल सिंह के पक्ष में नारे लगाए ग्रामीणों का कहना था कि इस बार विकास, सड़क और स्थानीय समस्याओं के समाधान को लेकर राहुल सिंह की पकड़ मजबूत दिखी। लोगों का विश्वास है कि वे पिछले विधायक से बेहतर काम करेंगे। चाय दुकान मालिकों ने बताया कि पूरे दिन दुकान पर लोगों की भीड़ रही। सुबह से लेकर शाम तक लोग सिर्फ एक ही बात कर रहे थे कौन जीतेगा।परिणाम घोषित होने के बाद क्षेत्र में राजनीतिक गर्मी शांत हुई, लेकिन खुशी का माहौल देर रात तक बना रहा। जीत के बाद एनडीए समर्थक एकजुट होकर जेडीयू प्रत्याशी राहुल सिंह की अगली पारी को लेकर उत्साहित दिखाई दिए।

बक्सर की चार में से तीन सीटों पर एनडीए की शानदार वापसी, ब्रह्मपुर में महागठबंधन ने बचाई लाज

जीत का प्रमाण पत्र लेते डुमरांव के जदयू विधायक राहुल कुमार सिंह

जीत का प्रमाण पत्र लेते राजपुर सुरक्षित सीट से जीत दर्ज करने वाले जदयू के संतोष कुमार निराला

- आनंद मिश्रा, राहुल सिंह और संतोष निराला ने दिलाई एनडीए को जीत, शंभूनाथ सिंह ने लगाई हैट्रिक

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की मतगणना पूरी होने के साथ ही बक्सर जिले का राजनीतिक गणित एक बार फिर बदल गया है। चार विधानसभा सीटों वाले बक्सर में इस बार एनडीए ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए तीन सीटों पर कब्जा जमाया है, जबकि महागठबंधन केवल ब्रह्मपुर सीट पर जीत का परचम लहरा पाया। पिछली बार जहां चारों सीटें महागठबंधन के खाते में गई थीं, वहीं इस बार एनडीए ने जोरदार वापसी कर राजनीतिक समीकरण बदल दिए हैं।

परिणाम आते ही एनडीए समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। डुमरांव और बक्सर में समर्थकों ने पटाखे फोड़े, ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया और विजयी प्रत्याशियों को फूल-मालाओं से लाद दिया। दूसरी ओर, महागठबंधन खेमे में मायूसी साफ झलक रही थी।

जीत का प्रमाण पत्र लेते ब्रह्मपुर विधानसभा सीट से राजद के विधायक शंभू नाथ सिंह

जीत का प्रमाण पत्र लेते बक्सर सदर विधानसभा सीट के भाजपा विधायक सह पूर्व आईपीएस आनंद मिश्रा

बक्सर सदर, पूर्व आईपीएस आनंद मिश्रा की बड़ी जीत, मुन्ना तिवारी पर भारी पड़े

बक्सर सदर सीट इस बार सबसे ज्यादा चर्चा में रही। भाजपा प्रत्याशी और पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा ने कांग्रेस उम्मीदवार संजय कुमार तिवारी उर्फ. मुन्ना तिवारी को 28,184 मतों के बड़े अंतर से पराजित किया।

आनंद मिश्रा को कुल 84,430 वोट मिले, जबकि मुन्ना तिवारी को 56,246 वोट पर संतोष करना पड़ा। गिनती के शुरू से ही आनंद मिश्रा लगातार बढ़त बनाए हुए थे, और अंत तक यह बढ़त और मजबूत होती चली गई। अपनी जीत को उन्होंने कार्यकताओं के अथक परिश्रम और जनता के विश्वास की जीत बताया है।

डुमरांव की हॉट सीट पर जदयू का कब्जा, राहुल सिंह ने अजित कुमार को किया मात

डुमरांव विधानसभा सीट, जिसे इस चुनाव का हॉट स्पॉट माना जा रहा था, एक बार फिर जदयू के खाते में चली गई है। जदयू प्रत्याशी राहुल सिंह ने निवर्तमान विधायक और भाकपा-माले उम्मीदवार डॉ. अजित कुमार सिंह को 2215 मतों से पराजित किया। राहुल सिंह को कुल 78,884 वोट, जबकि अजित कुमार सिंह को 76,669 वोट मिले।

इस मुकाबले को पूरे जिले की सबसे कड़ी टक्कर में से एक माना जा रहा था। कई राउंड तक दोनों उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर रही, लेकिन अंतिम चरणों में राहुल सिंह ने निर्णायक बढ़त बना ली। राहुल सिंह की जीत के बाद डुमरांव में जश्न का माहौल रहा। समर्थकों ने उन्हें कंधे पर उठाकर विजय जुलूस भी निकाला।

राजपुर सुरक्षित सीट, जदयू के संतोष निराला की दमदार जीत

राजपुर सुरक्षित सीट पर भी एनडीए का परचम लहराया। जदयू प्रत्याशी सह पूर्व मंत्री संतोष निराला ने कांग्रेस के विश्वनाथ राम को 9155 मतों से हराया।

निराला को 80,368 वोट, जबकि विश्वनाथ राम को 71,213 वोट प्राप्त हुए। संतोष निराला ने कहा कि यह जीत जनता के भरोसे और विकास के मुद्दों की जीत है। उनकी जीत के बाद राजपुर में भी एनडीए समर्थकों ने खूब जश्न मनाया।

ब्रह्मपुर, महागठबंधन ने बचाई इकलौती सीट, शंभूनाथ सिंह की जीत की हैट्रिक

जिले की चार सीटों में केवल ब्रह्मपुर ही महागठबंधन के खाते में गई। यहां से राजद प्रत्याशी सह निवर्तमान विधायक शंभूनाथ सिंह ने एलजेपी-आर के हुलास पांडेय को 3220 मतों से मात देकर अपनी जीत की हैट्रिक पूरी की।

शंभूनाथ सिंह को 95,828 वोट, जबकि हुलास पांडेय को 92,608 वोट मिले।

ब्रह्मपुर में इस बार मुकाबला बेहद दिलचस्प रहा, लेकिन अंत में अनुभव और जमीन से जुड़ाव शंभूनाथ सिंह के पक्ष में गया। उनकी जीत के बाद महागठबंधन समर्थकों ने पटाखे फोड़े और मिठाइयां बांटीं।

एनडीए का बढ़ा मनोबल महागठबंधन में निराशा

परिणाम जारी होते ही एनडीए समर्थकों में उल्लास की लहर दौड़ पड़ी। बक्सर और डुमरांव में जुलूस निकाले गए, ढोल-नगाड़ों की थाप पर समर्थक नाचते दिखे। यहीं, हाल बक्सर व राजपुर विधानसभा में भी देखने को मिला, जहां जीत के बाद एनडीए समर्थकों ने विजय जुलूस निकाला।

वहीं, महागठबंधन के कैंप में निराशा का माहौल देखने को मिला। पिछली बार की तरह चारों सीटों पर कब्जा कायम न रख पाने की कसक समर्थकों के चेहरे पर साफ दिख रही थी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारियों द्वारा सभी विजयी प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया गया है।

इस बार बक्सर जिले में एनडीए का प्रदर्शन बेहतरीन रहा। तीन सीटों पर जीत ने एनडीए गठबंधन का मनोबल बढ़ाया है। वहीं, महागठबंधन ने ब्रह्मपुर सीट जीतकर कुछ हद तक अपनी प्रतिष्ठा बचा ली है। आने वाले दिनों में विजयी विधायक विकास के वादों को कैसे धरातल पर उतारते हैं, इस पर सबकी निगाहें टिकी रहेंगी।

नेहरू जयंती पर बाल दिवस का आयोजन कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया याद

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा गुरुवार को पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती बाल दिवस के रूप में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे ने की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने नेहरू जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को याद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे ने कहा कि पंडित नेहरू ने स्वतंत्र भारत में लोकतांत्रिक और संवैधानिक ढांचे की मजबूत नींव रखी। उनका दूरदर्शी

नेतृत्व न केवल भारत की राजनीति बल्कि विश्व राजनीति के लिए भी मार्गदर्शक सिद्ध हुआ। उन्होंने शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और आधुनिक संस्थानों के विकास को राष्ट्र प्रगति का आधार बनाया। डॉ. पांडे ने कहा कि नेहरू जी का जीवन बताता है कि कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, साहस और आदर्शों का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। अंग्रेजों के दमन और चुनौतियों के बीच भी उन्होंने सत्य, अहिंसा और लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि रखा। आज का दिन हमें प्रेरणा देता है कि समाज के वंचित और कमजोर वर्गों की सेवा ही हमारा पहला कर्तव्य होना चाहिए। उन्होंने कार्यकताओं से आग्रह किया कि नेहरू जी के आदर्श लोकतंत्र, शिक्षा, विज्ञान, प्रगति और मानवता–को अपने जीवन और कार्यों में आत्मसात करना ही उनकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

यह जीत सरकार के विकास कार्यों में जनता के विश्वास का परिणाम : अशोक गुप्ता

केटी न्यूज/डुमरांव

एनडीए कोटे से डुमरांव विधानसभा सीट पर प्रत्याशी सह डुमरांव विधायक राहुल कुमार सिंह की जीत के बाद क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। नतीजों के घोषित होते ही पुराना भोजपुर में कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर और जमकर आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इजहार किया। जीत की घोषणा के साथ ही पुराना भोजपुर का पूरा इलाका ढोल-नगाड़ों और पटाखों की आवाज से गूंज उठा। खुशी मनाने वालों में अशोक गुप्ता, कन्हैया सिंह, रॉकी सिंह, रोहित सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे। सभी ने राहुल कुमार सिंह की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए एक-दूसरे को बधाई दी और कहा कि यह जीत

विकास की राजनीति की जीत है। कार्यकताओं के चेहरों पर उत्साह साफ झलक रहा था और कई स्थानों पर लोगों ने मिठाई बांटकर जीत का जश्न मनाया।

अशोक गुप्ता ने कहा कि डुमरांव की यह प्रचंड जीत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और एनडीए सरकार के विकास कार्यों में जनता के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा पेंशन बढ़ाने, किसानों के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाने, बिजली मुफ्त करने जैसे फैसलों ने आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। यही वजह है कि जनता ने फिर से एनडीए पर भरोसा जताया है। अशोक गुप्ता ने आगे कहा कि डुमरांव में अब विकास की रफ्तार और तेज होगी और विधायक राहुल कुमार सिंह क्षेत्र में नई विकास लहर बहाने का काम करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि से जुड़े कार्यों में और मजबूती आएगी। पुराना भोजपुर में देर शाम तक जश्न का माहौल बना रहा और कार्यकताओं ने राहुल कुमार सिंह के समर्थन में नारे लगाते हुए विजय उत्सव को यादगार बनाया।

डुमरांव से विकसित बिहार का संदेश, विकास की नई गाथा लिखेंगे राहुल व आनंद : प्रो. अखिलेश दूबे

- बोले दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर शाहाबाद व मगध क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान मिला था जनता का रूझान
- संगठन और जनसाधारण को प्रो. दुबे ने बताई एनडीए की बड़ी जीत की असली वजह

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की अभूतपूर्व जीत के बाद बिहार संकलन योजना (दिल्ली प्रांत) के उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े वरिष्ठ शिक्षाविद् प्रो. ए.के. दुबे ने इसे ह्वविकास पर भरोसेह्व की जीत करार दिया है। उनका कहना है कि इस चुनाव में बिहार की जनता ने जिस मजबूती से एनडीए को समर्थन दिया, उसने यह साफ कर दिया कि प्रदेश

अब स्थिर सरकार और तेज रफ्तार विकास के रास्ते को ही आगे बढ़ाना चाहता है।

प्रो. दुबे को शाहाबाद और मगध के कई महत्वपूर्ण विधानसभाओं में संगठन को मजबूत करने की विशेष जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने बताया कि डुमरांव, बक्सर, राजपुर, दिनारा और शाहपुर जैसी प्रमुख सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों को मिले भारी जन समर्थन ने यह स्थापित कर दिया कि जनता के मन में विकास के प्रति स्पष्ट झुकाव था। संगठनात्मक एकजुटता, स्थानीय स्तर पर की गई मेहनत और मतदान से पहले तैयार की गई रणनीति ने इस जीत को निर्णायक बनाया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की योजनाओं महिला सशक्तीकरण, स्वरोजगार, आत्मनिर्भर भारत और युवाओं को प्रोत्साहन देने वाली नीतियोंकृने गांव से लेकर शहर तक सकारात्मक माहौल उत्पन्न किया। इससे मतदाताओं को विश्वास हुआ कि एनडीए ही बिहार को तेजी से आगे बढ़ा सकता है। प्रो. दुबे के अनुसार, बिहार के लिए जारी किए गए विकास पैकेज, रेलवे के आधुनिकीकरण, सड़कों व आधारभूत संरचनाओं में सुधार तथा रोजगार-सृजन से जुड़े कार्यक्रमों का प्रत्यक्ष लाभ लोगों तक पहुंचा, जिसने जन समर्थन को और मजबूत किया।

प्रो. दुबे ने कहा कि इस चुनाव में बिहार की जनता ने ह्लस्पष्ट जनादेशह्व देते हुए यह दिखा दिया कि अब राजनीति का मूल आधार सिर्फ विकास है। उन्होंने एनडीए कार्यकताओं और समर्थकों से अपील की कि वे आगे भी इसी ऊर्जा के साथ जनता के बीच रहकर विकास की योजनाओं को जमीन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उनका कहना था कि आने वाले वर्षों में बिहार एक नई दिशा और नए उत्साह के साथ स्वर्णिम विकास यात्रा की ओर बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि खासकर डुमरांव सीट से जीते जदयू के प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह व बक्सर सदर विधानसभा सीट से जीत दर्ज करने वाले पूर्व आईपीएस आनंद मिश्रा इस बार अपने-अपने क्षेत्र में विकास की गंगा बहा देंगे। वहीं, राजपुर के नवनिर्वाचित विधायक संतोष निराला भी इस बार विकास को नई गति देंगे।

बता दें कि प्रो. दूबे मूल रूप से बक्सर जिले के सिमरी प्रखंड के दुबौली गांव के रहने वाले है। वे दिल्ली विश्वविद्यालय में इतिहास विभाग के प्रोफेसर है तथा उन्हें बक्सर के प्रति गहरा लगाव है। वे अक्सर बक्सर आते रहते है। उन्होंने कहा कि वे बहुत जल्द बक्सर आएंगे तथा तीनो प्रत्याशियों से मिल उन्हें जीत की बधाई देंगे।

बंझू डेरा से पिस्टल बरामद, आरोपित फरार

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के बंझू डेरा गांव स्थित उमेश यादव के घर से एक पिस्टल बरामद किया है। हालांकि, छापेमारी की भनक लगते ही आरोपित फरार हो गया।

डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताय कि गुप्त सूचना मिली थी कि बंझू डेरा गांव में एक अपराधी अपने घर में पिस्टल रखा है। इस सूचना पर वरीय अधिकारियों को सूचना देते हुए तत्काल छापेमारी की गई। इस दौरान उसके घर से एक पिस्टल बरामद हुआ। थानाध्यक्ष ने कहा कि छापेमारी के पहले ही उमेश फरार हो गया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

थानाध्यक्ष ने बताया कि उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। उसे जल्दी ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसके बाद ही यह पता चलेगा कि उसके पास पिस्टल कहां से आया तथा वह किस उदेश्य से अपने पास पिस्टल रखा था।

वहीं, विधानसभा चुनाव की गिनती के ऐन पहले बंझू डेरा से पिस्टल बरामद होने के बाद कई सवाल खड़े हो रहे है। बता दें कि मतगणना से पहले जिले की पुलिस अलर्ट मोड में है।

वारसलीगंज से अनीता देवी की बड़ी जीत, अशोक महतो के खेमे में खुशी की लहर, बेनीपट्टी से बिनोद नारायण झा जीते

एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे अब आने शुरू हो गये हैं। रूझान के अनुसार बिहार में भारी बहुमत में एनडीए की सरकार बनने जा रही है। बिहार के मधुबनी जिले के 32 बेनीपट्टी विधान सभा से इखढ के बिनोद नारायण झा 23,932 मतों से जीत गये हैं। बिनोद नारायण झा को 87153 जबकि कांग्रेस के नलनी रंजन उर्फ रूपम झा को 63221 हजार मत मिला है। वही वारसलीगंज से बाहुबली अशोक महतो की पत्नी अनीता चुनाव जीत गईं हैं, अनीता देवी ने बीजेपी की प्रत्याशी अरुणा देवी को भारी मतों के अंतर से चुनाव हरा दिया है। तीसरे नंबर पर निर्दलीय प्रत्याशी राकेश

कुमार रहे। बता दें कि इससे पहले अनीता देवी ने लोकसभा चुनाव लड़ा था लेकिन जीत हासिल नहीं हो पाई थी। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने मुंगेर में ललन सिंह के खिलाफ कुख्यात अशोक महतो की पत्नी अनीता देवी को अपना उम्मीदवार बनाया था। लेकिन इसके लिए खरमास में पहले अशोक महतो ने अनीता देवी से शादी की। शादी के 24 घंटे के अंदर लालू ने अपने हाथ से नई नवेली दुल्हन को राजद का सिंबल सौंपा था। अब तक बैक डोर से पॉलिटिक्स करने वाले अशोक महतो ने पहली बार पॉलिटिक्स में कदम रखा था। लेकिन ललन सिंह के खिलाफ लोकसभा का चुनाव अनिता देवी ने लड़ा जरूर लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। इसके बावजूद अशोक महतो ने हार नहीं मानी और पत्नी अनीता देवी को वारसलीगंज से आरजेडी के टिकट पर बिहार विधानसभा चुनाव लड़ाया लेकिन इस बार अनिता देवी और अशोक महतो के किस्मत ने साथ दिया। यही कारण है कि अनिता देवी ने बीजेपी की प्रत्याशी अरुणा देवी को हरा दिया। सांसद बनने ने अनीता देवी को सफलता तो नहीं मिली लेकिन विधायक वो बन गयी। अनिता देवी और अशोक महतो की खुशी का ठिकाना नहीं है। वही समर्थकों में भी खुशी की लहर दौड़ गई है। बिहार विधानसभा चुनाव में मिली रिकॉर्ड-तोड़ सफलता के बाद भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने एनडीए की जीत को जनता के विश्वास और विकास की राजनीति की विजय बताया। उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए गठबंधन को 205 से भी अधिक सीटों पर मिली जीत यह स्पष्ट करती है कि राज्य की जनता ने स्थिर शासन, सुशासन और निरंतर विकास को प्राथमिकता दी है। जायसवाल के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बीते वर्षों में जो कार्य हुए, उनकी बदौलत जनता ने एक बार फिर गठबंधन को भारी बहुमत दिया है। सांसद जायसवाल ने विपक्ष पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि ह्लजो लोग हर घर सरकारी नौकरी बांटने जैसे अव्यावहारिक और भ्रम फैलाने वाले वादों पर चुनाव लड़ रहे थे, जनता ने उन्हें करारा जवाब दिया है। ऐसे झूठे दावों को ध्वस्त कर बिहार के मतदाताओं ने दिखा दिया है कि वे नारे नहीं, नीतियों पर भरोसा करते हैं।ह्व उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम इस बात का सबूत है कि बिहार की जनता भावनात्मक छलावे में नहीं आती, बल्कि जमीन पर हुए कामों को देखकर अपने वोट का निर्णय लेती है। जायसवाल ने कहा कि एनडीए की इस ऐतिहासिक जीत

भोजपुर जिले की सभी 7 सीटों पर एनडीए की जीत : जगदीशपुर, शाहपुर, तरारी, बड़हरा, आरा, संदेश से जीते राजग प्रत्याशी

एजेंसी/आरा

भोजपुर जिले की सभी 7 विधानसभा सीटों पर एनडीए ने जीत दर्ज की है। सभी विधानसभा सीटों पर काउंटिंग खत्म हो गई है। सुबह 8 बजे से पोस्टल बैलेट के वोटों की गिनती हुई थी। इसके आधे घंटे के बाद ईवीएम के वोटों की गिनती शुरू की गई। काउंटिंग की शुरूआत से ही एनडीए प्रत्याशियों ने महागठबंधन प्रत्याशियों पर बढ़त बनाए रखा। शाम 4 बजे के एक-एक कर सभी सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों का कब्जा होता चला गया। 7 विधानसभा सीटों में शामिल आरा, संदेश, बड़हरा, शाहपुर, जगदीशपुर, अगिआंव और तरारी से कुल 82 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा था। चुनाव आयोग के निर्देश के अनुसार, हर विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग टेबल और राउंड तय किए गए थे।जिले में 6 नवंबर को 59.90 फीसदी हुई थी

वोटिंग। बड़े चेहरों में तरारी से भाजपा प्रत्याशी विधायक विशाल प्रशांत, संदेश से राजद प्रत्याशी दीपू सिंह, जेडीयू से एमएलसी राधा चरण साह, जगदीशपुर से जेडीयू प्रत्याशी टछउ श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, बड़हरा से भाजपा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह एवं शाहपुर से राजद विधायक राहुल तिवारी उर्फ मंटू तिवारी शामिल थे। 6 नवंबर को भोजपुर जिले की सभी 7 विधानसभा सीटों पर 59.90 प्रतिशत वोटिंग हुई थी।

7 विधानसभा सीटों पर किस गठबंधन के कितने उम्मीदवार

एनडीएम में शामिल भाजपा ने 4 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे। इनमें आरा, बड़हरा, तरारी, अगिआंव और शाहपुर सीट शामिल थी। वहीं जदयू (खउन्न) के उम्मीदवार संदेश और जगदीशपुर से चुनाव मैदान में थे।महागठबंधन में शामिल राजद ने 4 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे, जिनमें संदेश, जगदीशपुर, बड़हरा और शाहपुर सीट शामिल थी। वहीं, भाकपा (माले) ने आरा, तरारी और अगिआंव सीटों पर मोर्चा संभाला था।

82 प्रत्याशियों में सिर्फ 3 महिला उम्मीदवार

भोजपुर की सभी 7 सीटों पर न तो एनडीए और न ही महागठबंधन ने किसी महिला उम्मीदवार को टिकट दिया था। केवल जन सुराज पार्टी ने शाहपुर विधानसभा से पद्मा ओझा को उम्मीदवार बनाया था। वहीं बड़हरा से निर्दलीय काजल और संदेश से निर्दलीय संध्या कुमारी अपनी किस्मत आजमा रही थीं।

बिक्रम से चुनाव जीतने के बाद बोले सिद्धार्थ सौरव, कहा., ऐसा प्रचंड जीत कभी मिला था जी, तेजस्वी अब दूध दुहने का काम करेगा

एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में जो रूझान सामने आ रहे हैं, उसमें एनडीए भारी मतों से जीत हासिल करती दिख रही है। बिक्रम विधानसभा सीट से बीजेपी के उम्मीदवार सिद्धार्थ सौरव चुनाव जीत गये हैं। कांग्रेस के प्रत्याशी अनिल कुमार को उन्होंने पतखनी दे दी है। भारी मतों से जीत हासिल करने के बाद सिद्धार्थ सौरव काफी गदगद हैं। अपनी खुशी का इजहार उन्होंने किया है। वही विपक्ष पर भी जोरदार हमला बोला है। उन्होंने तेजस्वी यादव के बारे में कहा कि अब गौशाला खोलेंगे और गाय का दूध दूहेंगे। सिद्धार्थ सौरव ने कहा कि एनडीए का तो जीत होना तय था। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के कुशासन को कोई भूलने को तैयार नहीं था। यह एक ऐतिहासिक जीत है। उन्होंने कहा कि विरोधी अब कोच्ची रह गया, बैठकर अब गाय दुहेंगा विरोधी। अब गौशाला

खोलेगा। सिद्धार्थ सौरव ने जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दी है।

कहा कि बिहार की जनता ने दिखा दिया है कि मूर्ख आदमी को शासन थोड़ी मिलेगा। गंवार आदमी को शासन नहीं मिलेगा जो नौंवी फेल हो। ऐसे लोगों को बिहार की जनता वोट नहीं देगी। ई लोग कहता था कि 18 नवंबर को शपथ लेंगे। ई लोग शपथ क्या लेगा लफुआ लाफारी है। वही मुकेश सहनी के बारे में कहा कि शिक्षित आदमी होकर मुकेश सहनी जाहिल लोगों के पास चला गया। इसलिए उसका विनाश हो गया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का यह ऐतिहासिक जीत है। ऐसा प्रचंड जीत कभी मिला था जी...

जमुई में फिर दोहराया इतिहास, चकाई विधानसभा क्षेत्र में 35 साल से कोई विधायक दोबारा नहीं जीता

एजेंसी/चकाई

चकाई विधानसभा में फिर बदलाव हुआ है। राजद की सावित्री देवी ने सुमित कुमार सिंह को 12,665 वोटों से हरा दिया है। जमुई जिले की चकाई विधानसभा सीट बिहार की सबसे दिलचस्प और चर्चित सीटों में गिनी जाती है। यहां पिछले 35 वर्षों से कोई भी विधायक लगातार दो बार जीत दर्ज नहीं कर पाया है। 1962 से अब तक हुए 15 चुनावों में से 13 बार सत्ता दो परिवारों श्री कृष्णा सिंह और फाल्गुनी प्रसाद यादव के बीच अदल-बदल होती रही है। 2010 में श्री कृष्णा सिंह की तीसरी पीढ़ी के सुमित कुमार सिंह ने जीत दर्ज की, जबकि 2015 में यादव परिवार की सावित्री देवी पहली महिला विधायक बनीं। 2020 में सुमित कुमार सिंह ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में वापसी करते हुए सावित्री देवी को मात्र 581 वोट से मात दी।2025 के चुनाव में चकाई सीट इस बार महागठबंधन के खाते में गई। राजद

प्रत्याशी सावित्री देवी ने एनडीए के जदयू प्रत्याशी एवं मंत्री सुमित कुमार सिंह को हराते हुए निर्णायक जीत दर्ज की।

सावित्री देवी (राजद): 80,275 वोट

सुमित कुमार सिंह (जदयू): 67,310 वोट

इस प्रकार सावित्री देवी ने 12,665 मतों से शानदार विजय हासिल की। जीत के बाद सावित्री देवी ने चकाई की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह हर परिस्थिति में जनता के साथ खड़ी रहेंगी और क्षेत्र के विकास को अपनी प्राथमिकता बनाए रखेंगी।

महुआ से चुनाव हारने के बाद बोले तेजप्रताप यादव, कहा..हमारी हार में भी जनता की जीत छिपी है

एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आ गये हैं। बिहार में फिर एनडीए की सरकार बनने जा रही है। एनडीए भारी मतों से विजयी हुई है। वही महागठबंधन का सुपरा साफ हो गया है। वही जनशक्ति जनता दल के सुप्रीमो तेजप्रताप यादव महुआ से चुनाव हार गये हैं। महुआ से लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के उम्मीदवार संजय कुमार सिंह 44 हजार 997 वोट से चुनाव जीत गये हैं। उन्हें 87 हजार 641 वोट मिले हैं। वही आरजेडी के मुकेश रौशन और जनशक्ति जनता दल के उम्मीदवार तेजप्रताप यादव को हार का मुंह देखना पड़ गया। तेजप्रताप यादव तीसरे स्थान पर रहे। तेजप्रताप यादव को 35 हजार 703 वोट मिले हैं। तेजप्रताप 51 हजार 938 वोट से हार गये हैं। हार के बाद तेजप्रताप ने सोशल मीडिया पर अपनी बातें रखी है। उन्होंने कहा है कि हमारी

हार में भी जनता की जीत छिपी है। आज के परिणामों को मैं जनादेश के रूप में स्वीकार करता हूँ। हमारी हार कर भी जीत हुई है। क्योंकि बिहार ने यह साफ संदेश दे दिया है कि अब राजनीति परिवारवाद की नहीं, सुशासन और शिक्षा की होगी। तेजप्रताप ने कहा कि ये जयचंदों की करारी हार है, हमने पहले ही कहा था इस चुनाव के बाद बिहार से कांग्रेस खत्म हो जाएगी और आज कहना नहीं, साफ-साफ दिख भी गया! मैं तो हारकर भी जीता हूँ, क्योंकि मेरे साथ जनता का प्रेम, विश्वास और आशीर्वाद खड़ा है। लेकिन सच्चाई कड़वी है। इन जयचंदों ने आरजेडी को भीतर से खोखला कर दिया, बर्बाद कर दिया। इसी वजह से आज तेजस्वी फेलस्वी हो गया! जिन्होंने अपनी कुर्सी और अपनी राजनीति बचाने के लिए अपने ही घर को आग लगा दी– इतिहास उन्हें कभी माफ नहीं करेगा।मैं बार-बार कहता हूँ– जनता ही माँ-बाप होता है जनता का फैसला सर-माथे पर, और आज भी उसी भावना के साथ मैं आपका फैसला स्वीकार करता हूँ।उहार और जीत अलग बातें हैं, लेकिन इरादा और प्रयास ही असली जीत होते हैं। महुआ की जनता से मैंने जो वादे किए थे, उनको निभाने का प्रयास मैं लगातार करता रहूँगा। चाहे मैं विधायक बनूँ या नहीं। मेरे दरवाजे हर समय जनता के लिए खुले रहेंगे। बिहार ने सुशासन की सरकार चुनी है, हम उसका सम्मान करते हैं और जनता के हित में हर कदम पर रचनात्मक भूमिका निभाएंगे।ये जीत हमारे यशस्वी कर्मठ प्रधानमंत्री और विश्व के सबसे मजबूत नेता श्री नरेंद्र मोदी जी के व्यक्तित्व और उनके जादुई नेतृत्व का कमाल है। जनता ने माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के सुशासन को खुले दिल से अपनाया है। बिहार की यह ऐतिहासिक जीत भारत के गृहमंत्री और बीजेपी के चाणक्य माननीय अमित शाह जी, तथा भारत सरकार में मंत्री और बीजेपी बिहार के प्रभारी श्री धर्मेंद्र प्रधान जी की कूटनीति, दूरदृष्टि और दिन-रात किए गए परिश्रम का परिणाम है। इस विजय का सबसे बड़ा कारण एनडीए की अटूट एकता है। एनडीए गठबंधन की सभी पाँचों पार्टियों पाँच पांडवों ने एकजुट होकर चुनाव लड़ा, और जनता ने अपना विश्वास, मत और भरपूर समर्थन देकर इस एकता को विजय की शक्ति में बदल दिया।यह जीत बिहार की जनता की है, यह जीत विश्वास की है,यह जीत विकास और सुसाशन के संकल्प की है। तेजप्रताप ने आगे कहा कि मैं बिहार की युवा शक्ति, मातृशक्ति और आप सभी को दिल से धन्यवाद देता हूँ।

तरारी से जन सुराज प्रत्याशी चन्द्रशेखर सिंह का निधन, चुनाव रिजल्ट के बाद फैली शोक की लहर

एजेंसी/आरा

भोजपुर जिले के तरारी विधानसभा क्षेत्र के जन सुराज प्रत्याशी चन्द्रशेखर सिंह का शुक्रवार की शाम निधन हो गया। पटना के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जन सुराज प्रत्याशी के अभिकर्ता एवं किसान नेता छोटे सिंह ने दूरभाष पर उनके निधन की पुष्टि की। वे सेवानिवृत्त प्रधान शिक्षक थे। शुक्रवार को चुनाव परिणाम आने के बाद उन्हें 2271 वोट मिले थे। जानकारी के अनुसार, 31 अक्टूबर को चुनाव प्रचार के दौरान जसुपा उम्मीदवार चन्द्रशेखर सिंह को पहला हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद उन्हें तत्काल पटना के बड़े अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों की देखरेख में उनका उपचार जारी था, लेकिन दोपहर बाद उनकी स्थिति बिगड़ती गई। शाम चार बजे उन्हें दूसरा हार्ट अटैक आया और निरंतर प्रयासों के बावजूद शाम सात बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। चन्द्रशेखर सिंह तरारी के कुरमुरी गांव के मूल निवासी थे। पूर्व में शिक्षक संघ के सक्रिय

पदाधिकारी रहे थे और ब्रह्मर्षि समाज के प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व भी संभाल चुके थे। समाज में उनकी पकड़ और प्रतिष्ठा काफी मजबूत मानी जाती थी। चुनाव अभियान के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। खबर फैलते ही तरारी, कुरमुरी और आसपास के गांवों में शोक की लहर दौड़ गई। समाचार भेजे जाने तक उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव कुरमुरी नहीं पहुंचा था। देर रात तक पहुंचने की संभावना जताई गई है।

एक नजर

बिहार चुनाव: भूमिहार समाज के 25 विधायक जीते, भाजपा 12, जदयू 7 उम्मीदवार विजयी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आ गये हैं। इस बार 25 भूमिहार विधायक चुनाव जीत गये हैं।

विजयी भूमिहार प्रत्याशी का लिस्ट

1. भाजपा से कुल 12 कैंडिडेट जीते

अरवल, हिसुआ, गोरियाकोठी, तेघड़ा, बेगूसराय, लखीसराय, जाले, विक्रम, तरारी, मुजफ्फरपुर, बिहपुर, कल्याणपुर

जदयू से 7 जीते

मोकामा, बरबीघा, सरायरंजन, कांटी, एकमा, केसरिया, रुन्नीसैदपुर

अन्य दलों से जहानाबाद, अतरी, मधुबनी, परबत्ता, मटिहानी, घोसी कुल 6 विधायक जीते

5 वर्तमान विधायक हारे हैं (बिस्फी, भागलपुर, टेकारी, हरलाखी, वारिसलीगंज)।

9 नए विधायक जीते हैं (मधुबनी, काँटी, घोसी, जहानाबाद, अतरी, अरवल, मुजफ्फरपुर, कल्याणपुर, एकमा)

बिहार चुनाव 2025: गोविंदपुर से एलजेपी (रामविलास) की विनीता मेहता विजयी, नवादा-हिसुआ-अरवल में भी एनडीए उम्मीदवारों की जीत

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव का मतगणना जारी है। लेकिन जो रूझान सामने आ रहे हैं, उसमें ठऊअ भारी मतों से जीत हासिल करती दिख रही है। एनडीए 200 से ज्यादा सीट पर बढ़त बनाए हुए हैं। नवादा जिले के गोविंदपुर विधानसभा से चिराग पासवान की पार्टी छखढ (रामविलास) के उम्मीदवार विनीता मेहता करीब 18 हजार वोट से चुनाव जीत गई है। विनीता मेहता ने चिराग पासवान को बधाई व शुभकामना दी है। कहा है कि चिराग पासवान जी ने मुझ पर जो विश्वास जताया है उसके लिए आभार व्यक्त करती हूं। बता दें गोविंदपुर से पूर्व विधायक कौशल यादव की पत्नी पूर्णिमा यादव राजद के टिकट से चुनाव लड़ रही थी जो दूसरे नंबर पर रही है। वही अरवल विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी मनोज कुमार और कुर्था विधानसभा क्षेत्र के जदयू प्रत्याशी पप्पू वर्मा की जीत हुई है। केवल अब औपचारिक घोषणा होना बाकी है। नवादा विधानसभा से जदयू प्रत्याशी विभा देवी चुनाव जीत गयी है। वही नवादा के हिसुआ विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी अनिल सिंह भी चुनाव जीत गये हैं। वारिसलीगंज विधान सभा से राजद से अशोक महतो की पत्नी अनिता चुनाव जीत गई है। रजौली से लोजपा रामविलास के उम्मीदवार विमल राजवंशी जीते। बेलागंज से जेडीयू प्रत्याशी मनोरमा देवी, मसौढ़ी से अरुण मांझी, अलौली से राम चंद्र सदा, हरनौत से हरि नारायण सिंह, मोकामा से अनंत कुमार सिंह, कल्याणपुर से महेश्वर हजारी और बीजेपी के मधुबन से राणा रंधीर, लौरिया से विनय बिहारी, बरुराज से अरुण कुमार सिंह, साहेबगंज से राजू कुमार सिंह, नरकटियागंज से संजय कुमार पांडेय,गया से प्रेम कुमार चुनाव जीत गये हैं। एनडीए की इस अपार जीत को देखकर जेडीयू के नेता गदगद हैं। वही फतुहा से आरजेडी प्रत्याशी रामानंद यादव भी चुनाव जीत गये हैं। फतुहा प्रत्याशी डॉ. रामानंद यादव 7 हजार 992 वोट से चुनाव जीत गये हैं। इन्हें 90 हजार 558 वोट मिले हैं। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की उम्मीदवार रुपा कुमारी को उन्होंने हरा दिया है। तीसरे नंबर फतुहा से जन सुराज पार्टी के राजू कुमार रहे। रामानंद यादव की जीत की खबर मिलते ही राजद कार्यकताओं और उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गयी।

सीएम हाउस पहुंचे संजय झा और अशोक चौधरी, नीतीश कुमार को दी जीत की बधाई

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव का मतगणना जारी है। लेकिन जो रूझान सामने आ रहे हैं, उसमें एनडीए भारी मतों से जीत हासिल करती दिख रही है। एनडीए 210 सीट पर बढ़त बनाए हुए हैं। चुनाव आयोग ने पहली जीत की घोषणा की है। कल्याणपुर सीट से जेडीयू प्रत्याशी महेश्वर हजारी 38 हजार 586 वोट से चुनाव जीत गये हैं। उन्हें 1 लाख 18 हजार 162 वोट मिले है। एनडीए की इस अपार जीत को देखकर जेडीयू के नेता गदगद हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने एक अणे मार्ग पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जीत की बधाई दे रहे हैं। जेडीयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, मंत्री अशोक चौधरी सहित कई नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे हैं। एडीए की प्रचंड जीत की बधाई देने का सिलसिला लगातार जारी है। वही जेडीयू और बीजेपी कार्यालय में जश्न का माहौल है। कार्यकताओं ने इस ऐतिहासिक जीत को लेकर आज होली और दिवाली मनाई। एक दूसरे को गुलाल लगाकर और मिठाईयां खिलाकर एक दूसरे को जीत की बधाई दी। वही आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाया।

गायिका मैथिली ठाकुर पहले राजनीतिक टेस्ट में हुईं पास, 11730 वोट से जीतीं

एजेंसी। पटना

बिहार की अलीनगर विधानसभा सीट पर सभी की नजरें हैं। इस सीट पर एक तरफ आरजेडी के काफी अनुभवी नेता विनोद मिश्रा हैं और दूसरी तरफ पहला चुनाव लड़ रहीं मैथिली ठाकुर हैं। बीजेपी विनोद मिश्रा को हराने के लिए मैथिली की लोकप्रियता का फायदा उठाना चाहती थी। अलीनगर में 25वें और अंतिम राउंड की गिनती में भाजपा प्रत्याशी मैथिली ठाकुर 84915 वोट पाकर विजयी रहीं। जबकि राजद प्रत्याशी विनोद मिश्रा 73185 वोटों के साथ दूसरे नंबर

पर रहे। अलीनगर में 20वें राउंड की गिनती में भाजपा प्रत्याशी मैथिली ठाकुर 70044 वोटों के साथ आगे चल रही हैं। जबकि राजद प्रत्याशी विनोद मिश्रा 63090 वोटों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। अलीनगर में 15वें राउंड की गिनती में भाजपा प्रत्याशी मैथिली ठाकुर 51879 वोटों के साथ आगे चल रही हैं। जबकि राजद प्रत्याशी विनोद मिश्रा 47683 वोटों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। अलीनगर में सातवें राउंड की गिनती में भाजपा प्रत्याशी मैथिली ठाकुर 25764 वोटों के साथ आगे चल रही हैं। जबकि राजद प्रत्याशी विनोद मिश्रा 16858 वोटों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। बिहार के दरभंगा जिले की अलिनगर सीट पर इस बार चुनावी मुकाबला दिलचस्प होने वाला है। यहां 25 साल की युवा बीजेपी उम्मीदवार और लोक गायिका मैथिली ठाकुर, 63 साल के अनुभवी आरजेडी नेता विनोद मिश्रा को टक्कर देंगी। यह मुकाबला पीढ़ियों के अंतर को भी दर्शाता है, जहां एक नई पीढ़ी की उम्मीदवार एक पुराने दिग्गज को चुनौती दे रही हैं। यह चुनाव 6 नवंबर को पहले चरण में होगा, जिसमें बिहार की 120 अन्य सीटों पर भी वोट डाले जाएंगे। मैथिली ठाकुर सबसे युवा उम्मीदवार हैं और अगर वे जीतती हैं तो सबसे कम उम्र की विधायक बन सकती हैं। इस सीट से जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार बिप्लव कुमार चौधरी भी मैदान में हैं। बिप्लव भी जन सुराज से पहला चुनाव लड़ रहे हैं।

अंतिम राउंड में एनडीए 11730 वोटों से जीतीं

अलीनगर में 25वें और अंतिम राउंड की गिनती में भाजपा प्रत्याशी मैथिली ठाकुर 84915 वोट पाकर विजयी रहीं। जबकि राजद प्रत्याशी विनोद मिश्रा 73185 वोटों के साथ दूसरे नंबर पर रहे।

एक नजर

बिहार चुनाव 2025 : गया टाउन से बीजेपी के डॉ. प्रेम कुमार 20 हजार वोटों से विजयी, कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल

गयाजी। बिहार विधानसभा चुनाव में ठऊअ की प्रचंड जीत होती दिख रही है। गया टाउन से चुनाव मैदान में उतरे बीजेपी उम्मीदवार प्रेम कुमार चुनाव जीत गए हैं। गया शहरी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी डॉ. प्रेम कुमार 20 हजार मतों से जीत हासिल की है। प्रेम कुमार की जीत से उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गयी है। बीजेपी कार्यकर्ता जश्न मनाने में लगे हैं। प्रेम कुमार को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। गयाजी जिले के गया टाउन सीट से डॉ. प्रेम कुमार 9वीं बार विधायक बनकर नया रिकॉर्ड बनाया है। कांग्रेस के अखौरी ओंकार नाथ को प्रेम कुमार ने भारी मतों से हरा दिया है। 2020 में भी उन्होंने कुल मतदान के 49.73% वोटों के साथ जीत हासिल की थी, उस वक्त भी कांग्रेस के अखौरी ओंकारनाथ को 66932 वोटों से हराया था। प्रेम कुमार बिहार विधानसभा चुनाव में गया टाउन विधानसभा क्षेत्र से 9वीं बार चुनाव जीते गये हैं। 1999 में मगध विश्वविद्यालय से पीएचडी की डिग्री हासिल की थी। अक्टूबर 2015 में विधानसभा चुनाव के बाद विधानसभा में प्रेम कुमार नेता विपक्ष रहे। बीजेपी का ईबीसी चेहरा बने प्रेम कुमार 1990 में पहली बार बिहार विधान सभा पहुंचे थे। तब से वो लगातार जीतते आ रहे हैं, प्रेम कुमार कभी नहीं हारे। प्रेम कुमार नीतीश सरकार में कृषि एवं पशुपालन मंत्री हैं।

जमुई पुलिस कैंप में हादसा : पानी की टंकी गिरने से दो सीआरपीएफ जवान घायल, अस्पताल में भर्ती

जमुई। जमुई जिले के बरहट प्रखंड स्थित मलयपुर पुलिस लाइन में गुरुवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। पानी की टंकी गिरने से दो सीआरपीएफ जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों को इलाज के लिए पहले सदर अस्पताल जमुई लाया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए शहर के एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया है। घायल जवानों की पहचान मनीष कुमार (33) और कामेश्वर प्रसाद (55) के रूप में हुई है। दोनों मलयपुर पुलिस लाइन में ही तैनात हैं। घायल जवानों के साथियों ने बताया कि पुलिस लाइन में पानी की सप्लाई में दिक्कत आ रही थी। समस्या को ठीक करने के लिए दोनों जवान सीमेंट की बनी पानी की टंकी पर चढ़े थे। इसी दौरान टंकी फट गई और उसकी दीवार ढहकर दोनों जवानों पर गिर पड़ी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।हादसे की सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और घायलों को मलबे से बाहर निकाला। वर्तमान में दोनों जवानों का इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

बिहार चुनाव 2025 : छातापुर से विधानसभा चुनाव जीते नीरज बबलू, आरजेडी के विपिन सिंह को भारी मतों से हराया

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव की काउंटिंग जारी है। लेकिन अभी जो रूझान सामने आ रहे हैं, उसमें एनडीए भारी मतों से जीत हासिल करती दिख रही है। एनडीए 200 से ज्यादा सीट पर बढ़त बनाए हुए हैं। चुनाव आयोग ने जीतें हुए उम्मीदवार की लिस्ट जारी की है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के 20 उम्मीदवार, जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के 11 उम्मीदवार, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के 4 उम्मीदवार, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 1 उम्मीदवार, कांग्रेस के 1 उम्मीदवार, एआईएमआईएम के 2, हम पार्टी के 1 विजयी प्रत्याशी की लिस्ट चुनाव आयोग ने जारी कर दी है। सुपौल के छातापुर विधानसभा से बीजेपी प्रत्याशी और बिहार के मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू 16 हजार 413 मतों से विजय हासिल की है। नीरज कुमार बबलू की जीत की खबर

उनके समर्थकों को जैसे ही मिली खुशी की लहर दौड़ गयी। बीजेपी कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। उन्होंने आरजेडी के विपिन कुमार सिंह को भारी मतों से हराया। तीसरे नंबर पर निर्दलीय प्रत्याशी दीपक कुमार रहे। सुपौल राजदझ कांग्रेस गठबंधन को जनता ने पूरी तरह नकार दिया है। बबलू ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बिहार में लगातार किए गए विकास कार्यों और विशेष फोकस का साफ असर मतदान में दिखाई दिया और आज उसका परिणाम पूरे राज्य में मिल रहा है। सुपौल के छातापुर से बीजेपी प्रत्यासी मंत्री नीरज बबलू ने कहा कि यह जीत केवल किसी एक उम्मीदवार की नहीं, बल्कि नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी की मजबूत जोड़ी की जीत है, जिनके नेतृत्व में बिहार विकास की नई दिशा पकड़ रहा है। उन्होंने मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता ने जाति और भ्रम फैलाने वाली राजनीति को खारिज कर विकास और स्थिर शासन के पक्ष में मतदान किया है। उधर, सुपौल में मतगणना केंद्र के बाहर बीजेपी समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। जैसे ही नीरज बबलू को बढ़त मिलने लगी, कार्यकताओं ने ह्लडिप्टी सीएम जिंदाबादह्व के नारे लगाकर उत्साह जताया। समर्थकों का कहना है कि बबलू की जीत जिले के विकास के लिए निर्णायक साबित होगी। वही नवादा जिले के गोविंदपुर विधानसभा से चिराग पासवान की पार्टी छखढ (रामविलास) के उम्मीदवार विनीता मेहता करीब 18 हजार वोट से चुनाव जीत गई है। विनीता मेहता ने चिराग पासवान को बधाई व शुभकामना दी है। कहा है कि चिराग पासवान जी ने मुझ पर जो विश्वास जताया है उसके लिए आभार व्यक्त करती हूं। बता दें गोविंदपुर से पूर्व विधायक कौशल यादव की पत्नी पूर्णिमा यादव राजद के टिकट से चुनाव लड़ रही थी जो दूसरे नंबर पर रही है। वही अरवल विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी मनोज कुमार और कुर्था विधानसभा क्षेत्र के जदयू प्रत्याशी पप्पू वर्मा की जीत हुई है। केवल अब औपचारिक घोषणा होना बाकी है। नवादा विधानसभा से जदयू प्रत्याशी विभा देवी चुनाव जीत गयी है। वही नवादा के हिसुआ विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी अनिल सिंह भी चुनाव जीत गये हैं। वारिसलीगंज विधान सभा से राजद से अशोक महतो की पत्नी अनिता चुनाव जीत गई है। बेलागंज से जेडीयू प्रत्याशी मनोरमा देवी, मसौढ़ी से अरुण मांझी, अलौली से राम चंद्र सदा, हरनौत से हरि नारायण सिंह, मोकामा से अनंत कुमार सिंह, कल्याणपुर से महेश्वर हजारी और बीजेपी के मधुबन से राणा रंधीर, लौरिया से विनय बिहारी, बरुराज से अरुण कुमार सिंह, साहेबगंज से राजू कुमार सिंह, नरकटियागंज से संजय कुमार पांडेय,गया से प्रेम कुमार चुनाव जीत गये हैं। एनडीए की इस अपार जीत को देखकर जेडीयू के नेता गदगद हैं। वही फतुहा से आरजेडी प्रत्याशी रामानंद यादव भी चुनाव जीत गये हैं। फतुहा प्रत्याशी डॉ. रामानंद यादव 7 हजार 992 वोट से चुनाव जीत गये हैं। इन्हें 90 हजार 558 वोट मिले हैं। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की उम्मीदवार रुपा कुमारी को उन्होंने हरा दिया है। तीसरे नंबर फतुहा से जन सुराज पार्टी के राजू कुमार रहे। रामानंद यादव की जीत की खबर मिलते ही राजद कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गयी। वही कल्याणपुर सीट से जेडीयू प्रत्याशी महेश्वर हजारी 38 हजार 586 वोट से चुनाव जीत गये हैं। उन्हें 1 लाख 18 हजार 162 वोट मिले है। बेलागंज से जेडीयू की प्रत्याशी मनोरमा देवी दो हजार 882 वोट से जीत गई हैं। उन्हें 95 हजार 685 वोट मिले हैं। वही राष्ट्रीय जनता दल के प्रत्याशी विश्वनाथ कुमार सिंह को 92 हजार 803 वोट मिले है। जबकि तीसरे नंबर पर निर्दलीय प्रत्याशी लालू यादव रहे हैं।

चुनाव आयोग ने की आरजेडी के पहले विजयी उम्मीदवार के नाम की घोषणा, फतुहा से विधानसभा चुनाव जीते

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव का मतगणना जारी है। लेकिन जो रूझान सामने आ रहे हैं, उसमें एनडीए भारी मतों से जीत हासिल करती दिख रही है। एनडीए 200 से ज्यादा सीट पर बढ़त बनाए हुए हैं। चुनाव आयोग ने अभी तक 13 सीटों पर उम्मीदवारों के जीत की घोषणा कर दी है। जिसमें बीजेपी के 6 और जेडीयू के 6 वही आरजेडी के एक उम्मीदवार का नाम शामिल है। बेलागंज से जेडीयू प्रत्याशी मनोरमा देवी, मसौढ़ी से अरुण मांझी, अलौली से राम चंद्र सदा, हरनौत से हरि नारायण सिंह, मोकामा से अनंत कुमार सिंह, कल्याणपुर से महेश्वर हजारी और बीजेपी के मधुबन से राणा रंधीर, लौरिया से विनय बिहारी, बरुराज से अरुण कुमार सिंह, साहेबगंज से राजू कुमार सिंह, नरकटियागंज से संजय कुमार पांडेय,गया से प्रेम कुमार चुनाव जीत गये हैं। एनडीए की इस अपार जीत को देखकर जेडीयू के नेता गदगद हैं। वही फतुहा से आरजेडी प्रत्याशी रामानंद यादव भी चुनाव जीत गये हैं। फतुहा प्रत्याशी डॉ. रामानंद यादव 7 हजार 992 वोट से चुनाव जीत गये हैं। इन्हें 90

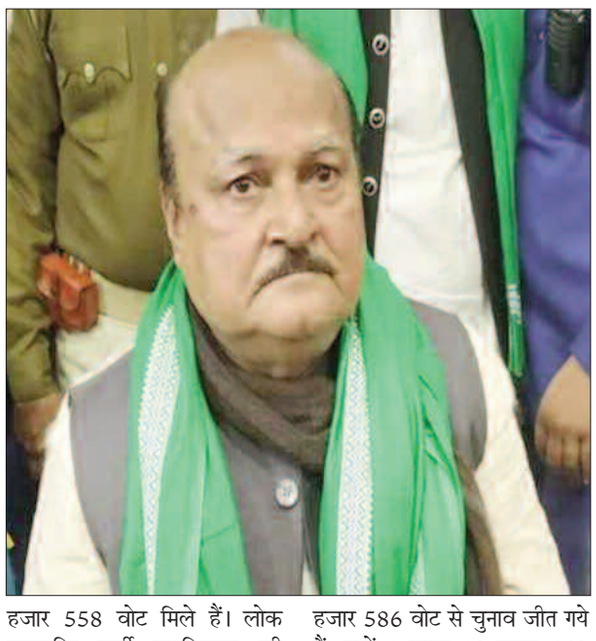

हजार 558 वोट मिले हैं। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की उम्मीदवार रुपा कुमारी को उन्होंने हरा दिया है। तीसरे नंबर फतुहा से जन सुराज पार्टी के राजू कुमार रहे। रामानंद यादव की जीत की खबर मिलते ही राजद कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गयी। वही कल्याणपुर सीट से जेडीयू प्रत्याशी महेश्वर हजारी 38 हजार 586 वोट से चुनाव जीत गये हैं। उन्हें 1 लाख 18 हजार 162 वोट मिले है। बेलागंज से जेडीयू की प्रत्याशी मनोरमा देवी दो हजार 882 वोट से जीत गई हैं। उन्हें 95 हजार 685 वोट मिले हैं। वही राष्ट्रीय जनता दल के प्रत्याशी विश्वनाथ कुमार सिंह को 92 हजार 803 वोट मिले है। जबकि तीसरे नंबर पर निर्दलीय प्रत्याशी लालू यादव रहे हैं।

जमुई विधानसभा चुनाव में तीन सीटों पर एनडीए की जीत, चकाई सीट महागठबंधन के खाते में

एजेंसी। पटना

जमुई जिले की 4 विधानसभा सीटों के नतीजे घोषित हो गए हैं। इन चार सीटों में से तीन पर एनडीए ने कब्जा जमाया, जबकि चकाई विधानसभा सीट महागठबंधन (राजद) के खाते में गई। मुकाबला कई जगह कड़ा रहा, लेकिन अंततः मतदाताओं ने विकास और स्थानीय मुद्दों के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चयन किया। जमुई विधानसभा सीट से एनडीए की प्रत्याशी एवं भाजपा नेता श्रेयसी सिंह ने लगातार दूसरी बार बड़ी जीत हासिल की। 2020 में उन्होंने पूर्व मंत्री और राजद नेता विजय प्रकाश यादव को लगभग 41 हजार वोटों से हराया था। इस बार 2025 के चुनाव में उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी राजद के मोहम्मद शमशाद आलम पर और भी बड़ी बढ़त बनाई। श्रेयसी सिंह को कुल 1,23,868 मत मिले, जबकि शमशाद आलम को 69,370 वोट ही प्राप्त हुए। इस प्रकार श्रेयसी सिंह ने 54,498 मतों के अंतर से शानदार जीत दर्ज की। जीत के बाद उन्होंने कहा कि यह जीत उनकी नहीं, बल्कि जमुई की जनता की जीत है। साथ ही उन्होंने एनडीए सरकार के विकास कार्यों और महिलाओं के सशक्तिकरण को इस जीत का आधार बताया। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि हारने पर ह्लवोट चोरीह्व का आरोप लगाना दोहरी नीति है, जिसे जनता अब स्वीकार नहीं करती।झाझा विधानसभा सीट पर एनडीए के जदयू प्रत्याशी दामोदर रावत ने एक बार फिर जीत हासिल की। वे पहले ही पांच बार झाझा के विधायक रह चुके हैं और बिहार सरकार में मंत्री पद भी संभाल चुके हैं। इस चुनाव में उन्होंने राजद प्रत्याशी जयप्रकाश नारायण यादव को कड़ी टक्कर में हराया। रावत को 1,08,317 वोट मिले, जबकि यादव को 1,04,055 मत प्राप्त हुए। इस तरह रावत ने 4,262 मतों से जीत दर्ज की। उन्होंने कहा कि झाझा में हमेशा कड़ा मुकाबला रहता है, लेकिन जनता उन पर भरोसा करती है। साथ ही विपक्ष की हार के लिए उन्होंने उनके कार्यकताओं की अनुशासनहीनता को जिम्मेदार बताया। उसिकंदरा विधानसभा से एनडीए के हम पार्टी के प्रत्याशी प्रफुल्ल मांझी ने 91115 मत ला कर 23660 मत से दुबारा जीत हासिल की। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी उदय नारायण चौधरी को हराया। उदय नारायण चौधरी ने 67455 मत प्राप्त किया। मांझी ने कहा कि सिकंदरा की जनता ने फिर से नीतीश कुमार के कार्यों पर भरोसा जताया है।

बेतिया से रेणु देवी 22 हजार वोटों से जीतीं, कांग्रेस के वसी अहमद को मिली हार

एजेंसी। पटना

बेतिया विधानसभा सीट बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले की सबसे चर्चित और हॉट सीटों में से एक मानी जाती है। इस सीट पर इस बार मुकाबला बेहद था। क्योंकि यहां भाजपा की दिग्गज नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री रेणु देवी मैदान में थी, जिनके सामने महागठबंधन की ओर से कांग्रेस के वसी अहमद चुनावी जंग लड़ रहे थे। रेणु देवी भाजपा की उन नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने संगठन से लेकर सत्ता तक का लंबा सफर तय किया है। नीतीश कुमार सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में भी उन्होंने अपनी भूमिका निभाई थी, बिहार के 38 जिलों में से एक पश्चिमी चंपारण जिला भी है। यह जिला तीन अनुमंडल और 18 ब्लाक में विभाजित है। पश्चिमी चंपारण जिले में कुल नौ विधानसभा सीटें आती हैं। इनमें वाल्मीकि नगर, रामनगर (एससी), नरकटियागंज, बगहा, लौरिया, नौतन, चनपटिया, बेतिया और सिकटा विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। आज बात बेतिया विधानसभा सीट की करेंगे। बेतिया पश्चिमी चंपारण का एक महत्वपूर्ण भाग है। यहां पश्चिमी चंपारण का मुख्यालय भी मौजूद है। पूरे देश के साथ ही 1951-52 में ही यहां पर पहली बार चुनाव हुए थे। छठवें राउंड में कांग्रेस के वसी अहमद एक हजार वोटों से आगे चल रहे हैं। वसी को 17285 वोट मिले हैं। वहीं, रेणू को 16117 वोट मिले हैं। सुबह 11 बजकर 17 मिनट तक। कांटे का मुकाबला जारी है।

तारापुर में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी 45820 वोटों से जीते

एजेंसी। पटना

बिहार में दोनों चरण के चुनाव के नतीजे आज आने हैं। इन्हीं में से एक है तारापुर सीट। यहां एनडीए और महागठबंधन में सीधी टक्कर है। तारापुर जुमई लोकसभा सीट के अंतर्गत आती है। यह क्षेत्र मुंगेर जिले में है। इसमें असारगंज, तारापुर, टेटिया बाम्बेर और संग्रामपुर ब्लॉक आते हैं। यहां 1951 में हुए पहले चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राय बसूकीनाथ विधायक रहे थे। 2020 में जदयू के डॉ. मेवालाल चौधरी विधायक चुने गए। इससे पिछले चुनाव में 2010 में इनकी पत्नी नीता चौधरी चुनाव जीतीं थी। तारापुर में 30वें और अंतिम राउंड में

भाजपा प्रत्याशी सम्राट चौधरी कुल 122199 वोट पाकर जीत गए। जबकि राजद प्रत्याशी अरुण कुमार 76379 वोटों से पीछे रहे। तारापुर में 25वें राउंड में भाजपा प्रत्याशी सम्राट चौधरी 103671 वोटों के साथ आगे चल रहे हैं। जबकि राजद प्रत्याशी अरुण कुमार 66205 वोटों से पीछे चल रहे हैं। तारापुर में 19वें राउंड में भाजपा प्रत्याशी सम्राट चौधरी 78646 वोटों के साथ आगे चल रहे हैं। जबकि राजद प्रत्याशी अरुण कुमार 51364 वोटों से पीछे चल रहे हैं। तारापुर में 17वें राउंड में भाजपा प्रत्याशी सम्राट चौधरी 22738 वोटों के साथ आगे चल रहे हैं। जबकि राजद प्रत्याशी अरुण कुमार पीछे चल रहे हैं। इस सीट पर 19 प्रत्याशियों ने पर्चा दाखिल किया था। जिसमें 16 लोगों का पर्चा आयोग द्वारा स्वीकार किया गया। 1 प्रत्याशी का नामांकन रिजेक्ट किया गया जबकि 2 प्रत्याशियों ने अपना नाम वापस ले लिया। कुल मिलाकर इस बार इस सीट 13 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे हैं लेकिन, बीजेपी से सम्राट चौधरी, राजद से अरुण शाह और जन सुराज से डॉ. संतोष सिंह के बीच कड़ी टक्कर होने की संभावना है। पहले फेज में 6 नवंबर को इस सीट पर वोटिंग हुई थी।

अंतिम राउंड में एनडीए प्रत्याशी की 45820 वोटों से जीत

तारापुर में 30वें और अंतिम राउंड में भाजपा प्रत्याशी सम्राट चौधरी कुल 122199 वोट पाकर जीत गए। जबकि राजद प्रत्याशी अरुण कुमार 76379 वोटों से पीछे रहे।

25वें राउंड में एनडीए 37466 वोटों से आगे

तारापुर में 25वें राउंड में भाजपा प्रत्याशी सम्राट चौधरी 103671 वोटों के साथ आगे चल रहे हैं। जबकि राजद प्रत्याशी अरुण कुमार 66205 वोटों से पीछे चल रहे हैं।

जदयू प्रत्याशी राधा चरण साह ने दीपू सिंह को दी मात, राजद को दिया कड़ा 'संदेश'

एजेंसी। संदेश

संदेश विधानसभा सीट पर जदयू और राजद के बीच जबरदस्त घमासान हुआ। चुनाव आयोग ने 28 राउंड की गिनती के बाद संदेश सीट के नतीजे की घोषणा की। जदयू के राधा चरण साह ने राजद के दीपू सिंह को केवल 27 वोट से मात दी। इसी के साथ संदेश में राजद का राज भी खत्म हुआ। जदयू प्रत्याशी राधा चरण साह को कुल 80598 वोट मिले। संदेश बिहार विधानसभा सीट आरा लोकसभा सीट की अहम सीट है। ये जिला भोजपुर लगता है। ये आरा लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाली कॉनस्टुएंसी है। यहां साल 1957 में हुए पहले चुनाव में

कांग्रेस के जहांमन प्रसाद विधायक बने थे।वहीं, साल 2020 में यहां से आरजेडी की किरण देवी यादव विधायक बनी थीं। 2020 में राष्ट्रीय जनता दल की किरण देवी यादव ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के उम्मीदवार विजयेंद्र यादव को 50,607 मतों के अंतर से हराकर सीट जीती थी। आरजेडी ने इस बार दीपू सिंह को उम्मीदवार बनाया है।

सुभाषितम्

विद्वता अच्छे दिनों में आभूषण, विपत्ति में सहायक और बुढ़ापे में संचित धन है। - हितोपदेश

सरकार की पेंशन फंड पर नजर?

सरकार की नजर अब देश के सबसे बड़े सुरक्षित कोषों में से एक पेंशन फंड पर है। वित्त मंत्रालय 10 लाख करोड़ रुपये के पेंशन फंड पर नजर लगाए हुए है। दरअसल सरकार पेंशन फंड को नई योजनाओं या बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में लगाने पर विचार कर रही है। यह फैसला सरकार के आर्थिक संसाधनों के लिए नया खजाना खोल सकता है। वहीं कर्मचारियों का भविष्य, जोखिम और चिंता का कारण बनने लगा है। दरअसल, पेंशन फंड का पैसा लाखों सरकारी और निजी कर्मचारियों की कई दशकों की बचत है, जिसे वह बुढ़ापे की आर्थिक सुरक्षा के रूप में देखते हैं। कुछ वर्ष पूर्व पेंशन फंड का एक हिस्सा बाजार में लगा दिया गया। सरकार ने शेयर बाजार को पैसा उपलब्ध कराने के लिए पेंशन फंड के सीमित निवेश को शेयर बाजार में लगाया हुआ है। अब पूरे पेंशन फंड को सरकार जोखिम में डालने जा रही है। इस कारण कर्मचारी संगठन उद्वेलित हो रहे हैं। कर्मचारी पेंशन फंड के कोष का उपयोग अगर सरकार अपने विकास प्रोजेक्ट्स या कर्ज चुकाने के लिए करती है, तो ऐसी स्थिति में सरकार अपने कर्मचारियों के उस भरोसे पर चोट करेगी, जो कर्मचारी इस फंड और सरकार पर पेंशन को लेकर विश्वास करते हैं। पेंशन कर्मचारियों के बुढ़ापे का सबसे बड़ा सहारा होता है। वह स्वयं और अपने परिवार का पेंशन के जरिए गुजारा करता है। पेंशन फंड का निवेश जोखिम-मुक्त निवेश के रूप में होना चाहिए ताकि वह पेंशनधारी को स्थिर रिटर्न कर्मचारियों को देना होता है। कर्मचारी की बचत का उपयोग सरकार अपनी वित्तीय कमी और घाटे को पूरा करने के लिए नहीं कर सकती है। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है, अगर सरकार इस राशि को इंफ्रास्ट्रक्चर या लंबी अवधि के निवेश में लगाना चाहती है तो सरकार को गारंटीड रिटर्न देना होगा। आर्थिक विशेषज्ञों का यह भी कहना है, कि जब इंदिरा गांधी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया था, तब बैंकों के पास जमा धन को सरकार ने बांड के जरिए रिजर्व बैंक के माध्यम से उधार लिया था। बैंकों में जमा राशि पर सरकार निश्चित दर से ब्याज देती थी, जिस कारण बैंकों के राष्ट्रीयकरण का उद्देश्य पूरा हुआ। पंचवर्षीय योजनाओं के लिए सरकार को बैंकों के माध्यम से बांड के रूप में एक बहुत बड़ी राशि उपलब्ध हुई। वहीं जिन लोगों ने अपनी छोटी-छोटी सी बचत भी बैंकों में जमा की थी। उन्हें ब्याज के रूप में भारी रिटर्न मिला, लोगों का विश्वास बैंकों पर बढ़ा। राष्ट्रीयकरण के बाद केंद्र सरकार को भारी मात्रा में जनता से धन प्राप्त हुआ। कुछ ही वर्षों में सरकार ने कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त की। वहीं पंचवर्षीय योजनाओं के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को धन उपलब्ध हुआ। सरकार यदि पेंशन फंड का इस्तेमाल सरकारी योजनाओं के लिए करना चाहती है तो उसकी गारंटी भी सरकार को लेनी होगी और एक निश्चित रिटर्न पेंशन होल्डर को समय-समय पर भुगतान करना होगा। पेंशन फंड को बाजार के हवाले नहीं किया जा सकता है। वह भी उस बाजार का जिसका कोई धनी-धोरी ना हो। बाजार की अस्थिरता के चलते फंड की सुरक्षा और रिटर्न दोनों खतरे में पड़ सकते हैं। बुढ़ापे में पेंशन पाने वाले कर्मचारी इस तरह का जोखिम ना तो उठा सकते हैं ना ही सरकार को उन्हें इस जोखिम में डालना चाहिए। सरकार का तर्क यह है, अगर यह पैसा उत्पादक क्षेत्रों में लगाया गया, तो इससे अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा और इसका लाभ पेंशनधारकों को मिलेगा। सवाल यह उठता है, क्या सरकार की आर्थिक नीतियां स्थिर और पारदर्शी हैं? शेयर बाजार और वित्तीय संस्थाओं का निवेश क्या सुरक्षित है? वर्तमान स्थिति में सभी जगह आर्थिक व्यवस्था डंवाडोल है। सभी वित्तीय संस्थाएं ऑक्सीजन पर चल रही हैं। जिस बाजार पर केंद्र सरकार भरोसा कर रही, वह कभी भी ढहने के लिए तैयार है। शेयर बाजार और वित्तीय संस्थानों में जिस तरह के घपले और घोटाले हो रहे हैं, उसमें कर्मचारियों की आजीवन बचत और भविष्य को दांव पर लगाया जा सकता है? पिछले कुछ वर्षों में कई सरकारी कंपनियों और बैंकों के घाटे का बोझ आम जनता उठा रही है। बैंकों की सेवाएं लगातार महंगी होती जा रही हैं। ब्याजदर लगातार कम हो रही है।

बिरसा मुंडा पूरे देश के आदिवासी समाज के प्रेरणास्रोत

- कांतिलाल मांडोत

15 नवंबर को हम हर वर्ष उसी वीर आदिवासी नेता को याद करते हैं जिसने न सिर्फ अपने जनजातीय समाज के लिए बल्कि पूरे भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में एक अनूठी छाप छोड़ी । बिरसा मुंडा वर्तमान में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाये जाने वाले इस दिन पर, भारत के आदिवासी समाज की महत्ता, उनके संघर्ष और उनके आने वाले कल की दिशा पर हमें सोचने-विचारने का अवसर मिलता है।आज, गुजरात में आयोजित धार्मिक-सांस्कृतिक समागम और आदिवासी कार्यक्रमों के बीच, वह इतिहास, उस विरासत और उस भविष्य के बारे में है जिसे हमें संजोना है । विशेष रूप से जनजाति समाज के संदर्भ में। यह आयोजन यू तो पूरे देश में विभिन्न कार्यक्रम के तहत मनाया जाएगा।लेकिन गुजरात मे यह आयोजन मोदी की उपस्थिति के कारण महत्वपूर्ण हो जाता है। बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के खूँटी-उलीहातू क्षेत्र में हुआ था। उनकी जात-पसंद मुंडा जनजाति थी, और उन्होंने बहुत ही कम आयु में यह अनुभव किया कि उनके साथी जनजातियों की जमीन-वन-जल से जुड़ी आजादी सिमटती जा रही है। उनका आंदोलन मुख्यतः इस ओर था कि आदिवासी अपनी जमीन, जंगल और पानी के अधिकार खोते जा रहे थे ।अंग्रेज सरकार की नीतियों, जमिनदारों (जमींदारों) और मिशनरियों की गतिविधियों के चलते। उन्होंने 1894 में उलगुलान के नाम से उस विद्रोह की शुरूआत की, जो आदिवासी समाज का अपना-राज, अपनी-भूमि का नारा लेकर चला। उनकी मृत्यु बहुत ही कम उम्र में, 1900 में हुई। लेकिन उनकी विरासत आज भी हमारे बीच जीवंत है। धरती आबा (पृथ्वी के पिता) के नाम से आदिवासी समाज उन्हें याद करता है। सांस्कृतिक समागम एवं गुजरात में आदिवासी कार्यक्रमों का महत्त्वपूर्ण स्थान है।गुजरात में, आदिवासी समाज के लिए आज के दिन के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, जन-सामाजिक संवाद, कार्यशालाएँ, लोक कलाएँ, हाथ के कारीगरों का मंच, आदिवासी युवाओं का मंच सहभागी होना शामिल है। यह सिर्फ एक यादगार कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सम्मान-उत्सव है, जिसमें आदिवासी समाज की गौरवशाली विरासत, संस्कृति, भविष्य-दृष्टि और समान अवसरों पर प्रकाश डाला जाएगा। ये कार्यक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे आदिवासी समुदाय को केंद्र में लाते हैं । उनके द्वारा, उनके लिए युवाओं को प्रेरणा देते हैं कि वे अपनी जड़ों से जुड़ें और आधुनिकता के साथ भी उन्हें अपनाएं। सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से सामाजिक समावेशिता बढ़ती है । आदिवासी समाज के कल-कार और जीवन-शैली को पूरे समाज के सामने रखा जाता है। जब एक कार्यक्रम के केंद्र में आदिवासी भाषा, लोकगीत-नृत्य, हस्त-शिल्प, खान-पान होता है, तो यह संकेत है कि उनकी संस्कृति अब अलग नहीं बल्कि भारत की विविधता का अभिन्न हिस्सा है।

विशेष रूप से आज के समय में, जब भारत ने जं जातीय गौरव दिवस को राष्ट्रीय रूप से माना है। हर वर्ष 15 नवंबर को यह एक अवसर है कि हम आदिवासी समाज के योगदान को सिर्फ स्मरण न करें बल्कि उसे उत्सव के रूप में मनाएं। आज के कार्यक्रमों में नरेंद्र मोदी की उपस्थिति से यह संदेश जाता है कि केंद्र सरकार इस दिवस और आदिवासी समाज के कार्यक्रमों को कितनी गंभीरता से ले रही है। यह उपस्थिति आदिवासी समाज के लिए आत्म-सम्मान और उनकी आवाज को मान्यता देने का प्रतीक है।आदिवासी लोक-नृत्य एवं गीत संस्कृति का जश्नहोगा। हस्त-शिल्प व कला-प्रदर्शनी और आदिवासी जीवन-शैली एवं कला-प्रवृत्तियों का प्रदर्शनकिया जायेगें। संवाद सत्रः आज की चुनौतियाँ, कल के अवसर, योजनाओं की जानकारी और आदिवासी समाज को विकास-योजनाओं से जोड़ने का मुख्य लक्ष्य रहेगा। खेल, प्रतिस्पधाएँ, प्रेरणा-वक्तव्यआदि मुख्य है।इस तरह के समागम न केवल यादगार होंगे, बल्कि प्रेरणादायक भी होंगे।एक ऐसा पल जब जनजातीय समाज और अन्य समाज एक साथ खड़े होंगे, एक-दूसरे को समझेंगे, सम्मान देंगे और साझा भविष्य का निर्माण करेंगे। यादगार पल इसलिए क्योंकि आज के इस दिन आदिवासी समाज की जातिगत अलगाव-तल से निकलने की यात्रा को दस्तावेजित करता है।उनके हीरो को राष्ट्रीय मंच पर मान्यता मिल रही है । बिरसा मुंडा जैसे नायकों को आदिवासी समाज का प्रतीक और पूरे देश की प्रेरणा माना जा रहा है।गुजरात जैसे विविध राज्य में आदिवासी कार्यक्रम होने से यह संकेत मिलता है कि जनजाति-विषय सिर्फ खास-क्षेत्रीय नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत का विषय बन रहा है। कार्यक्रमों के माध्यम से समाजिक समावेशिता, संस्कृति-पुनरुद्धार, युवाओं को सशक्त बनाने का अवसर मिल रहा है।और सबसे बड़ी बात है कि यह संस्कृति-उत्सव है। हम सिर्फ इतिहास याद नहीं कर रहे, बल्कि एक उत्सव-भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा ले रहे हैं।भविष्य की दिशा तय होगी। आदिवासी समाज का सशक्तिकरण बिरसा मुंडा ने जिस स्वराज-सपने को देखा था अबुआ राज, अबुआ दिशुम हमारा राज्य, हमारी दिशा आज उसका स्वरूप कुछ अलग है पर संकल्प वही है। आदिवासी समाज को सम्मान, अधिकार, अवसर मिलें। वक्त की मांग है कि कार्यक्रमों से निकलकर वास्तविक क्रियान्वयन हो। आदिवासी युवाओं को शिक्षा-स्वास्थ्य-रोजगार के अवसर मिले। उनकी कलाएँ-हस्त-शिल्प सुरक्षित, समृद्ध हों। जमीन-वन-जल के अधिकार सुनिश्चित हों। उनके अनुभव, ज्ञान-परंपरा को आधुनिक विकास के साथ जोड़ने की पहल हो। समाज में आदिवासी-विभाग के प्रति पूर्वाग्रह कम हो, समावेश बढ़े।यदि आज का कार्यक्रम ह्ययादगार पलह्व बनाना है, तो उसके बाद कल का परिवर्तन भी जरूरी है। आदिवासी समाज के लिए यह सिर्फ एक दिन नहीं, यह एक संकल्प-प्रारंभ होना चाहिए। आज, जब हम बिरसा मुंडा की जयंती पर एक बड़े सांस्कृतिक समागम में जुट रहे हैं।जहाँ मोदी-सराहना होंगी, आदिवासी-कलाएँ होंगी, युवाओं का उत्साह दिखेगा, तो हमें यह याद रखना है कि यह केवल उत्सव नहीं है, बल्कि उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व है कि इस यादगार पल को हम यादगार असर में बदलें।आदिवासी समाज की गरिमा, उनके योगदान, उनकी आकांक्षाओं को समस्त भारत के विकास-सफर में सुदृढ़ करें। इसलिए इस 15 नवंबर को आइए हम न सिर्फ बिरसा मुंडा को याद करें, बल्कि उनके उस सपने को पुनः संकल्प करें। जहाँ आदिवासी समाज अपने अधिकारों, अपनी संस्कृति, अपनी पहचान के साथ आगे बढ़े। जहाँ गुजरात में आयोजित ये कार्यक्रम सिर्फ एक आयोजन नहीं रहे, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए राह-निर्देशक बने। शत-शत प्रणाम धरती आबा को और आदिवासी समाज को सलाम, जिन्होंने हमें सिखाया कि स्वाभिमान के साथ इतिहास बनता है।

बिहार के जनादेश: सुशासन की निर्णायक जीत और महागठबंधन की करारी हार

- कांतिलाल मांडोत

बिहार की राजनीति लंबे समय से दो विरोधी धुरों के बीच झूलती रही है। एक ओर सुशासन, विकास, स्थिरता और कानून-व्यवस्था की राजनीति, और दूसरी ओर अव्यवस्था, कट्टा संस्कृति, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और पुराने ह्यजंगलराजह्व की यादें। हालिया चुनावों ने इन दोनों धाराओं के बीच चल रही जंग पर निर्णायक मुहर लगा दी है। जनता ने जिस स्पष्टता और मजबूती से अपना संदेश दिया है, उसने राजनीति के कई भ्रम तोड़ दिए और यह साफ कर दिया कि वह सिर्फ नारों से नहीं, बल्कि व्यवहारिक शासन, स्थिर नेतृत्व और विकास की ठोस दिशा को प्राथमिकता देती है। महागठबंधन ने चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कई तीखे और विवादित आरोप लगाए। वोटचोर,गद्दी चोर एसआईआर मुद्दे पर झूठे और मनगढ़ंत आरोप से कांग्रेस की स्थिति बिगड़ी है। लेकिन जनता ने इन आरोपों को खारिज करते हुए यह जाहिर कर दिया कि नकारात्मक राजनीति अब असरदार हथियार नहीं रही। मतदाता अब काम कानून व्यवस्था, जनसेवा और विश्वसनीयता को प्राथमिकता देता है। इस चुनावी नतीजे ने यह स्थापित कर दिया कि बिहार की राजनीति नए युग में प्रवेश कर चुकी है, जहां भावनाओं के बजाय सुशासन की ठोस जमीन पर नेतृत्व का मूल्यांकन हो रहा है। बिहार का बदलता राजनीतिक मूडः जनता भावनाओं से आगे बढ़ चुकी है। एक समय था जब बिहार की राजनीति का ढांचा जातिगत समीकरणों, जनभावनाओं और राजनीतिक नाटकीयता पर आधारित माना जाता था, लेकिन इस चुनाव ने इस सोच को झकझोर दिया है। जाहिर है, बिहार की जनता अब सत्ता परिवर्तन सिर्फ नाराजगी या भावनात्मक उभार के आधार पर नहीं करती, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता और प्रगति की दिशा को तरजीह देती है। महागठबंधन ने पूरी ताकत से नैरेटिव खड़ा करने की कोशिश की गई। मोदी सरकार पर अपमानजनक टिप्पणियाँ से माहौल बिगड़ गया। फर्जी आरोप,कटु बातें और जातिगत ध्रुवीकरण की कोशिशें हुई। परन्तु बहुत बड़ा आघात मोदी को उस समय लगा जब मोदी की माँ को विपक्ष ने गंदी गालिया दी गई। कहा गए एनडीए का विरोध करने वाले नेताओं का कोई ढोर नही है। कांग्रेस के खाते में चार सीटे आना इस बात का संकेत है कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीतियां पार्टी के खिलाफ है। राहुल ने ऐड़ी चोटी का जोर लगाया। लेकिन अंततः करारी हार नसीब हुई है। तेजस्वी ने 19 नवम्बर को शपथ लेने की बात भी कर दी थी। लेकिन सारे अरमान धराशायी हुए। अब एनडीए पर आरोपो की धज्जियां उड़ाई जाएगी। लेकिन बिहार के मतदाताओं ने शांत मन से यह मूल्यांकन किया कि कौन-सा नेतृत्व राज्य को स्थिरता, सुरक्षा और विकास की राह पर ले जा सकता है। जनता ने यह भी समझा कि सिर्फ विरोध के नाम पर राजनीति टिकाऊ नहीं हो सकती, जब तक उसके पास दृष्टि और साफ नीयत न हो। बिहार ने तुलना करके निर्णय दिया है। बिहार के राजनीतिक विमर्श में दो शब्द हमेशा प्रमुख रहे हैं जंगलराजऔर सुशासन। बिहार चुनाव में भी यही दो मॉडल आमने-सामने थे। एक सुशासन का मॉडलऔर दूसरा कानून-व्यवस्था में सुधार। विकास परियोजनाओं का विस्तार और शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे में निवेश जैसे मुद्दे चर्चा में रहे है। सामाजिक सुरक्षा योजनाएँऔरअपराध नियंत्रण और आधुनिक पुलिसिंग से जनता अभिभूत होती दिखाई दी। अव्यवस्था/कट्टा संस्कृति का मॉडल विपरीत परिणाम दे गया। जिन राज्यों में अतीत में ऊंची अपराध दर, रंगदारी, अपहरण उद्योग, गुंडागर्दी और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधी प्रमुख धारा में रहे, उसकी यादें कभी मिटती नहीं। बिहार की जनता ने इस चुनाव में इन दोनों मॉडलों की तुलना करते हुए स्पष्ट और निर्णायक फैसला सुनाया है।

यह स्पष्ट है कि वह किसी भी रूप में अतीत की अराजकता को वापस नहीं देखना चाहती। कट्टा संस्कृति बनाम कानून-व्यवस्था यह केवल चुनावी मुद्दा नहीं, सामाजिक प्रश्न था। बिहार में कट्टा संस्कृति और अपराध की राजनीति सिर्फ राजनीतिक मुद्दे नहीं थे। वे समाज की सुरक्षा और सम्मान से जुड़े प्रश्न थे। महागठबंधन इस धारणा को मिटाने में असफल रहा कि उनके कई जनाधार वाले क्षेत्रों में अतीत में अपराध और राजनीतिक संरक्षण का गठजोड़ दिखाई दिया था। वहीं दूसरी ओर, स्थिर नेतृत्व ने लगातार यह संदेश दिया कि कानून-व्यवस्था के साथ कोई समझौता नहीं होगा। मतदाता ने फिर साबित कर दिया किसुरक्षा विकास की पहली शर्त है। एसआईआर (रक्क्र) विवाद से आरोपों की राजनीति का उल्टा असर देखने को मिला। चुनावों में महागठबंधन ने रक्क्रको लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा करने का प्रयास किया और प्रधानमंत्री मोदी पर कई मनगढ़ंत आरोप लगाए। लेकिन जनता ने इस वाद-विवाद के राजनीतिक मकसद को समझ लिया। जब आरोप तथ्यों के बजाय भावनाओं पर आधारित हों, तो वे अक्सर उल्टा असर डालते हैं। मतदाता किसी भी नेतृत्व को निराधार आरोपों में उलझता देखना पसंद नहीं करता है। उसके लिए मायने रखता है। क्या काम हुआ, क्या योजनाएँ जमीन पर उतरीं और किसकी नीयत साफ दिखती है। वोटचोर और गद्दी चोर जैसे शब्दों का परिणाम राजनीतिक गरिमा पर चोट करते है।

अन्त:करण सबसे बड़ी अदालत

-संजय गोस्वामी

2006 में बहुचर्चित निठारी की कोठी नंबर डी-5 में रहने वाले मोनिंदर और उसके नौकर सुरेंद्र कोली पर बच्चों की बेरहमी से हत्या और अवशेष को घर के पीछे दफनाने का आरोप था। अब जब दोनों को कोर्ट से दोषमुक्त होने के बाद रिहाई मिल चुकी है, तो एक बार फिर उस दर्दनाक याद ने गांव में सन्नाटा फैला दिया है। उन घरों में जहां कभी बच्चों की खिलखिलाहट गूंजती थी, अब सिर्फ दर्द की परछाइयां बची हैं। 2005-2006 : नोएडा के निठारी गांव से कई बच्चे और महिलाएं लापता होने लगे।-दिसंबर 2006 : पुलिस ने कारोबारी मोनिंदर सिंह पंढेर और उसके नौकर सुरेंद्र कोली के घर के पास से हड्डियां और शरीर के अंग बरामद किए। सुरेंद्र कोली को नौ सितंबर (रविवार) 2014 मेरठ जेल में फांसी दी जानी थी। कोली को मेरठ जेल की एक हाई सिक्योरिटी बैरक में रखा गया था। फांसी की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी थी। रविवार को अदालत बंद होने से अधिवक्ता इंदिरा जय सिंह ने रात को ही सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायमूर्ति आरएम लोढ़ा से मिलने का समय मांगा था। रात को करीब 11:45 बजे वरिष्ठ मुख्य न्यायमूर्ति एचएल दत्तू के घर विशेष अदालत लगी। रात में ही बहस हुई। कैलेंडर की तारीख बदल गई। उस समय रात को एक बजने से कुछ समय पहले ही विशेष अदालत ने अपना फैसला सुनाया। अपने फैसले में अदालत ने सुरेंद्र कोली के मामले में दोबारा सुनवाई के लिए इंदिरा जय सिंह को एक सप्ताह का समय देते हुए सुरेंद्र कोली की फांसी पर रोक लगा दी। सबसे पहले फोन करके मेरठ के डीएम और एसएसपी को इस फैसले की जानकारी दी गई। सुरेंद्र कोली की फांसी को अगले सप्ताह तक रोके जाने की जानकारी दी गई। इसके साथ ही उन्हें अदालत के आदेश की लिखित कापी मिलने तक इंतजार करने को कहा गया। निठारी हत्याकांड में मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली को सुप्रीम कोर्ट से बरी होने के बाद आदेश के अनुपालन में विशेष सीबीआई कोर्ट ने रिहाई परवाना जारी कर दिया। इसके बाद उसे गौतमबुद्धनगर के लुक्सर जेल से मुक्त कर दिया गया। निठारी कां हत्याकांड की तरह साक्ष्य के अभाव में अदालत के आदेश के बाद अपराधी को जेल से रिहा कर दिया जाता है समाज में व्यक्तिगात शोषण के अतिरिक्त कुछ सामाजिक अत्याचार भी होते हैं-जातिवाद, बिरादरीबाद, प्रान्तवाद तथा कुटिल राजनीति इत्यादि के संकीर्ण दृष्टिकोण से। योग्य व्यक्ति के अधिकार छीन लिये जाते हैं और अयोग्य अथवा निम्नस्तरीय व्यक्ति को योग्य व्यक्ति के सिर पर बैठा दिया जाता है। इसके दो परिणाम संभव है-(1) व्यक्ति सिकुड़कर समाज के एक कोने में छिपकर पड़े हुए आत्मग्लानि की भट्टी में जलता रहे अथवा आत्महत्या आदि को अपनाकर अपमानजनक स्थिति का अन्त कर दे। (2) अथवा वह हिंसा का सहारा लेकर अपराधी के रुप में सामाजिक अपराध करना प्रारंभ कर दे। किंतु विवेकशील व्यक्ति ऐसे समय में भी सुदृढ़ रहकर अपने मन में अथवा व्यवहार में ऐसी प्रतिक्रिया नहीं होने देता है। यह संकीर्णता की कदापि नहीं अपनाता है। कीचड़ से कीचड़ नहीं धोयी जाती है। शुद्ध जल से ही कीचड़ को धो सकते हैं। जब आप पर अन्याय हो रहा है, तो दो ही राह हैं-घृणा को त्यागकर कर्त्तव्य ने नाते अत्याचार का प्रतिरोघ करें तथा संघर्ष करें और जो भी फल हो उसे स्वीकार कर लें अथवा संतभाव को अपनाकर सब कुछ प्रभु पर छोड़ दें तथा अन्यायी के लिए भी सद्भावना ही करते रहें।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई। सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को से मिटाया जाता है? क्या अंधेरा से मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

आज का राशिफल

मेष घर के किसी सदस्य या फिर संतान का व्यवहार आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

वृषभ आज का दिन शुभ संकेत लेकर आया है। आज का दिन परिवार के लोगों के साथ बीतेगा।

मिथुन संकोच खत्म हो जाएगा। इस दौरान कार्यक्षेत्र की धीमी गति से मानसिक तनाव पैदा हो सकता है।

कर्क दिन कुछ अच्छा गुजरता नहीं दिख रहा है। आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह आज का दिन आर्थिक स्थिति के लिहाज से काफी अच्छा रहने वाला है।

कन्या चापलूसों से दूरी बनाकर रखनी होगी। मदद करने की प्रवृत्ति आपको परेशानी में डाल सकती है।

तुला इंटरव्यू की तैयारी कर रहे लोगों को आज अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे।

वृश्चिक जिन लोगों पर आप भरोसा करते थे उनसे आपको निराश मिलेगी।

धनु दिन पूरे हो सकते हैं। दिन लंबे समय से चली आ रही परेशानियों में राहत मिलेगी।

मकर आज का दिन प्रेरणादायक रहने वाला है। आपकी बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होगी।

कुंभ दिन कार्यक्षेत्र में व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आपके लिए दिन भागदौड़ भरा रहने वाला है।

मीन ऐसे में अपने सभी जरूरी कामों को पहले ही पूरा करने की कोशिश करें।

विशेष

बाबरी का बदला लेने स्वदेशी पढ़े-लिखे आतंकी?

10 नवंबर को लाल किले के पास भयानक बम विस्फोट हुआ है। इसमें एक दर्जन से ज्यादा लोग मारे गए हैं। दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल होकर अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं। पुलिस की जांच में पता लगा पढ़े-लिखे डॉक्टर अब स्वदेशी आतंकवादी बन गए हैं। वह बाबरी मस्जिद को गिराने का बदला लेना चाहते थे। 6 दिसंबर को दिल्ली और आसपास के इलाके में भयानक बम विस्फोट की तैयारी थी। लाल किले के धमाके ने वह योजना ध्वस्त कर दी है। आतंकवादी जैस ए मोहम्मद से जुड़े हुए बताए जा रहे हैं। जो पाकिस्तान का आतंकी संगठन है। भारत सरकार इन आतंकवादियों को तुर्की से जोड़ रही है।जिस तरह से भारत में पिछले 11 वर्षों से पोशाक से पहचान लेना, मस्जिदों और मुसलमान के घरों को गिराने और नमाज पढ़ने को लेकर लगातार विरोध जताकर मुसलमानों के खिलाफ जो नफरत का वातावरण बनाया गया। वह ठीक उसी तरह का है, जैसे घाव सूखने के पहले ही उसे बार-बार कुरेद दिया जाए। घाव को कभी सूखने नहीं दिया जाए। अब पढ़े-लिखे और डरे हुए मुसलमान अपने आपको बचाने आतंकवादी बन रहे हैं। नफरत की जो खेती पिछले एक दशक से हो रही है। वह पूरी तरह से पक कर तैयार हो गई है। फसल किस तरह से कटेगी,अब यही देखना बाकी रह गया है। अब यह भी कहा जाने लगा है कि एक मच्छर को भी मारना मुश्किल होता है 18-20 करोड़ मुसलमानो कौन नफरत से नहीं प्यार से ही दबाया जा सकता है। सरकार को धीरे-धीरे अब यह बात समझ आने लगी है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1577: इंग्लैंड के सर फ्रांसिस ड्रेक समुद्र मार्ग से दुनिया की यात्रा पर निकले। 1621: जहांगीर के सैनिकों ने कांगड़ा किले पर कब्जा किया। 1889: ब्राजील नरेश पेड्रो द्वितीय ने गद्दी छोड़ी और ब्राजील गणराज्य बना। 1913: रवींन्द्र नाथ ठाकुर को साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिए जाने की सूचना मिली। 1935: मैनुअल क्वेजान फिलीपींस के पहले राष्ट्रपति बने । 1949: महात्मा गांधी के हत्या के सिलसिले में नाथुराम विनायक गोडसे और नारायण दत्तात्रय आप्टे को फांसी दी गई। 1956: संयुक्त राष्ट्र की आपात सेना मिस्त्र पहुंची। 1976: सिरीयाई सेना ने बेरूत पर पूरा नियंत्रण कर लिया। 1982: विनोबा भावे का निधन। 1989: पश्चिमी किनारे के फिलीस्तीनियों ने स्वतंत्रता की घोषणा की पहली वर्षगांठ मनाई। 1990: अमरीका और सऊदी अरब ने संयुक्त सैन्य अभ्यास किया।

दैनिक पंचांग

15 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.23 ब.से
चंद्र	कन्या में	धनु	08.39 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.45 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.31 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.04 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.34 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.15 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.13 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.26 बजे से
राहुकाल		सिंह	23.42 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		कन्या	01.54 बजे से
		तुला	04.05 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 319 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 02.38 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 23.35 बजे को समाप्त। **योग** वैधृति 06.26 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.41 बजे तदनन्तर बालव 02.38 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 18° 29' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872529 **जूलियन दिन** 2460994.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 23 **विशेष** उत्पन्ना एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

गुवा रेलवे स्टेशन परिसर में निर्माण कार्य ठप, रंगदारी और उगाही से ठेकेदार परेशान

चाईबासा, एजेंसी। दिवाकर इंजीनियरिंग वर्क्स को भारतीय रेल के चक्रधरपुर मंडल के तहत गुवा रेलवे स्टेशन परिसर में आवासीय भवन निर्माण कार्य का आदेश मिला था। पिछले दो वर्षों से यह कंपनी कार्यरत है, परंतु बीते कुछ महीनों से स्थानीय असामाजिक तत्वों द्वारा रंगदारी और जबरन उगाही के कारण कार्य पूरी तरह ठप हो गया है। कंपनी की ओर से बताया गया कि पिछले दो वर्षों में कई बार कर्मचारियों और मजदूरों पर हमला किया गया है। 7 जून 2025 को ठेकेदार ज्योति कुमार दिवाकर पर कार्यस्थल पर जानलेवा हमला किया गया था, जिसकी शिकायत चाईबासा थाना में दर्ज कराई गई थी। इसके बाद 30 अक्टूबर 2025 को एक बार फिर राजेश अंबेसडा पर असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया, जिसके बाद वे फिलहाल सेल अस्पताल गुवा में इलाजरत हैं। लगातार हमलों से मजदूरों में दहशत का माहौल है और अधिकांश ने काम छोड़ दिया है। कंपनी के प्रमुख ज्योति कुमार दिवाकर ने कहा कि ऐसे माहौल में कार्य जारी रखना संभव नहीं है। कई बार रेलवे प्रशासन और स्थानीय पुलिस से सुरक्षा की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जब तक वर्क साइट पर सुरक्षा की व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जा सकता। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि गुवा जैसे पिछड़े क्षेत्र के विकास कार्य पर असामाजिक तत्वों की गतिविधियों का सीधा असर पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि जिला पुलिस प्रशासन शीघ्र कार्रवाई करे ताकि गुवा का विकास कार्य बाधित न हो।

घर की दहलीज पर खड़ी वृद्ध महिला की हत्या, धड़ को सिर से किया अलग

गिरिडीह, एजेंसी। जिले में सनसनीखेज घटना घटी है। यहां धनवार थाना इलाके के अम्बाटांड़ (पंलगी) में एक महिला की हत्या कर दी गई है। मृतका स्थानीय गंगा सिंह की 62 साल की पत्नी शांति देवी थी। घटना गुरुवार की देर रात घटी है। मामले की सूचना पर खोरीमहुआ एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद के अलावा धनवार थाना प्रभारी सतेंद्र पाल के साथ साथ घोडथम्भा, जमुआ, हीरोडीह की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है। पुलिस ने मृतका के सिर और धड़ को बरामद कर लिया है। इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं पूरे घटना को क्रमवार जांचा जा रहा है। घटना को लेकर जो जानकारी मिली है उसके अनुसार गुरुवार रात को महिला अपने घर पर थी, इसी बीच हमलावर आए और महिला के गर्दन पर धारदार तलवार से वार कर दिया। तलवार लगते ही महिला का सिर धड़ से अलग हो गया। घटना के बाद हमलावर भागने लगे। इस बीच मामले से धनवार थाना प्रभारी सत्येंद्र पाल को अवगत कराया गया। थाना प्रभारी ने इसकी सूचना एसपी – एसडीपीओ को देते हुए खुद ही घटनास्थल पर पहुंचे। बाद में अन्य पदाधिकारी पहुंचे और जांच शुरू की। जांच के दौरान ही घटनास्थल से थोड़ी दूरी पर मृतका का सिर मिला। दूसरी तरफ घटना के बाद से परिजन सदमे में हैं तो लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। लोग सभी को गिरफ्तार करने तथा कड़ी सजा दिलवाने की मांग कर रहे हैं।

धनबाद में 5वीं कक्षा के छात्र की संदिग्ध स्थिति में मौत, सहपाठियों पर पिटाई का आरोप

धनबाद, एजेंसी। गोविंदपुर थाना क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल में पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र मंजूड़ा राय की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। परिजनों का आरोप है कि सहपाठियों की पिटाई से मंजूडा की मौत हुई है। इलाज के दौरान छात्र की मौत के बाद परिजनों ने स्कूल के शिक्षकों पर बच्चों की देखभाल में लापरवाही का आरोप लगाया है। घटना के लिए स्कूल के शिक्षक को जिम्मेदार ठहराया है। मृत छात्र के परिजनों ने इस बाबत स्कूल के शिक्षकों और मारपीट करने वाले सहपाठियों के खिलाफ गोविंदपुर थाना में शिकायत की है। जिसके आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। वहीं पोस्टमार्टम के बाद छात्र के शव को स्कूल लाया गया। स्कूल परिसर में स्थानीय लोगों की भीड़ पहले से इकट्ठा थी। स्कूल में शव पहुंचते ही परिजनों की चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया। शव को देख कर लोग अधिक आक्रोशित हो गए। छात्र के शव को स्कूल के कार्यालय के गेट पर रखकर आक्रोशित लोग कार्रवाई की मांग पर अड़ गए। परिजन मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। इस दौरान पुलिस मौके पर मौजूद रही।इस संबंध में मृत छात्र की मां चंपा राय ने कहा कि बेटा स्कूल जाना नहीं चाहता था। उन्होंने अपने पुत्र को जबरन स्कूल भेजा था। मां का आरोप है कि कक्षा के ही दो छात्र अक्सर उनके बेटे की पिटाई करते थे। एक सप्ताह पहले भी बेटे के साथ स्कूल के बाथरूम में मारपीट की गई थी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उन्होंने पूर्व में स्कूल की शिक्षक को मारपीट को लेकर शिकायत की थी, लेकिन शिक्षक के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि अगर शिक्षक के द्वारा कार्रवाई की जाती तो शायद आज उनका इकलौता बेटा जिंदा होता।

एचईसी का 67वां स्थापना दिवस

गौरव, संकट और उम्मीद की कहानी, जमीन से लेकर अंतरिक्ष तक योगदान देने वाली संस्था के सामने अस्तित्व का खतरा

रांची, एजेंसी। देश की औद्योगिक रीढ़ कहे जाने वाले हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड की आज स्थिति बेहद जर्जर हो चुकी है। कभी देश की औद्योगिक पहचान रहा यह उपक्रम अब अस्तित्व की संकट से जूझ रहा है। आज जब एचईसी अपना 67वां स्थापना दिवस मना रहा है, तब कर्मचारियों में जश्न नहीं, बल्कि निराशा और असुरक्षा का माहौल है।

एचईसी की स्थापना 14 नवंबर 1958 को हुई थी, जबकि इसका औपचारिक उद्घाटन 15 नवंबर 1963 को तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने किया था। उस समय भारत औद्योगिक आत्मनिर्भरता की राह पर कदम रख रहा था और एचईसी को उस दिशा में देश के सबसे बड़े औद्योगिक उपक्रम के रूप में स्थापित किया गया था।

शुरुआत में यहां लगभग 22 हजार से अधिक कर्मचारी कार्यरत थे। उस दौर में एचईसी सिर्फ एक फैक्ट्री नहीं, बल्कि रांची की पहचान और भारत की औद्योगिक आकांक्षाओं का प्रतीक बन गया था। आज, कभी लाखों वर्गफुट में फैला यह औद्योगिक परिसर सिर्फ तीन हजार से भी कम कर्मचारियों तक सिमट गया है। एचईसी को 'मदर ऑफ ऑल इंडस्ट्रीज' इसलिए कहा गया, क्योंकि इसने न सिर्फ अपने उत्पाद बनाए बल्कि देश के तमाम उद्योगों को मशीनें, क्रेन, प्रेस और टर्बाइन उपलब्ध कराए। भिलाई, बोकारो और राउरकेला जैसे स्टील प्लांटों की नींव में एचईसी की तकनीकी मेहनत शामिल थी। बाद में इस निगम ने देश को अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भी मजबूत योगदान दिया। एचईसी ने इसरो को रॉकेट लॉन्चिंग पैड, क्रायोजेनिक इंजन टेस्टिंग उपकरण और सैटेलाइट असेंबली प्लेटफॉर्म तक बनाए। न्यूक्लियर रिएक्टरों, हाइड्रोलिक प्रेस, डिफेंस इक्विपमेंट्स और भारी क्रेनों के निर्माण में भी एचईसी की अहम भूमिका रही। इसने भारत को विदेशी तकनीक पर निर्भरता से मुक्त कर 'मेक इन इंडिया' की नींव बहुत पहले रख दी थी। वक्त ने करवट ली, और जो एचईसी कभी औद्योगिक गौरव का प्रतीक था, वहीं अब ध्वस्त दीवारों और जंग खाई मशीनों के बीच सिसक रहा है। उत्पादन लगभग ठप है, नई परियोजनाएं नहीं हैं और वित्तीय स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। कई वर्कशॉप्स में महीनों से मशीनें नहीं चली हैं।

एचईसी के कर्मचारियों को पिछले 25 महीने से नियमित वेतन नहीं मिला। घर चलाना, बच्चों की पढ़ाई और बीमार माता-पिता की दवा जैसी बुनियादी ज़रूरतें पूरी करना भी मुश्किल हो गया है।

भारतीय श्रमिक संघ के अध्यक्ष रामाशंकर ने कहा, 'जिस गति से एचईसी ने भारत के औद्योगिक विकास की दिशा में उड़ान भरी थी, उसी गति से आज यह धराशायी होती जा रही है। केंद्र सरकार ने वादा किया था कि इसका पुनर्गठन जल्द किया जाएगा, लेकिन यह प्रक्रिया बेहद धीमी है। अब वक्त आ गया है कि इसमें तेजी लाई जाए, वरना यह राष्ट्रीय धरोहर हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी।' वहीं, कर्मचारी संगठनों का कहना है कि प्रबंधन की लापरवाही और केंद्र की उदासीनता के कारण हजारों परिवार आर्थिक संकट में हैं।

एक दौर था जब एचईसी का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जाता था, परिसर में झंडोत्तोलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और तकनीकी प्रदर्शनियों का आयोजन होता था। पर अब वही दिन शांत और मायूस होकर बीतता है। कर्मचारी संगठन हर साल श्रद्धांजलि सभा आयोजित करते हैं और पुराने गौरव के दिनों को याद करते हैं।एचईसी की स्थापना काल के एक कर्मचारी कहते हैं, जो 1980 के दशक में इस निगम से जुड़े थे, ने कहा यह वही मिट्टी है, जहां से भारत की सबसे बड़ी मशीनें बनीं। आज यहां सन्नाटा है। यह सिर्फ एक कंपनी की दुर्दशा नहीं, बल्कि उस सोच के पतन की कहानी है, जिसने भारत को आत्मनिर्भर बनाया था।

केंद्र सरकार ने अब तक एचईसी को न तो रणनीतिक क्षेत्र में शामिल किया है और न ही पुनर्जीवन योजना को अंतिम रूप दिया है। कई बार संसद में सवाल उठे कि क्या सरकार एचईसी को निजी हाथों में सौंपने या बंद करने जा रही है लेकिन अब तक कोई ठोस जवाब या नीति स्पष्ट नहीं की गई। राज्य सरकार ने भी पुनर्जीवन के लिए केंद्र से सहयोग की मांग की है, परंतु प्रक्रिया धीमी और अनिश्चित बनी हुई है। तकनीकी विशेषज्ञों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों का मानना है कि अगर सरकार चाहे तो एचईसी को फिर से राष्ट्रीय गौरव परियोजना के रूप में खड़ा किया जा सकता है। यहां की विशाल वर्कशॉप्स, भारी उपकरण निर्माण की क्षमता और अनुभवी तकनीकी जनशक्ति आज भी देश के किसी भी औद्योगिक संस्थान से कम नहीं। यदि इसे रक्षा उत्पादन, रेल इंफ्रास्ट्रक्चर और इसरो की नई परियोजनाओं से जोड़ा जाए, तो एचईसी एक बार फिर भारत की औद्योगिक रीढ़ बन सकता है।

14 नवंबर 1958 को शुरू हुई यह औद्योगिक यात्रा कभी देश के लिए गर्व की मिसाल थी। आज उसी उद्योग के कर्मचारी अपने वेतन, अपने भविष्य और अपने अस्तित्व के लिए जूझ रहे हैं।

नक्सल इलाके से बाहर निकल कर ढाबा चला रही हैं प्रतिमा देवी! महिला सशक्तिकरण का बनी उदाहरण

पलामू, एजेंसी। 'दीदी का बागीचा' नाम सुन कर लगेगा का कि फूल पौधों का बागीचा होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। यह एक ढाबा है जिसका संचालन एक महिला करती है। आम तौर पर यह देखा जाता है कि ढाबे का संचालन कोई पुरुष करता है। लेकिन पलामू के चैनपुर प्रखंड की रहने वाली प्रतिमा देवी नामक महिला ढाबे का संचालन कर रही है और महिला सशक्तिकरण का बड़ा उदाहरण बन गई हैं।

प्रतिमा देवी पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के सलतुआ की रहने वाली है, यह इलाका नक्सल गतिविधि के लिए चर्चित रहा है। प्रतिमा देवी सबसे पहले सलतुआ के इलाके में एक गुमटी के माध्यम से समोसा और मिठाई बेचा करती थी। कुछ वर्ष पहले प्रतिमा देवी ने स्टार्टअप शुरू किया और चैनपुर के कंकारी के इलाके में ढाबा खोला। प्रतिमा देवी अब प्रतिदिन तीन से चार हजार रुपए की आमदनी कर रही है।

प्रतिमा देवी ने लॉकडाउन से पहले अपने आर्थिक हालात को बदलने के लिए कई योजना पर कार्य शुरू किया था। शुरुआत में कपड़े का कारोबार करना चाहा, लेकिन वह सफल नहीं हुई। लॉकडाउन के बाद प्रतिमा देवी झारखंड लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के स्वयं सहायता समूह से जुड़ी थी। प्रतिमा देवी ने एक लाख का ऋण लिया था। इसी से चैनपुर के कंकारी इलाके में ढाबा खोला। धीरे-धीरे प्रतिमा देवी का कारोबार बढ़ता गया और उनकी रोज की कमाई हजारों में है। वो सरकारी आयोजनों के साथ-साथ प्राइवेट कार्यक्रम में भी खाना की सप्लाई करती हैं।प्रतिमा देवी ने जहां पर ढाबा खोला है वह पहले आम का बगीचा हुआ करता था।

स्थापना दिवस: मुख्य समारोह स्थल पुलिस छावनी में तब्दील, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

रांची, एजेंसी। झारखंड स्थापना दिवस को लेकर आधी राजधानी को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। मोरहाबादी मैदान के आसपास के सभी रास्तों को बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया गया। मोरहाबादी मैदान में पूरी तरह से पुलिस का पहरा है। हजारों की संख्या में राज्य स्थापना दिवस में शामिल होने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से लोग रांची पहुचेंगे। ऐसे में ट्रैफिक पुलिस की जिम्मेवारी भी बढ़ गई है।

झारखंड स्थापना दिवस समारोह को लेकर पूरी राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। 1000 से ज्यादा जवानों को मोरहाबादी मैदान सहित अन्य जगहों पर सुरक्षा के लिए तैनात किया गया है। दिल्ली में हुए विस्फोट की वजह से भी समारोह स्थल की सुरक्षा को बेहद पुख्ता बनाया गया है। पूरे मैदान की निगरानी ड्रोन कैमरे से शुरू कर दी गई है। वहीं सुरक्षा में रैपिड एक्शन पुलिस, जैप, जिला पुलिस, टियर गैस टीम और फायर ब्रिगेड को भी तैनात किया गया है। गृह सचिव सहित राज्य पुलिस के आला अधिकारी देर रात तक मोरहाबादी मैदान का निरीक्षण करते नजर आए। यहां पर चारों तरफ सादे लिबास में भी पुलिसकर्मियों को तैनात किया जा रहा है। मैदान में प्रवेश के लिए जो लोग लाइन में लगे होंगे उनकी जांच भी स्पेशल ब्रांच के द्वारा मेटल डिटेक्टर से की जाएगी। झारखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह को लेकर रांची रेंज के आईजी मनोज कौशिक खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं। रांची रेंज के आईजी के द्वारा पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी का जायजा भी लिया गया है। आईजी मनोज कौशिक ने बताया कि राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था के लिए हर तरह के इंतजाम किए गए हैं। राज्य के लोगों को बेहतर सुरक्षा के बीच स्थापना दिवस के दौरान होने वाले तमाम कार्यक्रमों का लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा।

15 नवंबर को झारखंड स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाले समारोह की सुरक्षा में एक हजार जवानों के अलावा सुरक्षा व्यवस्था की मॉनिटरिंग के लिए रांची में तीन आइपीएस, आधा दर्जन डीएसपी सहित कई अधिकारियों की तैनाती की गई है। वैसे तो मुख्य समारोह रांची के मोरहाबादी मैदान में दोपहर बाद होना है लेकिन मैदान की सुरक्षा को लेकर सुबह 6 बजे से ही जवान मुस्तैद रहेंगे।

राज्य स्तरीय पुरुष नसबंदी अभियान: स्वास्थ्य मंत्री ने जागरुकता रथ को किया रवाना

रांची, एजेंसी। फैमिली प्लानिंग के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आज गुरुवार से राज्य भर में पुरुष नसबंदी अभियान की शुरुआत हो गयी है। रांची के नामकुम स्थित स्वास्थ्य मुख्यालय के आईपीएच सभागार में राज्य स्तरीय पुरुष नसबंदी अभियान सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

20 दिसंबर तक चलने वाले पुरूष नसबंदी अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। मंत्री ने कहा कि परिवार नियोजन केवल जनसंख्या नियंत्रण का नहीं, बल्कि स्वस्थ परिवार और सुरक्षित मातृत्व की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि पुरुषों की समान भागीदारी से ही परिवार नियोजन का यह प्रयास सफल होगा। डॉ। इरफान अंसारी ने सभी से इस अभियान को जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने का आह्वान किया। यह अभियान राज्य के परिवार कल्याण कार्यक्रम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो, यही उनकी इच्छा है। मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि परिवार नियोजन केवल जनसंख्या नियंत्रण का विषय नहीं है बल्कि यह स्वस्थ परिवार, सुरक्षित मातृत्व और खुशहाल समाज की दिशा में उठाया गया एक सशक्त कदम है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर बच्चा योजना और तैयारी के साथ इस दुनिया में आए और हर मां को सुरक्षित मातृत्व का अधिकार मिले।

उन्होंने कहा कि हम यह भी जानते हैं कि परिवार नियोजन की जिम्मेदारी अक्सर महिलाओं तक सीमित रह जाती है। लेकिन अब समय आ गया है कि पुरुष भी समान रूप से इस जिम्मेदारी को साझा करें। पुरूष नसबंदी एक सुरक्षित, सरल और प्रभावी उपाय है और इसके प्रति समाज में जो गलत-फहमियां हैं, उन्हें दूर करना हम सबकी जिम्मेदारी है।मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने कहा कि इस समारोह में जिन जिलों और स्वास्थ्य संस्थानों को सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने अपने समर्पण, नवाचार और मेहनत से परिवार नियोजन कार्यक्रम को एक नई दिशा दी है। सभी विजेता प्रतिभागियों को उन्होंने बधाई दी और कहा कि आपकी यह उपलब्धि न केवल आपके जिले के लिए, बल्कि पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है।

इस अभियान की उपलब्धि को हासिल करने में जो संस्थान, चिकित्सक या कमी पीछे रह गए हैं, उन्हें प्रोत्साहित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मैं चाहता हूं कि आप सब अपना पूरा योगदान देकर इस अभियान को सफल बनाने में अपनी भूमिका अदा करें। राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए 8500 हेल्थ टेक्निकल और नॉन टेक्निकल स्वास्थ्यकर्मियों की बहाली की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने रांची सदर अस्पताल के लैब को राज्य का पहला एनएबीएल सर्टिफिकेट मिलने को उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह सर्टिफिकेट राज्य के नोडल पदाधिकारी पदाधिकारी, राज्य परामर्शी क्वाक्रएवं राँची सिविल सर्जन, रांची सदर अस्पताल के उपाधीक्षक एवं सभी कर्मियों के प्रयासों से मिला है।इस अवसर पर भारतीय डाक विभाग, झारखंड परिमंडल और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), झारखंड सरकार के बीच परिवार नियोजन सामग्रियों के परिवहन एवं वितरण हेतु समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

झारखंड महिला कांग्रेस अध्यक्ष की कुर्सी से क्यों हटाई गई गुंजन सिंह

रांची, एजेंसी। गुंजन सिंह की जगह कांग्रेस आलाकमान के द्वारा रमा खलखो को झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया है। इस निर्णय के बाद सवाल उठने लगे हैं। लोग दबी जुबान से कह रहे हैं कि जब 10 नवंबर 2025 को ही महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने गुंजन सिंह और प्रदेश पदाधिकारियों के नाम की घोषणा की थी तो फिर एक महीने बाद ही उनको हटा कर रांची की पूर्व मेयर रहीं रमा खलखो को झारखंड महिला कांग्रेस का नया अध्यक्ष क्यों बनना पड़ा। झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता जगदीश साहू ने यह कहकर सबकुछ साफ कर दिया कि आदिवासी और ईसाई व्यक्ति को भी संगठन में बड़ी जिम्मेवारी देनी थी, इसलिए रमा खलखो को गुंजन सिंह की जगह प्रदेश महिला कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि डॉ। अजय कुमार जब झारखंड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष थे, तब से गुंजन सिंह लगातार महिला कांग्रेस की अध्यक्ष बनी हुई थीं। ऐसे में यह बदलाव स्वाभाविक है। लेकिन जब बदलाव ही करना था तब महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने क्यों 10 अक्टूबर को फिर से गुंजन सिंह को प्रदेश महिला कांग्रेस की बागडोर सौंप दी थी, इस सवाल से जगदीश साहू बचते नजर आये।

झारखंड कांग्रेस के प्रदेश मीडिया प्रभारी और महासचिव राकेश सिन्हा ने गुंजन सिंह को हटाकर रमा खलखो को महिला कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने को सामान्य बात बताते हुए कहा कि गुंजन सिंह के साथ-साथ प्रदेश महिला कांग्रेस की अन्य पदाधिकरियों और जिन 10 जिलाध्यक्षों की नियुक्ति अलका लांबा ने किया था, वह पद पर बनीं रहेंगी या उसमें बदलाव होगा इसका फैसला अब रमा खलखो को लेना है।

इधर, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता सह पूर्व विधायक अमित मंडल ने इसे कांग्रेस का अंदरूनी मामला बताया। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अब कांग्रेस में शुचिता नहीं बची है। रांची की पूर्व में मेयर रह चुकीं और मेयर चुनाव में मतदान के एक दिन पहले रांची की सिटी पैलेस होटल में नोट बांटने के मामले में फंसीं मेयर प्रत्याशी सह रांची नगर निगम की पूर्व मेयर रमा खलखो को जेल तक जाना पड़ा था। शायद उसी घटना का हवाला देकर भाजपा प्रवक्ता कह रहे हैं कि कांग्रेस के लिए अपराध और भ्रष्टाचार मायने नहीं रखता।

देवघर पहुंचे सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश आर महादेवन, बैद्यनाथ धाम में परिवार संग की पूजा

देवघर, एजेंसी। जिले के बाबा मंदिर में आए दिन वीआईपी और खास लोग पूजा करने पहुंचते हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश आर महादेवन भी देवघर पहुंचे हैं। देवघर पहुंचने के बाद जिले के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने उनका स्वागत किया।

जस्टिस आर महादेवन गुरुवार देर शाम को ही देवघर पहुंच गए थे और रात्रि विश्राम के बाद वह सुबह में मंदिर पहुंचे। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश होने के नाते मंदिर में प्रोटोकॉल का भी विशेष ख्याल रखा गया। मंदिर परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कराए गए। जस्टिस आर महादेवन के पूजा करने के दौरान थोड़ी देर के लिए आम लोगों को पूजा करने से रोक दिया गया था।

जस्टिस आर महादेवन के साथ उनकी धर्मपत्नी भी मौजूद रहीं, दोनों ने पहले तीर्थ पुरोहितों के माध्यम से संकल्प किया, फिर उसके बाद भगवान भोलेनाथ के ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक कर पूरे देश और अपने जनों के बेहतर भविष्य की कामना की। पूजा करने के बाद देवघर के उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा और पुलिस अधीक्षक सौरव कुमार ने न्यायाधीश को सम्मान देते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट की।

पूजा के बाद न्यायाधीश महादेवन को सर्किट हाउस में विश्राम के लिए लाया गया। जहां से वह देर शाम तक देवघर से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। जस्टिस महादेवन के आने से पहले ही पुलिस कर्मियों की तैनाती मंदिर परिसर में कर दी गई थी। जिले के सभी पदाधिकारी मंदिर में मौजूद थे, उन्हें न्यायाधीश के आगमन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दे दिया गया था। वहीं बिहार में मतगणना को देखते हुए सुरक्षा को लेकर सर्किट हाउस और एयरपोर्ट पर भी सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे।

गैंगस्टर सुजीत सिन्हा और अनुराग गुप्ता के बीच थे संबंध', बाबूलाल मरांडी का बड़ा आरोप, एनआईए को लिखेंगे पत्र

रांची, एजेंसी। अनुराग गुप्ता भले ही डीजीपी पद से हट गए हों, लेकिन उन पर लगे आरोप थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अनुराग गुप्ता पर आक्रामक रुख अपनाए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर उन्हें सवालों के घेरे में ला खड़ा किया है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने गंभीर आरोप लगाए।

बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन सरकार के दौरान उजागर हुए गैंगस्टरों, अपराधियों और पुलिस प्रशासन के गठजोड़ को लेकर राज्य सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अवैध डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति गिव एंड टेक फार्मूले के आधार पर की गई थी। हेमंत सोरेन को अपने अवैध बालू, कोयला, पत्थर और शराब के काले धन के साम्राज्य को चलाने के लिए अनुराग गुप्ता जैसे दनाम, टेस्टेड और वर्दीवाला गुंडा अपराधी चाहिए था। बिहार के गया में भी अनुराग गुप्ता की एसपी के रूप में ख्याति रही थी, मगध यूनिवर्सिटी में इनका डिग्री घोटाला भी कम नहीं है। उन्होंने कहा कि अनुराग गुप्ता का अवैध तरीके से डीजीपी बनने का रिश्ता काला धंधा और राजनीतिक संरक्षण के समीकरण पर टीका था।

बाबूलाल मरांडी ने अनुराग गुप्ता पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह पूरा मामला भारत माला प्रोजक्ट के वर्चस्व पर लड़ाई और सुजीत सिन्हा की कोयलांचल शांति समिति से जुड़ा है। यह पूरा खेल पेटी टेंडर, स्टोन चिप्स, जमीन दलाली और अन्य अवैध कारोबारों के जरिए एक बड़ा नेटवर्क खड़ा करने की योजना से जुड़ा है।

उन्होंने कहा कि अनुराग गुप्ता ने इस प्रोजेक्ट पर नियंत्रण पाने के लिए सुजीत सिन्हा को चुना था, जिसमें अनुराग गुप्ता की 40% हिस्सेदारी थी। उन्होंने कहा कि अमन साहू का फर्जी एनकाउंटर इसी वर्चस्व की लड़ाई का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि जानकारी मिली है कि सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया सिन्हा की गिरफ्तारी के बाद बड़े रहस्य उजागर हुए हैं। अनुराग गुप्ता और रिया सिन्हा के बीच व्हाट्सएप चैट में अमन साहू के एनकाउंटर के लिए पैसों के लेन-देन और रंगदारी वसूली का पूरा हिसाब किताब दर्ज है।

उन्होंने कहा कि यह जानकारी मिलने के बाद भी मुख्यमंत्री ने अवैध डीजीपी अनुराग गुप्ता को हटाने के लिए कोई पहल नहीं की। इसके बजाय, अवैध कमाई में मुख्यमंत्री का हिस्सा नहीं पहुंचने के कारण हेमंत सोरेन की किचन कैबिनेट में झगड़ा हो गया, जिसके बाद अवैध डीजीपी को हटाने की प्रक्रिया शुरू हुई। सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान ने एक खतरनाक गठजोड़ बना लिया था, जिसे रिया सिन्हा संभाल रही थी। राजधानी रांची में हाल ही में हुई रंगदारी की कॉल इसी गठजोड़ का नतीजा थीं।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि अनुराग गुप्ता दो विभागों के डीजी थे: सीआईडी और एसीबी। सीआईडी में जमीन घोटालों की जांच के लिए एक एसआईटी बनाई गई थी, जिसमें याचिकाएं मंगाई जाती थी और अनुराग गुप्ता इन फाइलों को स्वतः संज्ञान लेकर खोलते थे।

एसएसपी दीपक कुमार इस लूट में दाहिने हाथ की भूमिका में थे। डीएसपी अमर पांडे ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि जांच के नाम पर गुमनाम पिटीशन के जरिए लोगों को खूब लूटा गया। उन्होंने कहा कि वे इन सभी मामलों की जांच के लिए एनआईए को पत्र लिखेंगे और गहन जांच की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री में हिम्मत है तो वे अनुराग गुप्ता के कार्यकाल की उच्चस्तरीय जांच करवाएं।

मार्गशीर्ष माह में क्या दान करना चाहिए?

मार्गशीर्ष माह हिन्दू वर्ष का नौंवा महीना है। इस माह में भगवान श्री कृष्ण के विराट रूप की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस माह में भगवान कृष्ण स्वयं भक्तों का मार्गदर्शन करने के लिए पृथ्वी पर भ्रमण करते हैं। मार्गशीर्ष माह में कृष्ण पूजन के साथ ही दान का भी बहुत महत्व है। इस माह में किया गया दान व्यक्ति को न सिर्फ सुख-समृद्धि प्रदान करता है बल्कि उस पर कृष्ण कृपा भी बरसती रहती है। आइये जानते हैं कि मार्गशीर्ष माह में कौन सी चीजों का दान करना चाहिए।

करें तिल का दान

पितरों को प्रसन्न करने के लिए तिल का उपयोग किया जाता है। वहीं, शनिदेव को भी काले तिल प्रिय हैं। ऐसे में मार्गशीर्ष माह के दौरान अगर आप तिल का दान करते हैं तो इससे शनिदेव की कृपा बनी रहती है। शनि दोष नहीं लगता है। पितृ शांत रहते हैं। इसके अलावा, तिल का दान करने से नकारात्मक ऊर्जा भी घर से दूर रहती है।

मेवा का दान

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, पूजा-पाठ में मेवा का इस्तेमाल शुक्र ग्रह को मजबूत करने के लिए किया जाता है। मेवा पैदा करने वाले पौधों पर शुक्र ग्रह का आधिपत्य होता है। ऐसे में मार्गशीर्ष माह के दौरान मेवे का दान करने से शुक्र की स्थिति कुंडली में शुभता प्रदान करने वाली बनती है और सुख-समृद्धि का घर में वास होता है।

गुड़ का दान

गुड़ का प्रतिनिधित्व सूर्य ग्रह करते हैं। सूर्य को भाग्य का कारक माना जाता है। मान्यता है कि अगर किसी व्यक्ति को सफलता प्राप्ति में बाधा आ रही है या फिर भाग्य उसका साथ नहीं दे रहा है तो ऐसे में सूर्य पूजन करना चाहिए। वहीं, मार्गशीर्ष माह में गुड़ का दान करने से भी सूर्य की कृपा मिलती है एवं सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

मार्गशीर्ष माह में करें मसालों का दान

ज्योतिष शास्त्र में यह बताया गया है कि मसालों का संबंध नव ग्रहों से होता है। रसोई में इस्तेमाल होने वाले हर मसाले पर किसी न किसी ग्रह का आधिपत्य होता है। ऐसे में अगर आप नव ग्रह पूजन करवाने में असमर्थ हैं तो मार्गशीर्ष माह में रसोई में प्रयोग होने वाले खड़े मसालों का दान करें। इससे नव ग्रह शांत होकर कृपा बरसाएंगे।

पंचांग के हिसाब से मार्गशीर्ष माह का आरंभ 16 नवंबर से हो चुका है। शास्त्रों में मार्गशीर्ष माह को भगवान श्रीकृष्ण का सबसे प्रिय महीना माना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण का नाम भी मार्गशीर्ष है। इस माह को अगहन महीना भी कहा जाता है। ऐसा कहा जाता है कि जो व्यक्ति अगहन माह में भगवान श्रीकृष्ण की उपासना विधिवत रूप से पूरी श्रद्धा के साथ करता है। उसकी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है और अमोघ फलों की भी प्राप्ति होती है।

मार्गशीर्ष माह को क्यों कहा जाता है भगवान श्रीकृष्ण का महीना

स्कंदपुराण के अनुसार, ऐसा कहा जाता है कि कामना करने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह महीना सबसे शुभ और महत्वपूर्ण माना जाता है। इतना ही नहीं, इस माह में धार्मिक नियमों का पालन करना बेहद जरूरी माना जाता है। इस माह में किए गए व्रत और पूजा-पाठ से भगवान श्रीकृष्ण की कृपा बनी रहती है। अब ऐसे में सवाल है, कि मार्गषीर्ष माह को ही क्यों भगवान श्रीकृष्ण का महीना कहा जाता है।

हिंदू धर्म में मार्गशीर्ष माह को भगवान श्रीकृष्ण का महीना कहा जाता है। क्योंकि स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने गीता के दसवें अध्याय में कहा है कि मासानां मार्गशीर्षोअहम जिसका मतलब है कि साल के सभी महीनों में मैं मार्गशीर्ष हूं। शास्त्रों के अनुसार, ऐसा कहा गया है कि मार्गशीर्ष माह का संबंध मृगशिरा नक्षत्र से है। वहीं ज्योतिष शास्त्र में कुल 27 नक्षत्रों में मृगशिरा नक्षत्र को महत्वपूर्ण माना गया है। पुराण के अनुसार, कहते हैं कि मार्गशीर्ष माह का महत्व भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों को बताया था। उन्होंने कहा कि मार्गशीर्ष माह में जो जातक यमुना स्नान करेगा और तुलसी की पूजा करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती है। साथ ही सौभाग्य में भी वृद्धि होती है। इस बात का ध्यान विशेष रूप से रखें कि स्नान के दौरान ऊं नमो नारायणाय मंत्र का जाप अवश्य करें।

मार्गशीर्ष माह का धार्मिक महत्व

मार्गशीर्ष माह में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने का भी विशेष महत्व है। इस दौरान सभी शुभ कार्य जैसे कि मुंडन संस्कार, विवाह और अन्नप्राशन किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि मार्गशीर्ष माह में विधिवत रूप से तुलसी की पूजा के साथ-साथ सूर्यदेव की उपासना भी करनी चाहिए। इससे व्यक्ति को सभी परेशानियों से छुटकारा मिल जाता है और उत्तम परिणाम भी मिलते हैं। साथ ही अक्षय फलों की भी प्राप्ति होती है।

अगहन महीना शुरू हो गया। इस महीने में सुख-समृद्धि के लिए शंख और लक्ष्मी जी की पूजा करने की परंपरा है। साथ ही सूर्य को जल चढ़ाना चाहिए। इससे हर तरह के दोषों से मुक्ति भी मिलती है। इस महीने किए गए स्नान-दान, व्रत और पूजा-पाठ से अक्षय पुण्य मिलता है।

श्रीकृष्ण का प्रिय महीना होने से अगहन मास में यमुना नदी में नहाने का विधान ग्रंथों में बताया है। इससे हर तरह के दोष खत्म हो जाते हैं। इस महीने के आखिरी दिन यानी पूर्णिमा पर चंद्रमा मृगशिरा नक्षत्र में रहता है। इसलिए इसे मार्गशीर्ष कहा गया है।

अगहन मास की दोनों एकादशी खास

अगहन महीने के कृष्ण पक्ष की ग्यारहवीं तिथि को उत्पन्ना एकादशी कहते हैं। पौराणिक कथा के मुताबिक इस तिथि पर भगवान विष्णु से एकादशी प्रकट हुई थी। इसलिए इसे उत्पन्ना कहते हैं। वहीं, शुक्ल पक्ष की एकादशी को मोक्ष देने वाली होती है। पुराणों के मुताबिक इस तिथि पर भगवान कृष्ण ने अर्जुन को गीता सुनाई थी। इसलिए गीता जयंती इसी तिथि पर मनाते हैं।

इस महीने में श्रीकृष्ण और शंख पूजा करने का विधान

सुख-समृद्धि के लिए शंख और लक्ष्मी पूजा

इस महीने में शंख पूजा करने की परंपरा है। अगहन मास में किसी भी शंख को श्रीकृष्ण का पांचजन्य शंख मानकर उसकी पूजा की जाती है। इससे कृष्ण प्रसन्न होते हैं। साथ ही इस महीने देवी लक्ष्मी की भी पूजा करनी चाहिए। शंख को देवी लक्ष्मी का भाई माना जाता है। इसी कारण लक्ष्मी पूजा में शंख को भी खासतौर से रखते हैं। लक्ष्मी जी और शंख पूजा करने से सुख-समृद्धि बढ़ती है। इस महीने हर दिन श्रीकृष्ण की बाल स्वरूप में पूजा करना चाहिए।

सूर्यदेव की पूजा का विशेष महत्व

अगहन महीने में भगवान सूर्य की पूजा का भी विशेष फल है। ग्रंथों में बताया गया है कि इस महीने में रविवार को उगते हुए सूरज को जल चढ़ाने से हर तरह के दोष और पाप खत्म हो जाते हैं। अगहन महीने में रविवार को बिना नमक का व्रत करना चाहिए। ऐसा करने से कुंडली में ग्रह-नक्षत्रों के अशुभ फल में कमी आती है।

मार्गशीर्ष माह में श्री कृष्ण को क्या भोग लगाएं?

मार्गशीर्ष का महीना शुरू हो चुका है। मार्गशीर्ष माह में भगवान कृष्ण की पूजा का विधान है। ऐसा माना जाता है कि भगवान कृष्ण इस माह में स्वयं अपने भक्तों का मार्गदर्शन करने आते हैं इसी कारण से इसका नाम मार्गशीर्ष पड़ा। जहां एक ओर मार्गशीर्ष माह में कृष्ण भगवान के विराट रूप की आराधना की जाती है तो वहीं, दूसरी ओर इस माह में श्री कृष्ण को विशेष भोग भी लगाया जाता है।

मार्गशीर्ष माह में श्री कृष्ण को क्या भोग लगाना चाहिए?

- मार्गशीर्ष माह में ठंड पड़नी शुरू हो जाती है यानी कि शीत ऋतु का आगमन होता है। इस दौरान कई नए व्यंजन या सब्जियां आती हैं जिनका भोग श्री कृष्ण को लगाना चाहिए।
- मार्गशीर्ष माह में गाजर आनी शुरू हो जाती है। ऐसे में इस माह में श्री कृष्ण को मीठे में गाजर के हलवे का भोग लगाना चाहिए। इससे पारिवारिक रिश्तों में भी मिठास बनी रहती है।
- इसके अलावा, मार्गशीर्ष माह में श्री कृष्ण को बैगन के भरते या भाजे का भोग भी लगा सकते हैं। वहीं, हरी सब्जियां जैसे कि पालक, मेथी, बथुआ आदि का भोग भी लगाया जा सकता है।
- मार्गशीर्ष माह में श्री कृष्ण को ड्राई फ्रूट्स का भोग भी लगा सकते हैं। अगर आप श्री कृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा करते हैं तो किसी बालक की तरह ही उन्हें भी सर्दी में गर्म मेवा खिलाएं।
- सर्दी में गोंद और तिल-गुड़ के लड्डू भी बहुत बनाये जाते हैं। ऐसे में आप इन दोनों लड्डुओं का भोग भी भगवान श्री कृष्ण को लगा सकते हैं। लड्डू तो वैसे भी श्री कृष्ण के प्रिय माने जाते हैं।
- इन सबके अलावा कुछ मिठाइयां भी विशेष रूप से सर्दियों में या फिर यूं कहें कि ब्रज में मिलती हैं जैसे कि मोहन थार, मालपुआ आदि। इनका भोग भी आप श्री कृष्ण को लगा सकते हैं।

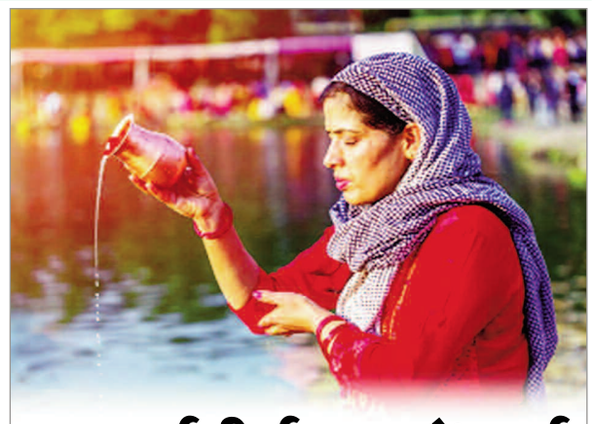

मार्गशीर्ष माह में सूर्य को अर्घ्य देते समय जल में मिलाएं ये चीजें, धन-धान्य से भरा रहेगा घर

ज्योतिष शास्त्र में हर हिन्दू माह के अनुसार सूर्य को जल चढ़ाने की विधि एवं सूर्य को कैसा जल अर्पित करना चाहिए, इसके बारे में बताया गया है। ठीक ऐसे ही मार्गशीर्ष माह में सूर्य को चढ़ाए जाने वाले जल में क्या मिलाकर अर्घ्य देना चाहिए, इसकी जानकारी भी दी गई है।

मार्गशीर्ष माह में सूर्य को अर्घ्य देने का बहुत महत्व माना जाता है। यूं तो किसी भी माह में सूर्य को रोजाना अर्घ्य देने से सूर्य देव की कृपा प्राप्त होती है लेकिन मार्गशीर्ष माह में सूर्य को अर्घ्य देने से न सिर्फ कुंडली में सूर्य मजबूत होता है और भाग्य का साथ मिलता है बल्कि भगवान श्री कृष्ण का भरपूर आशीर्वाद भी मिलता है। ज्योतिष शास्त्र में हर हिन्दू माह के अनुसार सूर्य को जल चढ़ाने की विधि एवं सूर्य को कैसा जल अर्पित करना चाहिए, इसके बारे में बताया गया है। ठीक ऐसे ही मार्गशीर्ष माह में सूर्य को चढ़ाए जाने वाले जल में क्या मिलाकर अर्घ्य देना चाहिए।

मार्गशीर्ष माह में जल में तिल मिलाकर सूर्य को चढ़ाएं

तिल का संबंध पितरों से माना गया है। वहीं, इसका नाता शनिदेव से भी है। जहां एक ओर तिल का किसी भी प्रकार से पूजा-पाठ के दौरान उपयोग करने से पितृ प्रसन्न हो जाते हैं और उन्हें शांति मिलती है। वहीं, दूसरी ओर तिल का पूजा-पाठ में प्रयोग शनिदेव के क्रोध को भी शांत करता है। ऐसे में मार्गशीर्ष माह में सूर्य को जल में तिल मिलाकर अर्घ्य देने से शनि दोष नहीं लगता है और शनि ग्रह की कुंडली में स्थिति मजबूत होती है।

मार्गशीर्ष माह में जल में लाल चंदन मिलाकर सूर्य को चढ़ाएं

लाल चंदन का प्रतिनिधित्व मंगल ग्रह करता है। मंगल को शुभता का कारक माना जाता है। वहीं, जब मंगल और सूर्य का साथ में योग बनता है तब व्यक्ति को सौभाग्य की प्राप्ति होती है और मांगलिक कार्यों में सफलता मिलनी शुरू हो जाती है। पारिवारिक एवं पेशेवर तौर पर दोनों रूपों से आपके काम बनने लग जाते हैं। ऐसे में मार्गशीर्ष के महीने में मंगल और सूर्य को साथ में मजबूत करने के लिए लाल चंदन जल में मिलाकर अर्घ्य दें।

मार्गशीर्ष माह में जल में कपूर मिलाकर सूर्य को चढ़ाएं

कपूर को नकारात्मकता दूर करने वाला बताया गया है। ऐसा माना जाता है कि कपूर से जुड़ा कोई भी उपाय करने से जीवन और घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है। वहीं, अगर सूर्य को अर्घ्य देने वाले जल में कपूर मिलाया जाए तो इससे सूर्य दोष दूर होता है। नौकरी, व्यापार, करियर, शिक्षा आदि क्षेत्रों में आ रही बाधाएं नष्ट हो जाती है और सकारात्मक रूप से सफलता मिलनी शुरू हो जाती है। तरक्की के मार्ग खुलने लगते हैं।

मार्गशीर्ष माह में जरूर करें इन मंत्रों का जाप, भगवान श्रीकृष्ण की बनी रहेगी कृपा

मार्गशीर्ष माह को सबसे महत्वपूर्ण महीना माना गया है। इस माह में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना करने का विधान है। अब ऐसे में इनकी पूजा में किन मंत्रों का जाप करने से शुभ परिणाम मिलते हैं। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

हिंदू धर्म में मार्गशीर्ष माह को शुभ फलदायी माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि इस माह में भगवान श्रीकृष्ण की उपासना करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है और धन-धान्य में भी वृद्धि होती है। इतना ही नहीं, इस माह में तुलसी की पूजा करने का भी विधान है। ऐसी मान्यता है कि अगर किसी जातक के जीवन में किसी तरह की कोई परेशानी आ रही है, तो मार्गशीर्ष माह में भगवान श्रीकृष्ण के साथ-साथ माता तुलसी की पूजा करने से भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है। अब ऐसे में इस माह में कुछ ऐसे शक्तिशाली मंत्र हैं, जिनका जाप करने मात्र से ही व्यक्ति की सभी परेशानियां दूर हो सकती है।

ऐश्वर्य और सुखों के लिए करें मंत्र जाप

ऐश्वर्य और भौतिक सुखों की प्राप्ति के लिए मार्गशीर्ष माह में गजेन्द्रमोक्ष का 21 बार जाप करें। ऐसी मान्यता है कि इस गजेंद्रमोक्ष का जाप करने से व्यक्ति को सभी बाधाओं से भी छुटकारा मिलता है और भौतिक सुखों की भी प्राप्ति होती है। इतना ही नहीं, गजेंद्रमोक्ष का पाठ करने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और कर्ज से भी छुटकारा मिल जाता है।

मोक्ष प्राप्ति के लिए करें मंत्र जाप

मार्गशीर्ष माह में मोक्ष प्राप्ति के लिए भगवान विष्णु के शक्तिशाली मंत्र का 51 बार जाप करें। ऐसा कहा जाता है कि इस मंत्र का जाप करने से व्यक्ति को मृत्यु के बाद मोक्ष मिल सकता है।

ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय

मानसिक शांति के लिए करें मंत्र जाप

आजकल के टेंशन भरे जीवन में व्यक्ति मानसिक शांति और सुकून चाहता है। इसलिए इस दौरान मंत्रों का जाप करने से व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं। इसलिए मार्गशीर्ष माह में भगवान श्रीकृष्ण के इस मंत्र का 11 बार जाप करें। इससे व्यक्ति को लाभ हो सकता है।

ऊँ क्लीं कृष्णाय नमः

मनोकामनाएं पूर्ति के लिए मंत्र जाप

अगर आपकी कोई मनोकामना है, जिसे आप सिद्ध करना चाहते हैं, तो भगवान श्रीकृष्ण की उपासना करें और इस मंत्र का 18 बार जाप करें। इससे शुभ परिणाम मिल सकते हैं।

ऊँ दामोदराय नम :

मनचाहा वर पाने के लिए मंत्र जाप

अगर आप अविवाहित हैं, तो मनचाहा वर पाना चाहते हैं, तो मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन राधा रानी के इस मंत्र का जाप करने से सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है।

जय मां बिंदवासिनी

मालिक ने खरीदे और 44 लाख शेयर, बढ़ाया कंपनी में हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। एसबीआई लाइफ के सपोर्ट वाली नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी पैसालो डिजिटल में इसके मालिक (प्रमोटर) ने और हिस्सा बढ़ाया है। मालिक ने पैसालो डिजिटल के और शेयर खरीदे हैं। पैसालो डिजिटल के प्रमोटर ग्रुप का हिस्सा इक्विलब्रेटेड वेंचर सीफ्लो प्राइवेट लिमिटेड ने कंपनी में अतिरिक्त शेयर खरीदने की बात डिसक्लोज की है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि उसने ओपन मार्केट ट्राजैक्शंस के जरिए पैसालो डिजिटल लिमिटेड के 43 लाख से ज्यादा इक्विटी शेयर खरीदे हैं। पैसालो डिजिटल के शेयर शुक्रवार को बीएसई में 33.25 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक, मालिक (प्रमोटर) ने पैसालो डिजिटल के 43.94 लाख शेयर और खरीदे हैं। प्रमोटर के पास अब कंपनी के 18.57 करोड़ शेयर हो गए हैं। पहले, प्रमोटर के पास कंपनी के 18.13 करोड़ शेयर थे। 43.94 लाख शेयर कंपनी में 0.48 पर्सेंट हिस्सेदारी के बराबर है। अतिरिक्त शेयर खरीदने के बाद इक्विलब्रेटेड वेंचर सीफ्लो प्राइवेट लिमिटेड की पैसालो डिजिटल में 20.42 पर्सेंट हिस्सेदारी हो गई है। पैसालो डिजिटल की टोटल इक्विटी शेयर कैपिटल 90 करोड़ रुपये की है। इक्विलब्रेटेड वेंचर सीफ्लो प्राइवेट लिमिटेड ने इससे पहले सितंबर के मध्य में कंपनी में 0.49 पर्सेंट हिस्सेदारी खरीदी थी। सितंबर 2025 तिमाही के शेयरहोल्डिंग डेटा के मुताबिक, प्रमोटर्स की पैसालो डिजिटल में 41.2 पर्सेंट हिस्सेदारी है। वहीं, विदेशी संस्थागत निवेशकों की कंपनी में 20.9 पर्सेंट हिस्सेदारी है। पैसालो डिजिटल में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड का बड़ा दांव है। एसबीआई लाइफ के पास पैसालो डिजिटल के 6,21,14,267 शेयर हैं। कंपनी में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस की हिस्सेदारी 6.83 पर्सेंट है। पैसालो डिजिटल अपने शेयरधारकों को 2 बार बोनस शेयर का तोहफा दे चुकी है। कंपनी ने मई 2010 में अपने निवेशकों को 3 :1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 3 बोनस शेयर बांटे। कंपनी ने मार्च 2024 में 1 :1 के अनुपात में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटा।

अनिल अंबानी ने ईडी के सामने वर्चुअली पेश होने की पेशकश की

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी ने शुक्रवार को फेमा के तहत जारी समन के बाद प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष आभासी तरीके से (वर्चुअली) पेश होने की पेशकश की है। 66 वर्षीय व्यवसायी अनिल अंबानी के प्रवक्ता की ओर से जारी एक बयान में यह बात कही गई है। अनिल अंबानी ने जांच एजेंसी को पत्र लिखकर विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत की जा रही जांच में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। सूत्रों के अनुसार, एजेंसी ने अंबानी को शुक्रवार को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर फेमा के तहत अपना बयान दर्ज कराने को कहा था। यह जांच जयपुर-रींगस राजमार्ग परियोजना से संबंधित है। ईडी को संदेह है कि हवाला के जरिए लगभग 100 करोड़ रुपये की धनराशि विदेश भेजी गई। ईडी ने कुछ कथित हवाला डीलरों सहित विभिन्न व्यक्तियों के बयान दर्ज किए हैं, जिसके बाद उन्होंने अंबानी को तलब करने का फैसला किया है। हवाला से तात्पर्य धन के अवैध आवागमन से है, जो मुख्यत : नकदी में होता है। व्यवसायी से ईडी द्वारा एक बार मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ की जा चुकी है। यह उनके समूह की कंपनियों के खिलाफ कथित तौर पर 17,000 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी से जुड़ा है। बयान में कहा गया है, यह मामला (फेमा मामला) 15 वर्ष पुराना है, 2010 का है और एक सड़क की ठेकेदारी से जुड़ा हुआ है। 2010 में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को जेआर टोल रोड (जयपुर-रींगस राजमार्ग) के निर्माण के लिए ईपीसी अनुबंध दिया गया था।

देश में बढ़ती खपत का असर, भारत ने 2024-25 में आयात किए 1.6 करोड़ टन खाद्य तेल

भारत के खाद्य तेल की खपत में लगातार हो रही वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी
खाद्य तेलों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए भारत ने 2024-25 विपणन वर्ष (अक्तूबर तक) में 1.6 करोड़ टन खाद्य तेलों का आयात किया, जिसकी कुल लागत 1.61 लाख करोड़ रुपये रही। यह जानकारी उद्योग संस्था सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) की ओर गुरुवार को जारी किए गए आंकड़ों से सामने आई है।

वहीं, 2023-24 विपणन वर्ष (नवंबर-अक्तूबर) में भारत का खाद्य तेल आयात 15.96 मिलियन टन था, जिसकी कुल कीमत 1.32 लाख करोड़ रुपये रही। इस वृद्धि से साफ है कि भारत में खाद्य तेल की खपत में लगातार वृद्धि हो रही है, जो आयात पर निर्भरता को बढ़ा रही है। वैश्विक स्तर पर ऊंची कीमतों के कारण मूल्य के संदर्भ में खाद्य तेल के आयात में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारत पाम तेल इंडोनेशिया और मलेशिया से आयात करता है, जबकि सोयाबीन तेल अर्जेंटीना और ब्राजील से आयात करता है। एसोसिएशन ने कहा कि आपूर्ति और मांग के बीच के अंतर को पाटने के लिए भारत 1990 के दशक से आयात का सहारा ले रहा है। शुरुआती दौर में आयात की मात्रा बहुत कम थी। हालांकि, पिछले 20 वर्षों (2004-05 से 2024-25) में आयात की मात्रा 2.2 गुना बढ़ गई है। वहीं आयात की लागत लगभग 15 गुना बढ़ गई है।

एक ही दिन में अरबपतियों के 60 अरब डॉलर स्वाहा

एक ही दिन में मस्क की संपत्ति में 20.5 बिलियन की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी।
एलन मस्क समेत दुनिया के टॉप-10 अरबपतियों को एक ही दिन में भारी गिरावट का सामना करना पड़ा है, जिससे टेक सेक्टर की अस्थिरता और टेस्ला के कमजोर प्रदर्शन की चिंताएं गहरा गई हैं?। टॉप- 10 अरबपतियों में मार्क जुकरबर्ग एकमात्र बड़े टेक लीडर हैं , जिन्होंने इस दिन लाभ कमाया, वह भी महज 335 मिलियन डॉलर का।

ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक गुरुवार को एक ही दिन में एलन मस्क की संपत्ति में 20.5 बिलियन की गिरावट आई, जो इसी साल की सबसे बड़ी वन-डे डिक्लाइन मानी जा रही है?। ओरेकल के लैरी एलिसन को 10.8 अरब डॉलर का झटका लगा है। अब उनकी कुल संपत्ति 275 अरब डॉलर पर सिमट गई है। अमेजन के जेफ बेजोस ने 5.77 अरब गंवाए हैं। दुनिया के तीसरे नंबर के इस इस अरबपति का नेटवर्थ 259 अरब डॉलर रह गया है।

दौलत गंवाने वालों में लैरी पेज भी हैं। इनकी कुल संपत्ति 242 अरब डॉलर है। इन्हें 6.36 अरब डॉलर का झटका लगा है। सर्गेई ब्रिन को 5.89 अरब डॉलर की चपत लगी है। इनके पास अब 226 अरब डॉलर का नेटवर्थ है। बर्नार्ड अर्नाल्ट को 2.04 अरब डॉलर की चोट पहुंची है। इनकी कुल संपत्ति अब 202 अरब डॉलर है।

स्टीव बाल्मर ने 2.51 अरब डॉलर गंवाए हैं। इनका नेटवर्थ अब 173 अरब डॉलर रह गया है। जेनसेन हुआंग 5.89 अरब डॉलर गंवाए हैं और इनका नेटवर्थ 162 अरब डॉलर रह गया है। इस गिरावट के पीछे मुख्य तौर पर टेस्ला समेत अन्य टेक कंपनियों के शेयरों में बड़ी बिकवाली को वजह बताया जा रहा है, जिससे इन अरबपतियों की कुल संपत्ति में रिकॉर्ड गिरावट आई है?।

टेक शेयरों में गिरावट की वजह से माइकल डेल को भी 5.11 अरब डॉलर की चपत लगी। इसका असर ये हुआ कि डेल ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स की टॉप-10 लिस्ट से बाहर हो गए। वहीं, गुरुवार को वॉरेन बफे की दौलत में 2.56 अरब डॉलर का इजाफा हुआ और वह टॉप-10 में पहुंच गए। बफे की कुल संपत्ति अब 154 अरब डॉलर है और माइकल डेल की 150 अरब डॉलर।

मस्क 500 अरब डॉलर के लक्ष्य से हो रहे दूरब्र एलन मस्क की दौलत 430 अरब डॉलर से गिर गई है, जबकि सिर्फ गुरुवार के कारोबारी दिन में उन्होंने 20.5 बिलियन खो दिए?। टेस्ला के कमजोर बिक्री आंकड़े, अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में डिमांड में गिरावट और राजनीतिक विवादों की वजह से उनके ?शेयर में काफी गिरावट आई?।

आंध्र प्रदेश में होगा 3.65 लाख करोड़ का निवेश

अदाणी समूह ने किया एलान

नई दिल्ली, एजेंसी
आंध्र प्रदेश सरकार ने कई कंपनियों के साथ 35 निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इनसे 3.65 लाख करोड़ रुपये का निवेश और करीब 1.26 लाख नौकरियों के सृजन की संभावना खुली है। ये सौदे 14 और 15 नवंबर को बंदरगाह शहर विशाखापत्तनम में होने वाले 30वें सीआईआई भागीदारी शिखर सम्मेलन से पहले अंतिम रूप दिए गए। सरकार का कहना है कि नई परियोजनाएं राज्य में औद्योगिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों को और गति देंगी। दो दिवसीय साझेदारी शिखर सम्मेलन के दौरान आंध्र प्रदेश का लक्ष्य 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करना है।

सीएम नायडू ने यूरोपीय देशों को राज्य में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को 15 बैठकों में भाग लिया और कहा कि वह आंध्र प्रदेश को निवेश आकर्षित करने वाला नंबर एक राज्य बनाने का प्रयास करेंगे। भारत-यूरोप गोलमेज बैठक को संबोधित करते हुए नायडू ने यूरोपीय देशों और व्यापारियों को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने इतालवी कंपनियों को कृषि-मशीनरी, नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में साझेदारी की संभावनाएं तलाशने के लिए आमंत्रित किया व दीर्घकालिक व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के लिए आंध्र प्रदेश में एक इतालवी औद्योगिक क्लस्टर विकसित करने की संभावना पर भी विचार-विमर्श किया। इसी प्रकार, नायडू ने ताइवान के राजदूत से आंध्र प्रदेश में ताइवान की कंपनियों से निवेश की सुविधा प्रदान करने का अनुरोध किया। शीर्ष निवेश प्रतिबद्धताओं में एबीसी क्लीनटेक और एक्सिस एनर्जी वेंचर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 1.1 लाख करोड़ रुपये, हरित ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने के लिए रिन्यू एनर्जी ग्लोबल पीएलसी द्वारा 60,000 करोड़ रुपये, ईजौल इंडिया जेवी और अन्य द्वारा 18,000 करोड़ रुपये शामिल हैं। एक्सिस एनर्जी वेंचर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री मुरली के अनुसार, 1.1 लाख करोड़ रुपये के निवेश से 13,500 नौकरियां पैदा होंगी, इसके बाद ताइवान के एलीजेंस ग्रुप (50,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां) और अन्य का स्थान होगा।

आंध्र में हरित ऊर्जा क्षेत्र में अपार संभावनाएं

मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आंध्र प्रदेश में हरित ऊर्जा क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और राज्य की ऊर्जा नीति मजबूत परिणाम दे रही है, जिससे इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित हो रहा है। उन्होंने कहा कि 1,000 किलोमीटर लंबी तटरेखा के साथ, आंध्र प्रदेश अपने बंदरगाहों, सड़क और रेल नेटवर्क के माध्यम से भारत का लॉजिस्टिक्स केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। इस बीच अदाणी समूह अगले दशक में आंध्र प्रदेश में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करने वाली है। करण अदाणी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आंध्र प्रदेश निवेशक शिखर सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि निवेश बंदरगाहों, सीमेंट, डेटा केंद्रों, ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण में होगा। यह पहले से निवेशित 40,000 करोड़ रुपये से अतिरिक्त है। करण अदाणी ने इस दौरान ग्रुप के 15 अरब डॉलर के विजाग टेक पार्क विजन का भी अनावरण किया। इस प्रोजेक्ट के तहत गूगल के साथ साझेदारी में दुनिया के सबसे बड़े ग्रीन-पावर्ड हाइपरस्केल डेटा सेंटर इकोसिस्टम में से एक विकसित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश में समूह की मौजूदा परियोजनाओं से अब तक एक लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा हो चुकी हैं।

सिद्धू का भारत दौरा रहा अहम

भारत-कनाडा ने आर्थिक सहयोग को देंगे दिशा

● *महत्वपूर्ण खनिजों व स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी पर जोर*

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत और कनाडा ने द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों पक्षों ने व्यापार और निवेश (एमडीटीआई) पर 7वीं मंत्रिस्तरीय वार्ता आयोजित की। बैठक में भारत के वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के निर्यात संवर्धन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास मंत्री मनिंदर सिद्धू शामिल हुए।

सिद्धू का 11-14 नवंबर का भारत दौरा दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के उन निर्देशों के अनुरूप रहा, जिनमें हाल ही में जी-7 शिखर सम्मलेन के दौरान हुई मुलाकात में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी थी। यह संवाद 13 अक्तूबर को दोनों देशों के विदेश मंत्रियों द्वारा जारी संयुक्त बयान पर भी आधारित रहा। इसमें भारत-कनाडा आर्थिक संबंधों की नींव के रूप में व्यापार को रेखांकित किया गया था। मंत्रियों ने गहन सहयोग के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इनमें प्रमुख थे महत्वपूर्ण खनिजों और स्वच्छ ऊर्जा में दीर्घकालिक साझेदारी, जो ऊर्जा परिवर्तन और अगली पीढ़ी के औद्योगिक विकास के लिए जरूरी है। एयरोस्पेस व दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकियों में सहयोग को बढ़ावा देना, जिससे भारत में कनाडा के स्थापित परिचालनों और भारत के विमानन बाजार के तीव्र विस्तार का लाभउठाया जा सके।

2024 में भारत-कनाडा के बीच हुआ 23.66 अरब डॉलर का व्यापार

बैठक में दोनों मंत्रियों ने तेजी से बढ़ते द्विपक्षीय व्यापार पर संतोष जताया। 2024 में भारत-कनाडा कुल व्यापार 23.66 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें 8.98 अरब डॉलर का माल व्यापार शामिल है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। दोनों पक्षों ने निवेश, सप्लाई चेन और रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।उन्होंने दोतरफा निवेश में लगातार वृद्धि का भी उल्लेख किया, जो भारत में कनाडा के महत्वपूर्ण संस्थागत निवेश व कनाडा में भारतीय कंपनियों की बढ़ती उपस्थिति से उजागर हुआ। इससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं में हजारों नौकरियां पैदा हुई हैं।

अमेरिका-ईयू सहित अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत जारी, बोले उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी भारत की अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू और चिली जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2025 में यह जानकारी दी। आंध्र मंडपम को भारत मंडपम के तर्ज पर बनाया जाएगा गोयल ने यह भी कहा कि इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन (आईटीपीओ) राज्य सरकार के साथ मिलकर एक विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर विकसित करने को तैयार है। प्रस्तावित आंध्र मंडपम को नई दिल्ली के भारत मंडपम की तर्ज पर बनाया जाएगा। मंत्री ने कहा कि वैश्विक स्तर पर व्यापार बाधाओं को कम करने से वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी के मुक्त प्रवाह को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। भारत पहले ही यूएई, ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते लागू कर चुका है। गोयल ने कहा कि कारोबार में आसानी को बढ़ावा देने के लिए केंद्र ने 42,000 अनुपालनों को हटा दिया है।

सोने-चांदी के भाव में भारी गिरावट, 1126 रुपये गोल्ड और 2074 रुपये सस्ती हुई चांदी

नई दिल्ली, एजेंसी। आज 24 कैरेट सोने का भाव 1126 रुपये सस्ता होकर 125428 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। अब जीएसटी समेत 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 1129190 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। जबकि, चांदी जीएसटी समेत 165475 रुपये प्रति किलो पर है। आज यह बिना जीएसटी 2074 रुपये टूटकर 160656 रुपये प्रति किलो के रेट से खुली। गुरुवार को चांदी बिना जीएसटी 162730 रुपये प्रति किलो और सोना बिना जीएसटी 126554 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अब सोना 17 अक्टूबर के ऑल टाइम हाई से 5446 रुपये ही सस्ता रह गया है। जबकि, चांदी के भाव 14 अक्टूबर के ऑल टाइम हाई से 17444 रुपये गिर चुके हैं। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास। आज 23 कैरेट गोल्ड भी 1121 रुपये सस्ता होकर 124926 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 128673 रुपये हो गई है। अभी इसमें मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 1031 रुपये टूट कर 114892 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। जीएसटी संग यह 118338 रुपये है। 18 कैरेट गोल्ड 845 रुपये की गिरावट के साथ 94071 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है और जीएसटी के साथ इसकी कीमत 96893 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। 14 कैरेट गोल्ड का रेट भी 659 रुपये गिरा है। आज यह 73375 रुपये पर खुला और जीएसटी समेत यह 75576 रुपये पर है।

छोटी सी रियल एस्टेट कंपनी के शेयर ने भरी उड़ान

नए कॉमर्शियल प्रोजेक्ट ने फूंकी जान

नई दिल्ली, एजेंसी।
छोटी कंपनी वाला रियल्टी स्टॉक सूरज एस्टेट डेवलपर्स के शेयर में शुक्रवार, 14 नवंबर को बीएसई पर व्यापार के दौरान लगभग 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। ऐसा कंपनी द्वारा अपने नए कॉमर्शियल प्रोजेक्ट वन बिजनेस बे की घोषणा के बाद हुआ। सूरज एस्टेट का शेयर मूल्य पिछले बंद भाव ?278.60 के मुकाबले ?288 पर खुला और 5.7 प्रतिशत की छलांग लगाकर ?294.60 के दिन के उच्चस्तर पर पहुंच गया। दोपहर लगभग 1:05 बजे तक, यह शेयर 5.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ ?293.90 पर कारोबार कर रहा था।

सूरज एस्टेट डेवलपर्स ने 13 नवंबर को अपने नए प्रतिष्ठित कॉमर्शियल प्रोजेक्ट वन बिजनेस बे की शुरुआत की घोषणा की। इस प्रोजेक्ट का कालीन क्षेत्र 2.09 लाख वर्ग फुट है और इसके कुल विकास मूल्य (जीडीवी) का अनुमान ?1,200 करोड़ लगाया गया है। यह कंपनी की विकास योजनाओं में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रोजेक्ट का स्थान और डिजाइन

यह प्रोजेक्ट सेनापति बापत मार्ग, मुंबई में स्थित है, जो पश्चिमी और मध्य रेलवे नेटवर्क के माध्यम से मुंबई के प्रमुख व्यावसायिक जिलों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। कंपनी ने बताया कि इस प्रोजेक्ट को प्रसिद्ध आर्किटेक्ट हफीज कॉन्ट्रैक्टर द्वारा डिजाइन किया गया है।एसेट क्लासेस में मूल्य सृजन के प्रति हमारी स्थिर विकास गति और प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

प्रोजेक्ट की विशेषताएं

इसे एक संपूर्ण इकोसिस्टम के रूप में डिजाइन किया गया है, जिसमें 182 प्रीमियम व्यावसायिक कार्यालय इकाइयों के साथ-साथ प्रीमियम रिटेल स्पेस, रेस्तरां, कैफे और कर्मचारियों के सामाजिकरण और मनोरंजन के लिए एक समर्पित डबल-ऊंचाई वाला ई-डेक ब्रेकआउट जोन भी शामिल होगा।

कंपनी के डायरेक्टर ने क्या कहा

सूरज एस्टेट डेवलपर्स के होल-टाइम डायरेक्टर राहुल थॉमस ने कहा, वन बिजनेस बे साउथ सेंट्रल मुंबई में सूरज एस्टेट की कॉमर्शियल मौजूदगी को मजबूत करने की हमारी रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है। ?1,200 करोड़ के जीडीवी के साथ, हम स्थान की कनेक्टिविटी के लाभों, प्रोजेक्ट की डिजाइन उत्कृष्टता और इसकी टिकाऊ दृष्टिकोण के कारण संस्थागत और अंतिम उपयोगकर्ताओं की मजबूत रुचि की उम्मीद करते हैं। उन्होंने आगे कहा, इस लॉन्च के साथ, हमने इस वित्तीय वर्ष में लगभग ?1,600 करोड़ के संचयी जीडीवी वाले प्रोजेक्ट लॉन्च कर दिए हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम को आईसीसी ने सुनाई सजा

● कप्तान बनते ही शाहीन अफरीदी को झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का 11 नवंबर 2025 से आगाज हुआ था। पहला मैच पाकिस्तान ने 6 रन से जीता था और सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली थी। लेकिन उसके बाद इस्लामाबाद में हुए ब्लास्ट से इस

सीरीज पर रद्द होने का खतरा मंडराया लेकिन अंत में इसका शेड्यूल बदलते हुए बात बनी। मगर अब पाकिस्तान क्रिकेट टीम को एक और बड़ा झटका लगा है, 14 नवंबर शुक्रवार को दूसरे वनडे से पहले टीम को आईसीसी ने सजा सुना दी है।

आपको बता दें कि रावलपिंडी में मंगलवार को खेले गए पहले वनडे मैच में शाहीन अफरीदी की कप्तानी वाली पाकिस्तान की टीम को स्लो ओवर रेट का दोषी पाया गया है। इस आरोप के सिद्ध होने के बाद आईसीसी ने सजा सुनाई और पूरी टीम के ऊपर 20 प्रतिशत मैच फीस कटने का जुर्माना लगाया। आईसीसी पैनल के मैच रेफरी अली नकवी ने इस आरोप को लगाया और शाहीन अफरीदी की कप्तानी वाली टीम को तय समय से चार ओवर पीछे पाया था। आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत पाकिस्तान की टीम को इस आरोप में दोषी पाया गया। इसके तहत पूरी टीम को मैच फीस के पांच प्रतिशत प्रति ओवर कटने की सजा सुनाई गई। यानी कुल 4 ओवर पीछे होने पर 20 प्रतिशत मैच फीस कटेगी। इस आरोप को लेकर फील्ड अंपायर एलेक्स व्हार्फ और आसिफ याकूब व थर्ड अंपायर शर्फुद्दौला इबने शाहिद और फोर्थ अंपायर राशिद रियाज ने मैच रेफरी से शिकायत की।

ट्राइडेंट ओपन में मनोज ने हासिल की लीड, 67 का कार्ड खेलकर शीर्ष पर पहुंचे

चंडीगढ़, एजेंसी। बेंगलुरु के 17 वर्षीय उभरते गोल्फर मनोज एस ने ट्राइडेंट ओपन 2025 के तीसरे राउंड में बेहतरीन 5-अंडर 67 का कार्ड खेलते हुए लीड अपने नाम कर ली। 1 करोड़ रुपए की प्राइज मनी वाले ट्राइडेंट ओपन के पहले संस्करण का आयोजन चंडीगढ़ गोल्फ क्लब में हो रहा है। मनोज (69-71-67) तीन राउंड के बाद 9-अंडर 207 के कुल स्कोर के साथ एक शॉट की बढ़त पर पहुंच गए। 17 साल, 7 महीने और 26 दिन की उम्र में मनोज अब पीजीटीआई पर प्रोफेशनल के रूप में जीत दर्ज करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने की दहलीज पर हैं। वर्तमान

रिकॉर्ड शुभंकर शर्मा के नाम है, जिन्होंने 2014 में 17 साल, 8 महीने और 22 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। करनदीप कोचर अब भी सबसे युवा विजेता हैं, जिन्होंने 17 साल 5 महीने की उम्र में (अमेच्योर रहते) 2016 में जीत हासिल की थी। पूर्व पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन मनु गनदास (66-73-69) ने 69 का कार्ड खेलकर कुल 8-अंडर 208 के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए दिन समाप्त किया। टॉप-2 खिलाड़ियों और बाकी फील्ड के बीच अच्छी खासी दूरी रही। पांच खिलाड़ी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर 5-अंडर 211 के स्कोर पर बने हुए हैं। इनमें चंडीगढ़ के युवराज संधू (70) और अक्षय शर्मा (72), अपना पहला पीजीटीआई इवेंट खेल रहे शुभम जगलान (71) के अलावा शौर्य भट्टाचार्य और मोहम्मद अजहर शामिल हैं। इससे पहले दूसरे राउंड के बाद अक्षय शर्मा और मनु गनदास 5-अंडर 139 पर संयुक्त लीडर रहे थे। ट्राइडेंट ग्रुप टूर्नामेंट का टाइटल स्पॉन्सर है।

फिट इंडिया

कोलकाता साइक्लोथॉन में 4000 से ज्यादा प्रतिभागी शामिल

पेस-उषा उथुप रहे मुख्य अतिथि

कोलकाता, एजेंसी। राइड फॉर चेंज, राइड फॉर कोलकाता थीम पर आधारित इस आयोजन में 70 किमी प्रो राइड, 50 किमी एंड्यूरेंस राइड, 25 किमी एमेच्योर राइड, 10 किमी फन राइड और 5 किमी फन रन की श्रेणियां रखी गईं।

फिटनेस और हरित जीवनशैली के संदेश के साथ कोलकाता ने इतिहास रच दिया। कोल इंडिया लिमिटेड के सहयोग से लोहा फाउंडेशन और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा आयोजित फिट इंडिया कोलकाता साइक्लोथॉन 2025 में चार हजार से अधिक साइक्लिस्टों ने भाग लिया। इस तरह यह पूर्वी भारत का अब तक का सबसे बड़ा साइक्लिंग आयोजन बन गया।

गायक शादाब ने बढ़ाया उत्साह

इस अवसर पर पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस और गायिका उषा उथुप ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। बॉलीवुड गायक शादाब फरीदी ने अपने गीतों से प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। राइड फॉर चेंज, राइड फॉर कोलकाता थीम पर आधारित इस आयोजन में 70 किमी प्रो राइड, 50 किमी एंड्यूरेंस राइड, 25 किमी एमेच्योर राइड, 10 किमी फन राइड और 5 किमी फन रन की श्रेणियां रखी गईं। सुबह चार बजकर 20 मिनट पर साई मुख्य द्वार से इसकी शुरुआत हुई और शहर की प्रमुख सड़कों पर साइकिल चालकों की लंबी कतारें देखने लायक थीं।

कार्यक्रम में साई की कार्यकारी निदेशक अमर ज्योति, आईपीएस कृष्ण प्रकाश (रेस डायरेक्टर), बिधाननगर पुलिस आयुक्त मुकेश कुमार, कोल इंडिया के अध्यक्ष सनोज कुमार झा, पूर्व अध्यक्ष पीएम प्रसाद और कोलकाता के पोस्टमास्टर जनरल अशोक कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। शहर के रेलवे, एनडीआरएफ, कोयला इंडिया, स्थानीय पुलिस, सशस्त्र बलों और कई संस्थानों के प्रतिनिधियों ने इसमें हिस्सा लिया। खास बात यह रही कि राष्ट्रीय विकलांगता संस्थान के 300 से अधिक विशेष रूप से सक्षम बच्चों ने भी इस साइक्लोथॉन में भाग लिया, जिससे यह आयोजन वास्तव में सबके लिए राइड बन गया। लिएंडर पेस ने कहा, 'इतने लोगों को एक साथ फिटनेस और पर्यावरण के लिए साइकिल चलाते देखना प्रेरणादायक है। हर पैडल एक स्वस्थ भारत की दिशा में कदम है।' वहीं, उषा उथुप ने कहा, कोलकाता की ऊर्जा लाजवाब है। लिएंडर के साथ मंच साझा करना गौरव की बात है। चलिए, एक उज्जवल और स्वस्थ भविष्य की ओर पैडल मारें। इस मौके पर कोलकाता पोस्ट ऑफिस ने साइक्लोथॉन के पहले संस्करण की स्मृति में विशेष पोस्टल कैंसलेशन भी जारी किया। साई की अमर ज्योति ने कहा, 'कोलकाता की यह भागीदारी बताती है कि शहर अब फिटनेस और साइक्लिंग की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।'

जसप्रीत बुमराह ने खोला 'पंजा'

पहला टेस्ट : , साउथ अफ्रीका पहली पारी में सिर्फ 159 रन पर ऑलआउट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के सामने साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिए हैं। मेहमान टीम पहली पारी में सिर्फ 159 रन पर ऑलआउट हो गई। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी साउथ अफ्रीकी टीम को सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। एडेन मार्करम और रयान रिकेल्टन के बीच 10.3 ओवरों में 57 रन की साझेदारी हुई।

रिकेल्टन 22 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद टीम लड़खड़ा गई। साउथ अफ्रीकी टीम ने 71 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां से टोनी डी जोरजी ने वियान मुल्डर के साथ चौथे विकेट के लिए 83 गेंदों में 43 रन की साझेदारी की। ये दोनों ही खिलाड़ी 24-24 रन का योगदान देकर आउट हुए।

● खराब रोशनी की वजह से दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने 1 विकेट पर 45 रन

इनके अलावा, काइल वेरेन्ने ने 16 रन टीम के खाते में जोड़े, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स 15 रन बनाकर नाबाद रहे। साउथ अफ्रीका के 5 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके।

भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 14 ओवरों में महज 27 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। यह साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। साल 2024 में बुमराह ने केपटाउन में खेले गए टेस्ट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 61 देकर 6 विकेट हासिल किए थे। बुमराह के अलावा, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने 2-2 सफलताएं हासिल कीं, जबकि शेष एक विकेट अक्षर पटेल के नाम रहा।

भारतीय टीम ने अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट मैच में 2-0 से क्लीन स्वीप किया था। इसके बाद टीम इंडिया अपनी सरजमीं पर साउथ अफ्रीका के विरुद्ध टेस्ट सीरीज में उतरी है। भारतीय फैंस को उम्मीद है कि मेजबान टीम इस सीरीज में भी 2-0 से क्लीन स्वीप करेगी। भारतीय टीम में ऋषभ पंत की वापसी हुई है, जिन्हें इंग्लैंड दौरे पर चोटिल होने के बाद सीरीज बीच में ही छोड़नी पड़ी थी। उनके साथ ध्रुव जुरेल को भी इस मुकाबले की प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था।

हरमनप्रीत कौर का खुलासा

विराट नहीं, ये दिग्गज कप्तान है उनकी पहली पसंद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर इन दिनों अपनी ऐतिहासिक उपलब्धि को लेकर चर्चा में हैं. उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने पहली बार आईसीसी महिला विश्व कप जीतकर देश का सीना चौड़ा कर दिया. विश्व विजेता बनने के बाद हरमन जहां-जहां जा रही हैं, वहां लोगों का प्यार और सम्मान उन्हें मिल रहा है. इसी बीच चेन्नई में एक स्कूल इवेंट के दौरान हरमनप्रीत कौर ने एक दिलचस्प खुलासा किया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

हरमन ने चुना अपना फेवरेट कप्तान- चेन्नई के वेलाम्मल नेक्सस स्कूल में हुए कार्यक्रम में छात्राओं को हरमनप्रीत कौर से सवाल पूछने का मौका मिला. बच्चों ने उनसे पूछा, 'आपको विराट कोहली ज्यादा पसंद हैं या महेंद्र सिंह धोनी?' हरमन ने बिना झिझक एमएस धोनी का नाम लिया. उनका यह जवाब सुनकर सभी हैरान रह गए. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और फैन्स हरमन के इस जवाब को खूब पसंद कर रहे हैं.

विश्व कप जीतकर बनीं इतिहास का हिस्सा

2 नवंबर को हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर विश्व कप ट्रॉफी जीती. यह जीत सिर्फ एक खिताब नहीं थी बल्कि भारतीय महिला क्रिकेट के लिए एक सुनहरा पल साबित हुई. इस जीत के साथ ही हरमनप्रीत कौर का नाम कपिल देव, एमएस धोनी और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज कप्तानों के साथ दर्ज हो गया, जिन्होंने भारत को विश्व कप जीताया है.

किस खिलाड़ी से प्रेरणा लेती हैं हरमन- कार्यक्रम के दौरान एक और सवाल किया गया कि वह किस खिलाड़ी से सबसे ज्यादा प्रेरणा लेती हैं. हरमन ने बिना किसी हिचकिचाहट के वीरेंद्र सहवाग का नाम लिया. उन्होंने बताया कि सहवाग की बेखौफ और आक्रमक बल्लेबाजी हमेशा उन्हें प्रोत्साहित करती है.

फैंस को बड़ा झटका!

इस जाने माने रेसलर ने डब्ल्यूडब्ल्यूई से निकाले जाने के बाद अचानक लिया संन्यास, 42 की उम्र में रिंग को कहेंगे अलविदा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रोफेशनल रेसलिंग की दुनिया से एक बड़ी और हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार और एनएक्सटी टैग टीम चैंपियन फैंडेंगो ने अचानक इन-रिंग एक्शन से

संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। 42 वर्षीय फैंडेंगो का यह फैसला उनके फैंस के लिए एक झटका है। फैंडेंगो जिनका असली नाम जेडीसी है इस समय टीएनए में काम कर रहे हैं और सिस्टम स्टेबल ग्रुप का हिस्सा हैं। उन्होंने टीएनए इम्पैक्ट के हालिया शो में अपने रिटायरमेंट की घोषणा की। फैंडेंगो ने ऐलान किया कि वह जनवरी 2026 में डैलस में होने वाले टीएनए के (पे-पर-व्यू) इवेंट के बाद इन-रिंग एक्शन से संन्यास ले लेंगे। उन्होंने यह घोषणा फुल सेल यूनिवर्सिटी में की जो कई सालों तक डब्ल्यूडब्ल्यूई एनएक्सटी का घरेलू मैदान रहा था जिससे यह पल और भी भावनात्मक हो गया। फैंडेंगो को 2021 में डब्ल्यूडब्ल्यूई से रिलीज़ कर दिया गया था। उन्होंने टायलर ब्रीज के साथ मिलकर एनएक्सटी टैग टीम चैंपियनशिप भी जीती थी।

कुलदीप यादव ने शादी के लिए बीसीसीआई से मांगी छुट्टी

साउथ अफ्रीका के खिलाफ नहीं खेलेंगे दूसरा टेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव ने अपनी शादी के कारण भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से महीने के अंत में यानी नवंबर के आखिर में छुट्टी मांगी है। कुलदीप यादव फिलहाल साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेल रहे हैं। खबरों के मुताबिक कुलदीप यादव की शादी साल 2025 की शुरुआत में होनी थी, लेकिन आईपीएल के समाप्त होने में देरी की वजह से इसे टाल दिया गया था। टीओआई के मुताबिक कुलदीप अपनी शादी की छुट्टी के लिए बीसीसीआई से मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। बोर्ड के सूत्रों ने बताया कि इस स्पिनर ने नवंबर के आखिरी हफ्ते के लिए बोर्ड से छुट्टी मांगी है। कुलदीप को अगर छुट्टी मिल जाती है तो इस बात की संभावना है कि वो साउथ अफ्रीका के खिलाफ शायद ही दूसरा टेस्ट मैच खेल पाएंगे।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि कुलदीप यादव की शादी नवंबर के आखिरी हफ्ते में होनी है और टीम प्रबंधन उनकी छुट्टीयों की सही संख्या तय करने से पहले ये आकलन करेगा कि उन्हें कब कुलदीप की सेवाओं की

जरूरत है। आपको बता दें कि कुलदीप यादव की सगाई उनकी बचपन की दोस्त वंशिका के साथ 4 जून, 2025 को लखनऊ में हुई थी। इसमें परिवार के करीबी सदस्य और दोस्त जैसे क्रिकेटर रिंकू सिंह शामिल हुए थे। वंशिका लखनऊ की रहने वाली हैं और एलआईसी में काम करती हैं।

3 खिलाड़ी जो साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज में ले सकते अय्यर की जगह

भारत-दक्षिण अफ्रीका

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका की टीम का भारतीय दौरा दो मैचों की टेस्ट सीरीज से शुरू हो गया है। टेस्ट सीरीज के बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी।

इसके बाद पांच टी20 मैचों की सीरीज भी खेली जाएगी। फिलहाल वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया के स्क्वाड को लेकर लगातार चर्चा जारी है। क्योंकि वनडे टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर चोटिल हैं। ऐसे में उनकी जगह कौन ले सकता है इस पर अटकलें लगने लगी हैं। फिलहाल तीन ऐसे खिलाड़ियों का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है जो चोटिल श्रेयस अय्यर की जगह साउथ अफ्रीका सीरीज में उनकी जगह ले सकते हैं।

इसमें तीनों खिलाड़ी ऐसे हैं जो भारत के लिए वनडे डेब्यू कर चुके हैं। इसमें से एक ऐसा खिलाड़ी भी है जिसके नाम पूरे करियर में हर फॉर्मेट में मिलाकर 32 शतक भी दर्ज हैं।

1- ऋषभ पंत- ऋषभ पंत पिछले कुछ समय से वनडे टीम से बाहर हैं। उनकी जगह भी इस टीम में नहीं बन पा रही है। वनडे विश्व कप 2023 के पहले से ही केएल राहुल टीम के लिए बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज खेलते हैं। ऐसे में उनकी जगह नहीं बन पा रही थी। अब अय्यर चोटिल हैं और अगर वह बाहर होते हैं तो पंत को वापस से टीम इंडिया में जगह मिल सकती है और वह नंबर 4 पर अय्यर की जगह खेलते भी नजर आ सकते हैं।

पंत टेस्ट में भी कप्तान शुभमन गिल के साथ उपकप्तान हैं। ऐसे में अब वनडे में भी उपकप्तान अय्यर की गैरमौजूदगी में यह नजारा दिख सकता है। ऋषभ पंत के करियर की बात करें तो उनके नाम 31 वनडे इंटरनेशनल की 27

पारियों में 871 रन दर्ज हैं। उनके नाम वनडे इंटरनेशनल में एक शतक और 5 अर्धशतक दर्ज हैं। लिस्ट ए में भी पंत ने 61 पारियों में 1789 रन बनाए हैं जिसमें 2 शतक और 11 अर्धशतक दर्ज हैं।

2- तिलक वर्मा- इंडिया ए टीम की साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ वनडे सीरीज में कप्तानी कर रहे तिलक वर्मा भी श्रेयस अय्यर की गैरमौजूदगी में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने 2023 में भारत के लिए वनडे डेब्यू किया था लेकिन करीब दो साल से वह वनडे टीम में वापस नहीं आए हैं। उन्होंने भारत के लिए 4 वनडे मैचों में एक अर्धशतक समेत 68 रन बनाए। यह आंकड़े उनके टैलेंट के साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं।

प्राइवेसी की इज्जत करो...

ये शर्मनाक है...

फेक न्यूज पर भड़के राकेश बेदी

अभिनेता और कमीडियन राकेश बेदी ने सोशल मीडिया पर फेक न्यूज और लोगों की निजता भंग करने पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपलोड वीडियो में न केवल मीडिया, बल्कि फेक न्यूज फैलाने वाले लोगों को भी फटकार लगाई।

इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का उल्लेख करते हुए लोगों से अपील की कि बिना पुष्टि के कोई खबर न फैलाएं, खासकर जब बात किसी की निजी जिंदगी और स्वास्थ्य की हो। राकेश बेदी ने अपने वीडियो में कहा, 'दोस्तों, धरम जी के मामले में जो कुछ हुआ, उसे लेकर जो खबरें चल रही हैं, वो पूरी तरह गलत हैं। मुझे बहुत दुख हो रहा है।

सेट पर परफेक्ट

शॉट पाने के लिए करनी पड़ती है बहुत मेहनतः रसिका दुग्गल

मिर्जापुर वेब सीरीज में 'बाऊजी' की बहू बीना त्रिपाठी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस रसिका दुग्गल की एक और दमदार सीरीज 'दिल्ली क्राइम 3' नेटफ्लिक्स पर गुरुवार को स्ट्रीम हो गई। क्राइम और थ्रिलर से भरी इस सीरीज में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी भी हैं। इस सीरीज में पुलिस अधिकारी नीतू सिंह का रोल प्ले करने वाली रसिका दुग्गल ने अपने अनुभव को शेयर किया है। रसिका दुग्गल ने बताया कि 'दिल्ली क्राइम 3' के सेट पर उन्होंने फोकस और तकनीक को लेकर बहुत कुछ सीखा। उन्होंने बताया कि कैसे तकनीकी पहलुओं और रचनात्मकता के बीच संतुलन बनाकर एक शॉट को परफेक्ट बनाया जा सकता है। एक्ट्रेस ने कहा कि 'जब मैं किसी सेट पर जाती हूं तो सोचती हूं, 'काश उनके पास कोई बहुत अच्छा फोकस करने वाला हो, जिससे शॉट्स को बेहतरीन बनाया जा सके।' मैं हमेशा सेट पर इस बारे में पूछती थी। उन्होंने एक किस्सा शेयर करते हुए बताया कि मैंने एक शो किया था और आखिरी सीन में मुझे रोना था। अगर वह सीन नहीं चलता तो बाकी किरदार भी नहीं चलते। ये सीन एक ट्रैक शॉट था जिसमें आधे सेकंड के लिए फोकस चला गया था। मुझे उसका एक और टेक लेने के लिए कहा और उन्होंने उसके लिए एक सेफ्टी टेक लिया, क्योंकि पहले वाले में थोड़ी सी गड़बड़ी थी। दूसरा शॉट इतना परफेक्ट नहीं था, लेकिन फिर भी निर्देशक ने पहला वाला ही रखा। इस बात को लेकर डीओपी निर्देशक से नाराज हो गए। उनका कहना था कि तुमने दर्शकों को मेरे काम की घटिया क्वालिटी दिखाई, लेकिन फिर भी वही सीन लिया गया।' कहने का मतलब है कि फोकस और आपसी सहयोग की वजह से शॉट को बेहतरीन बनाया जा सकता है। रसिका दुग्गल ने कहा कि तकनीशियन मुश्किल से मुश्किल काम को आसान बना देते हैं और शूटिंग के समय किसी भी तरह के तथ्यों को नजरअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

बॉलीवुड की रील लाइफ जोड़ियां

किसी ने 21 साल तो किसी ने 46 साल छोटी एक्ट्रेस संग किया रोमांस

'दे दे प्यार दे' की सफलता के बाद निर्माता लेकर आ रहे हैं इसका सीक्वल 'दे दे प्यार दे 2'। जो कल रिलीज हो रहा है। इस फिल्म में भी बॉलीवुड की कुछ फिल्मों की तरह उम्र का फासला होने के बावजूद गहरा प्यार दिखाया गया है। पुरानी सोच को तोड़ती 'दे दे प्यार दे 2' से पहले भी कई फिल्में आ चुकी हैं, जो उम्र के फासले के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाती नजर आईं। बॉलीवुड में उम्र का फासला कभी भी अच्छी कहानी और शानदार केमिस्ट्री के आड़े नहीं आया। चाहे अजय-रकुल की हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी हो, सलमान-रश्मिका का एक्शन से भरा अंदाज या ऐश्वर्या-रणबीर का इमोशनल रोमांस। हर जोड़ी ने अपने किरदारों को बखूबी निभाया। ये जोड़ियां साबित करती हैं कि प्यार और केमिस्ट्री की कोई उम्र नहीं होती, खासकर तब जब बात बॉलीवुड के जादुई पर्दे की हो।

फिल्म 'दे दे प्यार दे 2'

2019 में फिल्म 'दे दे प्यार दे' में अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की जोड़ी साथ नजर आई थी। इस फिल्म में अजय एक 50 साल के शख्स के किरदार में हैं, जो अपनी उम्र से आधी उम्र की लड़की (रकुल) से प्यार करते हैं। दोनों के बीच 21 साल की उम्र का अंतर होने के बावजूद, उनकी केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया। अब 'दे दे प्यार दे 2' में भी ये जोड़ी वापस आ रही है। इस फिल्म में कहानी को और मजेदार मोड़ के साथ पेश किया गया है। यह फिल्म कल यानी 14 नवंबर को रिलीज हो रही है।

फिल्म 'सिकंदर'

फिल्म 'सिकंदर' में सलमान खान के साथ साउथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की जोड़ी नजर आई थीं। सलमान और रश्मिका के बीच करीब 25 साल का उम्र का फासला है। सलमान, जो 50 के पार हैं, अपनी फिटनेस और चार्म से आज भी युवा दिलों की धड़कन बने हुए हैं। वहीं, रश्मिका अपनी क्यूटनेस और शानदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। 'सिकंदर' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है।

फिल्म 'निशब्द'

बॉलीवुड के 'शहंशाह' अमिताभ बच्चन ने 2007 में फिल्म 'निशब्द' में जिया खान के साथ काम किया था। इस फिल्म में अमिताभ ने एक 60 साल के शख्स का किरदार निभाया, जो अपनी बेटी की उम्र की लड़की (जिया) से प्यार कर बैठता है। दोनों के बीच 46 साल का उम्र का अंतर है, जो उस समय काफी चर्चा में रहा। 'निशब्द' एक बोल्ड और इमोशनल कहानी थी। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं कर पाई, लेकिन इस जोड़ी की केमिस्ट्री की वजह से यह फिल्म उस समय सुर्खियों में रही।

फिल्म 'ऐ दिल है मुश्किल'

2016 में रिलीज हुई फिल्म 'ऐ दिल है मुश्किल' में ऐश्वर्या राय बच्चन और रणबीर कपूर की जोड़ी ने स्क्रीन पर आग लगा दी थी। ऐश्वर्या, जो उस समय 40 के आसपास थीं। ऐश्वर्या ने रणबीर (जो उनसे 12 साल छोटे हैं) के साथ एक रोमांटिक और इमोशनल किरदार निभाया। ऐश्वर्या की खूबसूरती और रणबीर की एनर्जी ने इस जोड़ी को यादगार बना दिया।

अक्षरा सिंह ने दिखाई नए गाने 'हमार तिरछी नजर' की झलक, रिलीज डेट से उठाया पर्दा

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय एक्ट्रेस अक्षरा सिंह अपने नए म्यूजिक वीडियो 'हमार तिरछी नजर' के जरिए चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर गाने की झलक साझा कर अक्षरा ने फैंस के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। अक्षरा सिंह के इस पोस्ट ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। वीडियो में वह ग्लैमरस लुक में नजर आ रही हैं। इस लुक को देख हर कोई उनका दीवाना हो रहा है। चमकीले आउटफिट और खुले बालों में उनका यह अवतार बेहद आकर्षक लग रहा है। गाने की झलक में अक्षरा के ठुमके और जबरदस्त डांस मूव्स नजर आ रहे हैं, वहीं बैकग्राउंड में बजते बीट्स लोगों को थिरकने पर मजबूर कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में उनका स्टाइल और एनर्जी साफ दिखाई दे रही है। पोस्ट की गई ये छोटी सी क्लिप गाने के रिलीज होने से पहले काफी वायरल हो रही है। उन्होंने पोस्ट के जरिए गाने के रिलीज डेट से पर्दा हटाया। वीडियो में अक्षरा के हर एक ठुमके पर लोग तालियां बजाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को पोस्ट करते हुए अक्षरा ने कैप्शन में लिखा, ''नया गाना 'हमार तिरछी नजर' सारेगामा हम भोजपुरी के यूट्यूब चैनल के साथ सभी म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर 15 नवंबर को रिलीज होने वाला है।'' इस पोस्ट पर कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ गए। लोगों ने कमेंट्स में उन्हें 'क्वीन ऑफ भोजपुरी', 'सुपरस्टार', और 'फायर गर्ल' जैसे टैग दिए। अक्षरा सिंह के करियर की बात करें तो उन्होंने भोजपुरी सिनेमा में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। साल 2010 में उन्होंने रवि किशन के साथ फिल्म 'सत्यमेव जयते' से अपने अभिनय सफर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने 'प्राण जाए पर वचन ना जाए', 'सौगंध गंगा मैया के', 'सत्या', 'तबादला', 'सरकार राज', और 'मां तुझे सलाम' जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया। अक्षरा की एक्टिंग ही नहीं, बल्कि उनकी सिंगिंग भी लोगों को खूब पसंद आती है। उन्होंने कई भोजपुरी म्यूजिक वीडियो में अपनी आवाज दी है, जो यूट्यूब पर लाखों-करोड़ों बार देखे जा चुके हैं। अभिनय और गायकी के साथ-साथ अक्षरा ने हिंदी टेलीविजन पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने जी टीवी के सीरियल 'काला टीका' और 'सर्विस वाली बहू' में महत्वपूर्ण किरदार निभाए, वहीं सोनी टीवी के शो 'पोरस' में उन्होंने महारानी कणिका का किरदार निभाया।

सोशल मीडिया पर रणबीर कपूर का फेक अकाउंट

पत्नी आलिया नहीं करतीं फॉलो, अभिनेता ने किया बड़ा खुलासा

रणबीर कपूर का इंस्टाग्राम पर कोई ऑफिशियल अकाउंट नहीं है। लेकिन वह हर ट्रेंड से वाकिफ हैं। कई लोगों को फॉलो भी करते हैं। दरअसल, वह फेक इंस्टाग्राम अकाउंट चलाते हैं। हाल ही में इस बात का खुलासा रणबीर कपूर ने खुद किया है। रणबीर कपूर ने बताया कि इस अकाउंट पर जीरो फॉलोअर्स हैं। यहां तक की आलिया भी उन्हें फॉलो नहीं करती है।

फिनस्टा अकाउंट चलाते हैं रणबीर कपूर

रणबीर कपूर ने दुबई के इवेंट में बुधवार को कहा, 'मैं ऑफिशियली इंस्टाग्राम पर नहीं हूं। लेकिन मेरा फिनस्टा यानी फेक अकाउंट है। दुनिया में कितने सारे कमाल के लोग हैं, जिसने इंस्पिरेशन मिलती है। हर कोई उनको फॉलो करना चाहता है। लेकिन मैं एक्टर हूं, इसलिए ऑफिशियली इंस्टाग्राम पर नहीं आना चाहता हूं। मेरे पास पहले से सिनेमा का मीडियम है, जिसके जरिए लोग मुझे जानते हैं। ऐसे में इंस्टाग्राम पर ऑफिशियली होना जरूरी नहीं।'

आलिया इसलिए नहीं करती रणबीर को फॉलो

रणबीर कपूर के खुलासे के बाद आलिया ने इवेंट में बताया कि वह एक्टर के अकाउंट को फॉलो नहीं करती हैं। क्योंकि रणबीर कपूर ने ऐसा करने से मना किया है। साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि रणबीर कपूर के इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो रील हैं। इस पर रणबीर कपूर कहते हैं, 'अगर आलिया मुझे फॉलो करती हैं, तो दुनिया को पता चल जाएगा।'

शाहरुख खान की फिल्म 'जब तक है जान' ने पूरे किए 13 साल

यशराज फिल्म्स अक्सर अपनी फिल्मों में प्यार और दिल टूटने के एहसास को बयां करता रहता है। फिल्म 'जब तक हैं जान' इन्हीं में से एक थी। गुरुवार को इस फिल्म ने अपनी रिलीज के 13 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर यशराज फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के कुछ पुराने सीन्स की तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसके साथ उन्होंने दिल टूटने के एहसास को अपने शब्दों में बयां किया और लिखा, 'यह एक ऐसी कहानी है जिसमें प्यार, दिल टूटने का दर्द और किस्मत सब कुछ शामिल है। जब तक है जान एक ऐसी कहानी लेकर आई थी जिसने हमें हमेशा के लिए सच्चे प्यार पर यकीन करना सिखाया है।' फिल्म 'जब तक है जान' साल 2012 में रिलीज की गई रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन यश चोपड़ा ने किया था और निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया था। फिल्म में मुख्य भूमिका में शाहरुख खान, कैटरीना कैफ और अनुष्का शर्मा नजर आए थे। फिल्म में रोमांस के साथ-साथ लव ट्राएंगल भी दिखाया गया था।

संजय मिश्रा की 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का नया पोस्टर जारी

- महिमा चौधरी संग अभिनेता का दिखा अनोखा अंदाज

बॉलीवुड अभिनेता संजय मिश्रा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' से चर्चा में हैं। अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म से जुड़ा नया पोस्टर साझा किया है। इसमें वो महिमा चौधरी के साथ रोमांटिक अंदाज में दिख रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने शानदार कैप्शन भी दिया गया है।

संजय मिश्रा का दिखा अनोखा अंदाज

बॉलीवुड एक्टर्स संजय मिश्रा और महिमा चौधरी ने संयुक्त रूप से इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। ये पोस्टर उनकी आगामी फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का है। इसमें दोनों कलाकार एक-दूसरे की तरफ पीठ करके बैठे हुए हैं और दोनों किताबें पढ़ने में लगे हुए हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'हो ले जाएंगे ले जाएंगे, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे। अरे रह जाएंगे रह जाएंगे, पैसेवाले देखते रह जाएंगे।'

बड़ी फिल्मों के आगे 'आगरा' को शो न मिलने पर मेकर्स ने जताई नाराजगी

मनोज बाजपेयी ने किया समर्थन

फिल्म फेस्टिवल्स में सराही जाने वाली कनु बहल की फिल्म 'आगरा' को मल्टिप्लेक्स चेन में शो नहीं मिल रहे हैं। इसको लेकर अब मेकर्स ने नाराजगी जताई है और कथित बड़ी फिल्मों को दोषी ठहराया है। हर शुक्रवार की तरह इस बार भी कई फिल्में रिलीज हुई हैं। इन फिल्मों में एक नाम कनु बहल की फिल्म 'आगरा' का भी शामिल है। साल 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई इस फिल्म को काफी सराहना भी मिली थी। अब 14 नवंबर को यह फिल्म भारत में रिलीज हुई है। यह एक स्वतंत्र फिल्ममेकर की फिल्म है, नतीजा फिल्म का उतना शोर-शराबा नहीं है। लेकिन अब फिल्म के निर्देशक कनु बहल ने 'आगरा' को पर्याप्त स्क्रीन न मिलने की बात कहते हुए बड़ी मल्टीप्लेक्स सिनेमा चेन्स पर तंज कसा है। इसके पीछे उन्होंने कथित बड़ी फिल्मों को कारण बताया है। अब दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कनु की इन बातों का समर्थन किया है।

कनु बहल ने ट्वीट कर जताई नाराजगी

निर्माता कनु बहल ने फिल्म 'आगरा' की रिलीज को लेकर एक ट्वीट किया। इस ट्वीट में कनु ने 'आगरा' पर अपडेट देते हुए लिखा, 'हमें तथाकथित 'बड़ी ब्लॉकबस्टर' फिल्मों और छोटी फिल्मों के मल्टीप्लेक्स चेन प्रोग्रामिंग में फिट न होने के कारण शो देने से मना किया जा रहा है। अब यह आप दर्शकों पर निर्भर है। बोलिए और चेन को टैग कीजिए। कहिए कि आप फिल्म देखना चाहते हैं।' अपने इस ट्वीट में कनु ने किसी फिल्म का नाम तो नहीं लिया है, लेकिन उनका इशारा उन कथित बड़े स्टार्स और बड़े बजट वाली कमर्शियल फिल्मों की ओर ही है। इस हफ्ते भी रिलीज हुई फिल्मों में अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' इसी तरह की बड़े बजट और बड़ी स्टार वाली फिल्म है।

साभार एजेंसी